खबरों के 69 साल, खबरें लगातार, ई पेपर - www.deshbandhump. com
पत्र नहीं मित्र
संपर्क करें : jabdesh1@yahoo.com

देशबन्धु

जबलपुर, सोमवार 14 अप्रैल 2025 । वर्ष –69 । अंक –148 पृष्ठ –12 । मूल्य – 3.00 रु.

डॉ. अम्बेडकर जयंती आज

■ आगरा में उड़ीं संविधान ...
■ क्या मायावती ... 04
■ यूक्रेन के टुकड़े-टुकड़े वाला बयान देने वाले ...
■ इजरायली सेना ने किया रफाह का घेराव... 09
■ बाजरे की उन्नत खेती एवं उसका महत्व..
■ छोटी सी जगर पर कर सकते हैं कई सब्जियों... 11
■ लखनऊ के खिलाफ...
■ भारत ने बिली जीन.. 10

आईपीएल में आज

लखनऊ विरूद्ध चैन्नई
लखनऊ
7.30 बजे से

सार संक्षेप

मुख्यमंत्री महू में अम्बेडकर जयंती उत्सव में होंगे शामिल

14 अप्रैल को भीम जन्म भूमि पर होगा कार्यक्रम

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर के जयंती उत्सव पर 14 अप्रैल को डॉ. अम्बेडकर नगर महू में उनकी जन्मस्थली स्मारक पर होने वाले कार्यक्रम में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव प्रातः 11 बजे भीम जन्म भूमि पधार कर सर्वप्रथम डॉ. अम्बेडकर की प्रतिमा को नमन करेंगे। इसके बाद अस्थि कलश पर पुष्प वर्षा का बुद्ध वंदना में शामिल होंगे। साथ ही भन्ते धर्मशील जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव इस अवसर पर पुस्तक विमोचन कर भीम रत्न अवार्ड भी प्रदान करेंगे। उल्लेखनीय है कि प्रतिवर्ष इंदौर जिले के डॉ. अम्बेडकर नगर महू स्थित उनकी जन्म स्थली पर पूर्ण आस्था के साथ जयंती उत्सव मनाया जाता है।

हिमाचल में भूकंप, 3.4 रही तीव्रता

मंडी। हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले में एक बार फिर भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप की वजह से लोग दहशत में हैं सभी अपने–अपने घरों से बाहर निकल गए। इस भूकंप की तीव्रता 3.4 रही। इसका केंद्र मंडी जिले के सुंदर नगर के जयदेवी में धरती से 5 किलोमीटर रहा। कुछ समय पहले 23 फरवरी को भी भूंकप की वजह से यहां की धरती कांप उठी थी। मंडी जिले में रविवार सुबह 9:18 पर भूकंप के झटके महसूस किए गए है। फिलहाल, इन झटकों से नुकसान की सूचना नहीं है।

सूचना

सुधि पाठकों के लिए देशबन्धु अखबार का ई–पेपर epaper.deshbandhump.com वेबसाइट पर भी उपलब्ध है।

बिरादरी की बात

चूहा-सुनती हो-सामूहिक दुष्कर्म के बाद राजीनामा ना करने पर आरोपियों ने दलित पीड़िता का घर जला दिया।
चुहिया- हां प्रिये- यही कहलाती है 'चोरी ऊपर से सीना जोरी।'

आंध्र प्रदेश के पटाखा कारखाने में भीषण आग

8 की मौत

प्रधानमंत्री मोदी ने जताया दुख, सहायता राशि घोषित की

अनकापल्ली। आंध्र प्रदेश के अनकापल्ली जिले में रविवार को पटाखा कारखाने में भीषण आग लग गई। इस घटना में 2 महिलाओं समेत 8 लोगों की मौत हो गई और 7 अन्य घायल हो गए। मुख्यमंत्री एन। चंद्रबाबू नायडू ने घटना पर दुख व्यक्त किया। गृह मंत्री वी. अनिता के मुताबिक आग लगने की दुर्घटना में दो महिलाओं समेत आठ लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हैं। घायलों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। मामले में विस्तृत जानकारी की प्रतीक्षा है।

मुख्यमंत्री नायडू ने दिये जांच के आदेश

आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया कि मुख्यमंत्री ने अनिता और जिले के अधिकारियों को घायलों के लिए बेहतर चिकित्सा सुविधा सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। गौरतलब है कि हाल के दिनों आग लगने की कई घटनाएं हुई हैं। हादसा इतना भयावह था कि कारखाने की छत आधा किलोमीटर दूर जाकर गिरी। जिस समय हादसा हुआ तब लगभग 30 मजदूर मौजूद थे।

इस भयावह अग्नि हादसे पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गहरा दुख जताते हुए मृतकों के परिजनों को दो–दो लाख और घायलों को 50–50 हजार की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है। उधर मुख्यमंत्री एन. चन्द्रनायडु बाबू ने दुख जताते हुए घटना की जांच के आदेश दिये हैं। आग लगने का कारण फिलहाल अज्ञात है।

भोपाल के राष्ट्रीय सहकारिता सम्मेलन में बोले अमित शाह

अब सहकारी समितियां चलांएगी पेट्रोल पम्प, बांटेगी रसोई गैस

भोपाल, देशबन्धु। भोपाल स्थित रविन्द्र भवन में आयोजित राष्ट्रीय सहकारिता सम्मेलन में केन्द्रीय मंत्री अमित शाह शामिल हुए। इस मौके पर श्री शाह ने कहा कि अब देश में सहकारी समितियां अब पेट्रोल पम्प का संचालन करेगी और रसोई गैस भी वितरित करेगी।

उन्होने कहा कि सहकारिता सेक्टर में मध्यप्रदेश में काफी संभावनाएं है, जिसपर काम करने की जरुरत है। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने की। इस दौरान सहकारिता मंत्री विश्वास सारंगए पशुपालन। डेयरी विकास मंत्री लखन पटेल के साथ–साथ नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड और मध्यप्रदेश के सहकारिता, पशुपालन एवं डेयरी विभाग के अधिकारी भी मौजूद रहे।

केन्द्रीय मंत्री श्री शाह ने आगे कहा कि मध्य प्रदेश के अंदर कृषि, पशुपालन व सहकारिता क्षेत्र में अधिक संभावनाएं हैं। मैं मानता हूं कि हमें हमारी संभावनाओं का शत प्रतिशत दोहन करने के लिए ढेर सारा काम करने की जरूरत है। ग्रामीण विकास व कृषि विकास के आयाम, पशुपालन के आयाम, इन सबको एक जगह पर रखकर केंद्रीय स्तर पर कोई विचार नहीं किया। विचार होता भी कैसे। कोई सहकारिता मंत्रालय ही नहीं था। आजादी के 75 साल बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सहकारिता मंत्रालय बनाकर मुझे मंत्री बनाया। उन्होंने कहा कि पूरे भारत में मध्य प्रदेश ने पैक्स समिति को कंप्यूटराइज्ड करने में पहला नंबर हासिल किया। इसके लिए मैं मध्य प्रदेश को बधाई देता हूं।

मैं इस मंच से देश भर की सभी राज्य सरकारों का अभिनंदन करना चाहता हूं। आपने मॉडल बायलॉज स्वीकार कर सहकारिता क्षेत्र में नई जान डाल दी है। अपैक्स तो एक समय केवल और केवल शॉर्ट टर्म एग्रीकल्चर फाइनेंस का काम करते थे। करीब–करीब आधे प्रतिशत का उनका मुनाफा होता था। उसकी जगह अपैक्स आज 20 से ज्यादा राज्यों में काम करते हैं। इस दौरान मध्यप्रदेश दुग्ध संघ व नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड के बीच एमओयू हुआ। इसके साथ ही एमपी के छह दुग्ध संघों व एनडीडीबी के बीच छह अलग–अलग एमओयू भी किए गए। इससे पहले स्टेट हैंगर पर

किसानों की जिंदगी बेहतर बनाएंगे- डॉ. यादव

नहीं बदलेगा सांची का नाम : लखन पटेल

शाह का स्वागत मुख्यमंत्री डॉण् मोहन यादव और सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग ने किया। इसके बाद शाह का काफिला रवाना होकर सीएम हाउस पहुंचाए जहां शाह ने सीएम मोहन यादव और उनके साथी मंत्रियों के साथ लंच किया। >>शेष पृष्ठ 2 पर

वक्फ कानून को लेकर जमीयत उलेमा-ए-हिंद की हुई बैठक

यह संशोधन मुसलमानों के लिए सही नहीं : मदनी

नई दिल्ली, (एजेंसियां)। वक्फ संशोधन बिल संसद से पास होने के बाद इसे लेकर देश भर में विरोध हो रही है। इस संशोधन बिल के खिलाफ देश भर के मुस्लिम संगठन नाराजगी जता रहे हैं। इस बीच जमीयत उलेमा–ए–हिंद के अध्यक्ष मौलाना महमूद मदनी ने बड़ा बयान दिया है।

मौलाना महमूद मदनी ने कहा, यह वक्फ का मामला नहीं बल्कि राजनीति है। मुसलमानों के नाम पर, कभी मुसलमानों को गाली देकर या मुसलमानों का हमदर्द बनकर दुर्भावना के साथ इस अधिनियम को लागू किया गया। यह अधिनियम या संशोधन देश, समाज या मुसलमानों के लिए सही नहीं है। मौलना महमूद मदनी ने आज प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए वक्फ संशोधन बिल को लेकर अपनी कड़ी आपत्ति दर्ज कराई। मौलाना मदनी ने मीडिया के एक वर्ग पर निशाना साधते हुए कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि यह फैलाया जा रहा है कि वक्फ संपत्तियों पर चीन से आए लोगों ने कब्जा कर रखा है। उन्होंने कहा कि यह बिल न तो देश के लिए सही है, न भारतीयों के लिए और न ही मुसलमानों के लिए। उनका आरोप है कि यह संशोधन बिल्डरों को फायदा पहुंचाने के लिए लाया गया है। मदनी ने कहा, हमारी लड़ाई जारी रहेगी, खत्म नहीं होगी, चाहे हमें कितनी भी कुर्बानी देनी पड़े।

हमने आजादी से पहले भी कुर्बानियां दी हैं। अगर हमें लड़ना पड़ा तो हम लड़ेंगे। अगर हमें सब्र करना है तो हम वो भी करेंगे। हम हर स्थिति के लिए तैयार हैं। हम न्याय का इंतजार कर रहे हैं।' उन्होंने शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन करने की अपील करते हुए कहा कि इस कानून के खिलाफ हर जगह शांतिपूर्ण प्रदर्शन होने चाहिए।

मुर्शिदाबाद हिंसा पर ममता सरकार के मंत्री बोले, बीएसएफ ने चलाई गोलियां, पुलिस ने नहीं

नए वक्फ कानून के खिलाफ मुर्शिदाबाद में भड़की हिंसा में तीन लोगों की मौत पर पश्चिम बंगाल की पुलिस इन मौतों की जांच करने की बात कह रही है। इस बीच ममता बनर्जी की सरकार के मंत्री सिद्दीकुल्ला चौधरी ने मुर्शिदाबाद हिंसा में हुई मौतों को लेकर बड़ा दावा कर दिया।

सिद्दीकुल्ला चौधरी ने हिंसा में हुई मौतों के लिए बीएसएफ को जिम्मेदार ठहरा दिया। सिद्दीकुल्ला चौधरी ने मौतों को लेकर पूछे गए सवाल पर कहा कि बीएसफ की गोली से लोग मारे गए हैं। इसके लिए हमारी सरकार जिम्मेदार नहीं है। उन्होंने कहा कि बीएसएफ ने गोली चलाई है, उनसे पूछिए. राज्य सरकार की पुलिस ने कोई गोली नहीं चलाई।

बंगाल में हिंसा मामले में 150 लोग गिरफ्तार

हिंसाग्रस्त इलाकों में 1600 जवान तैनात किए

वक्फ कानून के विरोध में शनिवार को पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद, नॉर्थ 24 परगना, हुगली और मालदा जिलों में हिंसक विरोध प्रदर्शन हुए। गाड़ियां जलाईं, दुकानों–घरों में तोड़फोड़ कर लूट भी की गई। अब तक 3 लोगों की मौत हो चुकी है। 15 पुलिसकर्मी घायल हैं। 150 लोग गिरफ्तार किए गए हैं। पश्चिम बंगाल में 10 अप्रैल से हिंसा जारी है। केंद्र सरकार ने हिंसाग्रस्त इलाकों में 1600 जवान तैनात किए हैं। हिंसाग्रस्त इलाकों में इंटरनेट बैन है। बीएनएस की धारा 163 भी लागू है। इधर, मुर्शिदाबाद के धुलियान से करीब 500 लोग पलायन कर गए हैं।

वक्फ के नाम पर लोगों को गुमराह किया: योगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को वक्फ संशोधन कानून का विरोध करने पर विपक्षी दलों पर जमकर हमला बोला। सीएम योगी ने वक्फ को लेकर विपक्ष पर गुमराह करने का आरोप लगाया और कहा कि वक्फ कानून के नाम पर हिंसा भड़काई जा रही है।

हैदराबाद में 19 को जनसभा

ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड वक्फ संशोधन अधिनियम को लेकर विरोध जताने के लिए 19 अप्रैल को हैदराबाद में जनसभा का आयोजन करेगा। एआईएम–आईएम के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने यह जानकारी दी। तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के सदस्यों के साथ–साथ दोनों राज्यों के अन्य मुस्लिम संगठन इस जनसभा में भाग लेंगे।

कर्नाटक में ओबीसी आरक्षण 51 फीसदी करने की सिफारिश

बेंगलुरु, (एजेंसियां)। कर्नाटक में जाति जनगणना आयोग ने आरक्षण प्रणाली को लेकर राज्य सरकार को एक बड़ा सुझाव दिया है। आयोग ने शिक्षा और नौकरियों में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए आरक्षण को 32 फीसदी से बढ़ाकर 51 फीसदी करने की सिफारिश की है। रिपोर्ट के अनुसार अगर यह प्रस्ताव लागू होता है, तो राज्य में कुल आरक्षण बढ़कर 85 फीसदी हो जाएगा।

17 को जाति जनगणना पर होगी चर्चा

इसमें पहले से ही आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (इडब्ल्यूएस) के लिए 10 फीसदी और अनुसूचित जाति/जनजाति (एससी/एसटी) के लिए 24 फीसदी आरक्षण शामिल है। इसके साथ ही, महिलाओं, दिव्यांगों जैसे समूहों को मिलने वाला क्षैतिज आरक्षण भी लागू रहेगा। (यहां क्षैतिज आरक्षण का अर्थ जो आरक्षण महिलाओं, विकलांग (दिव्यांग) व्यक्तियों, भूतपूर्व सैनिकों आदि के लिए होता है)

आर्थिक सर्वेक्षण के बाद की सिफारिश– आयोग द्वारा यह सिफारिश हाल ही में कराए गए सामाजिक–आर्थिक और शिक्षा सर्वेक्षण (जिसे जाति जनगणना भी कहा जाता है) के आधार पर की गई है। इस सर्वे के मुताबिक कर्नाटक में पिछड़े वर्गों की आबादी करीब 70 फीसदी है। पैनल का मानना है कि अगर इतनी बड़ी आबादी को उनकी संख्या के हिसाब से सरकारी सुविधाएं और आरक्षण नहीं दिया गया, तो समानता नहीं हो पाएगी। मामले में पैनल का मानना है कि हालांकि ओबीसी की जनसंख्या 69.6 फीसदी है, फिर भी राज्य की आधी से भी कम >>शेष पृष्ठ 2 पर

हैवानियत

दलित की बेटी से पहले किया सामूहिक दुष्कर्म, अब जलाया घर

भिंड। भिंड जिले में अपराधियों के हौसले कितने बुलंद हैं, इसकी बानगी शुक्रवार को तब देखने को मिली जब दलित युवती के साथ सामूहिक दुष्कर्म करने वाले अपराधी दर्जनभर लोगों के साथ पीड़िता के घर आ धमके और कोर्ट के बाहर राजीनामा करने का दवाब डालने लगी। पीड़िता ने जब राजीनामे को नकारा दिया तो आरोपियों ने उसका घर जला दिया।

रिपोर्ट के मुताबिक कोर्ट के बाहर राजीनामे के लिए पीड़ित दलित के घर दर्जनभर लोग एक साथ पहुंचे। परिवार नहीं माना तो सामूहिक दुष्कर्म आरोपियों ने परिवार के दो लोगो को घेरकर लाठी डंडे से जमकर पीटा। इस पर भी मन नहीं भरा तो घर के सामानों को तोड़ा–फोड़ा और पीड़िता की झोपड़ी को आग के हवाले कर दिया, जिसमें परिवार के दो लोग झुलस गए।

दलित परिवार ने पुलिस पर आरोपियों के साथ मिलीभगत का आरोप लगाया है– घटना के बाद दोनों घायलों को नजदीकी अस्पताल इलाज के लिए भेजा गया, जहां हालत गंभीर होने से घायलों को भिंड जिला अस्पताल रेफर करना पड़ा। घटनास्थल पर पहुंचे पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने

मामले की पड़ताल शुरू कर दी है। हालांकि दलित परिवार ने पुलिस पर आरोपियों के साथ मिलीभगत का आरोप लगाया है। गोरमी थाना क्षेत्र के आरोली गांव में गत 13 जनवरी को आरोपी सोनी गुर्जर व धर्मेंद्र गुर्जर ने बंदूक की नोक से दलित युवती से सामूहिक दुष्कर्म किया था। घटना के बाद पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। मामले की सुनवाई कोर्ट में चल रही है, जिसमे पीड़िता का बयान भी होना है।

पीड़ित दलित परिवार के मुताबिक परिवार पर हमला करने वालों में आरोपी सोनी गुर्जर और धर्मेंद्र >>शेष पृष्ठ 2 पर

देश-विदेश

समुद्री डकैतियों के खिलाफ भारत-अफ्रीकी देशों का अभ्यास

नई दिल्ली। भारत और अफ्रीकी देश समुद्री डकैती तथा अन्य अवैध गतिविधियों के खिलाफ रविवार से एक बहुपक्षीय समुद्री अभ्यास 'अफ्रीका इंडिया की मैरीटाइम इंगेजमेंट (ऐक्यमेय) में शामिल हो रहे हैं। संस्कृत में 'ऐक्यमेय' का अर्थ एकता है। यह समुद्री अभ्यास दार-ए-सलाम, तंजानिया में किया जा रहा है। विभिन्न देशों की नौसेनाओं के बीच 13 से 18 अप्रैल तक हो रहे इस अभ्यास में कोमोरस, जिबूती, एरिट्रिया, केन्या, मेडागास्कर, मॉरीशस, मोजाम्बिक, सेशेल्स और दक्षिण अफ्रीका जैसे देश भाग ले रहे हैं।

मुर्शिदाबाद हिंसा पर बोले योगी- घरों से खींचकर की जा रही हत्या

लखनऊ, (आईएएनएस)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को वक्फ संशोधन कानून का विरोध करने पर विपक्षी दलों पर जमकर हमला बोला। सीएम योगी ने वक्फ को लेकर विपक्ष पर आरोप लगाते हुए कहा- कि वक्फ कानून के नाम पर हिंसा भड़काई जा रही है। उन्होंने पश्चिम बंगाल में मुर्शिदाबाद हिंसा पर भी चिंता जताई। लखनऊ में डॉ. भीमराव अंबेडकर सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा, आप देखते होंगे दलितों की झोपड़ी और जमीनों पर कब्जा करने वाले कुछ लोग इन्हीं दलों से जुड़े हुए होंगे।

हमें आश्चर्य होता है कि यह (पश्चिम बंगाल) वही राज्य है, जहां वक्फ के नाम पर लाखों एकड़ जमीनों पर जबरन कब्जा किया गया था। उनके पास कोई कागज या राजस्व रिकॉर्ड नहीं है। अब जब वक्फ संशोधन विधेयक संसद में पारित हुआ है और इस पर कार्रवाई की जा रही है, तो इसके खिलाफ हिंसा भड़काई जा रही है। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में तीन हिंदुओं की निर्मम हत्या हुई है। उनके घरों से बाहर खींचकर, उनकी हत्या की गई है। ये सब कौन हैं? ये वहीं दलित, वंचित और गरीब हिंदू हैं, जिन्हें इस जमीन का सर्वाधिक लाभ मिलने वाला है। इन्हें भय है कि दलितों, वंचितों और गरीबों को अगर हाई राइज बिल्डिंग मिल जाएगी। तो वोट बैंक समाप्त हो जाएगा, गुमराह करने की राजनीति हमेशा के लिए समाप्त हो जाएगी। इसलिए ये हिंसा भड़का रहे है। सीएम योगी ने कहा, तीन वर्ष पहले राज्यसभा सांसद और उत्तर प्रदेश के पूर्व डीजीपी बृजलाल ने एक पुस्तक लिखी थी।

वह पुस्तक बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर और आजादी के समय दो महान दलित योद्धाओं के तुलनात्मक अध्ययन पर आधारित थी। एक तरफ बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर थे, जिन्होंने कहा था कि उनका आदि भी और अंत भी एक भारतीय के रूप में रहेगा और दूसरी तरफ योगेंद्र नाथ मंडल थे, जिन्होंने पाकिस्तान का समर्थन किया था, लेकिन वह एक वर्ष भी वहां नहीं रह पाए थे। योगेंद्र नाथ मंडल के कृत्यों की सजा आज भी बांग्लादेशी हिंदू भुगत रहे हैं।

बांग्लादेश में रहने वाले सभी प्रताड़ित और पीड़ित हिंदू दलित हैं। कांग्रेस, सपा और ममता बनर्जी की पार्टी में से किसी राजनीतिक दल ने उनके (बांग्लादेशी हिंदू) पक्ष में आवाज नहीं उठाई थी। उनके हक में आवाज केवल भाजपा ने उठाई। हमें प्रत्येक हिंदू की रक्षा करनी है।

आखिर तक भारत से बचने को कोशिश में था राणा

नई दिल्ली। मुंबई हमले के मास्टरमाइंड तहव्वुर हुसैन राणा का भारत प्रत्यर्पण होने के पहले उसके वकील ने उसे बचाने की बहुत कोशिश की थी। राणा के वकील क्लाइन ने मार्को रुबियो को खत लिखकर दलील देते हुए उसे भारत न भेजने की अपील की थी।

मुंबई में हुए 26/11 आतंकी हमले का मास्टरमाइंड एनआईए की कस्टडी में सवालों का सामना कर रहा है लेकिन ऐसा होना बिलकुल भी आसान नहीं रहा। इस साल फरवरी में जब डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने तहव्वुर राणा को भारत प्रत्यर्पित करने की मंजूरी दी थी तब उसके वकील जॉन जी क्लाइन ने उसे बचाने के लिए तमाम कोशिशें की थी। हालांकि अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने अपील खारिज होने के बाद वकील ने विदेश मंत्री मार्को रुबियो को भी खत लिख लिखकर राणा के स्वास्थ्य और भारत में यातना की संभावना का हवाला देकर इसे रोकने का आग्रह किया था। वकील के इन खतों पर जवाब देते हुए रुबियो के कार्यालय ने कहा कि राणा को भारत भेजने का फैसला संयुक्त राष्ट्र के यातना के खिलाफ कन्वेंशन का पालन करता है। इसलिए उसे भारत भेजने में कोई दिक्कत नहीं है।

ट्रंप प्रशासन के इस फैसले को अमेरिकी कोर्ट का भी समर्थन हासिल था। राणा के वकील द्वारा भेजे गए इन खतों तक एचटी पहुंचने में कामयाब रहा। जनवरी के महीने में जिस दिन अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने राणा की याचिका को खारिज कर दिया उसी दिन राणा के वकील क्लाइन ने रुबियो को खत लिखते हुए आग्रह किया कि वह राणा को भारत प्रत्यर्पित न करें।

इतना ही नहीं क्लाइन ने अपने अनुरोध को विस्तार से समझाने के लिए रुबियो से मिलने का समय भी मांगा। एचटी की रिपोर्ट के मुताबिक क्लाइन ने राणा के लिए चार आधारों पर राहत की मांग की। क्लाइन ने लिखा कि राणा के ऊपर पहले भी शिकागो की अदालत में इसी केस के सिलसिले में मुकदमा चलाया गया था, जहां पर उसे बरी कर दिया गया था।

सूडान में अर्धसैनिक बलों के हमलों में 114 से अधिक नागरिक मारे गए

खार्तूम, (आईएएनएस)। पिछले दो दिनों में सूडान के पश्चिमी हिस्से में स्थित उत्तर दारफुर राज्य की राजधानी अल फाशर में दो शरणार्थी शिविरों पर अर्धसैनिक बल रैपिड सपोर्ट फोर्सेस (आरएसएफ) द्वारा किए गए हमलों में 114 से अधिक आम नागरिकों की मौत हो गई। यह जानकारी एक स्थानीय अधिकारी ने दी।

सिन्हुआ न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, उत्तर दारफुर राज्य के स्वास्थ्य विभाग के महानिदेशक इब्राहीम खातिर ने बताया, शुक्रवार को जमजम शिविर पर आरएसएफ द्वारा किए गए हमले में 100 से अधिक लोगों की जान चली गई और दर्जनों लोग घायल हुए।

उन्होंने आगे बताया, शनिवार को अबू शौक शिविर पर एक और हमला हुआ, जिसमें 14 और लोगों की मौत हो गई और कई घायल हुए। इब्राहीम खातिर ने यह भी बताया कि जमजम शिविर में मारे गए लोगों में रिलीफ इंटरनेशनल नामक गैर-सरकारी संस्था के 9 कर्मचारी भी शामिल हैं, जो शिविर में एक अस्थायी अस्पताल चला रहे थे। इमरजेंसी रूम नाम के एक स्वयंसेवी संगठन ने बताया कि शनिवार को अबू शौक शिविर पर आरएसएफ की भारी गोलाबारी में 40 नागरिक मारे गए और सैकड़ों लोग घायल हुए। इन हमलों को लेकर आरएसएफ की तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। 10 मई 2024 से

अल फाशर में सूडान की सेना (एसएएफ) और आरएसएफ के बीच भारी लड़ाई चल रही है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, अप्रैल 2023 के मध्य से सूडान में एसएएफ और आरएसएफ के बीच जारी संघर्ष में अब तक 29,600 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है। संयुक्त राष्ट्र (यूएन) एजेंसियों ने सूडान में मानवीय संकट के बेहद गंभीर होने को लेकर चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि देश में अकाल फैल रहा है और हिंसक टकराव जारी है जिसमें सभी आयु वर्ग के नागरिकों को बलात्कार समेत अन्य दुर्व्यवहारो का सामना करना पड़ रहा है। वहीं दानदाता अब पीछे हट रहे हैं। आपात सहायता मामलों के लिए यूएन कार्यालय के प्रवक्ता येन्स लार्क ने शुक्रवार को बताया कि शान्ति हासिल होती नजर नहीं आ रही है, जबकि सूडानी नागरिक इस विशाल मानवीय संकट में फंसे हुए हैं।

रूस का यूक्रेन के सूमी शहर पर बड़ा हमला, दागी कई मिसाइलें, 20 से ज्यादा लोगों की मौत

मास्को। रूस ने यूक्रेन के सूमी शहर पर बड़ा हवाई हमला किया है। इसमें 20 से ज्यादा लोगों की जान चली गई है। यूक्रेन की आर्मी राहत और बचाव कार्य में जुटी हुई है। इतना ही नहीं यूक्रेन की राजधानी कीव को भी निशाना बनाया गया है। सुमी के मेयर आर्टेम कोबजार ने सोशल मीडिया पर कहा कि मिसाइल हमले के बाद आज कई लोग मारे गए। उन्होंने आगे कहा कि दुश्मन ने फिर से नागरिकों पर हमला किया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, सुबह करीब 10.20 बजे यूक्रेन की वायुसेना ने बताया कि उसने सुमी क्षेत्र के ऊपर एक तेज आवाज सुनी। इसके कुछ ही देर के बाद शहर में विस्फोटों की आवाज सुनाई देने लगी। हमले में करीब 20 से ज्यादा लोगों की जान चली गई है। सोशल मीडिया पर शेयर कुछ वीडियों में जली हुई कारें और हवा में उठता धुंआ दिखाई दे रहा है।

राष्ट्रपति जेलेंस्की ने दुख जताया

राष्ट्रपति जेलेंस्की ने रूसी बैलिस्टिक मिसाइल हमले पर प्रतिक्रिया दी है और इसे सिविलियन लाइफ पर हमला बताया है। उन्होंने कहा, 'रूसी मिसाइलों ने एक आम शहर की सड़क, आम जीवन इमारतों, शैक्षणिक संस्थानों, सड़क पर कारों को निशाना बनाया और यह उस दिन हुआ जब लोग चर्च जाते हैं। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, दर्जनों नागरिक मारे गए और घायल हुए। केवल गंदे लोग ही इस तरह की हरकत कर सकते हैं। आम लोगों की जान लेना। परिवारों और प्रियजनों के प्रति मेरी संवेदनाएं।'

कीव में भारतीय फार्मा कंपनी के गोदाम पर रूसी मिसाइल का हमला

जेलेंस्की ने जोर देते हुए कहा, रूस बिल्कुल इसी तरह का आतंक चाहता है और इस युद्ध को खींच रहा है। रूस पर दबाव डाले बिना शांति असंभव है। वार्ता ने कभी भी बैलिस्टिक मिसाइलों और बमों को नहीं रोका है। रूस के प्रति एक आतंकवादी के रवैये की जरूरत है। मैं उन सभी का धन्यवाद करता हूं जो यूक्रेन के साथ खड़े हैं और हमारी जिंदगी की रक्षा करते हैं।'

शांति वार्ता के बीच हमला

यह हमला ऐसे समय में हुआ है जब वाशिंगटन रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध विराम कराने की कोशिश कर रहा है। कीव ने एक महीने पहले 30 दिन के पूर्ण युद्ध विराम पर सहमति जताई थी, लेकिन मॉस्को ने अब तक इनकार कर दिया है और यूक्रेन के नागरिक केंद्रों पर हमले जारी रखे हुए है।

हमले से एक दिन पहले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि रूस और यूक्रेन के बीच वार्ता ठीक चल रही है, लेकिन उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि इसका समाधान जल्द ही निकलना चाहिए। उन्होंने मीडिया से कहा, 'एक समय ऐसा आता है जब आपको या तो चुप रहना होता है या फिर चुप रहना होता है। देखते हैं क्या होता है, लेकिन मुझे लगता है कि सब ठीक चल रहा है।' युद्ध विराम को लेकर रूस ने अमेरिका के सामने रखी शर्तें

भारत नेपाल की व्यापार संबंधों को बढ़ाने पर सहमति

नई दिल्ली। भारत और नेपाल ने दोनों देशों के बीच व्यापार संबंध और तस्करी रोकने के लिए परस्पर सहयोग में तकनीक का समावेश बढ़ाने की आवश्यकता पर सहमति जताई है। दोनों पक्षों के बीच सीमा शुल्क सहयोग पर 21वीं महानिदेशक स्तरीय वार्ता 10-11 अप्रैल, 2025 को काठमांडू, नेपाल में आयोजित की गई थी। भारत और नेपाल के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व क्रमशः अभय कुमार श्रीवास्तव, (महानिदेशक, डीआरआई, सीबीआईसी) और श्री महेश भट्टाराई (महानिदेशक, सीमा शुल्क विभाग, नेपाल) ने किया।

सराय काले खां तक नमो भारत ट्रेन का ट्रायल रन शुरू

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम (एनसीआरटीसी) ने दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ रैपिड रेल कॉरिडोर के संचालन की दिशा में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए न्यू अशोक नगर से सराय काले खां स्टेशन के बीच नमो भारत ट्रेन का ट्रायल रन शुरू किया। इस ट्रायल के दौरान ट्रेन को धीमी गति से डाउन लाइन पर मैन्युअल मोड में चलाया गया। इस परीक्षण का उद्देश्य सिग्नलिंग सिस्टम की अनुकूलता का मूल्यांकन करना था।

दक्षिण-पूर्व एशिया व अफ्रीका जैसे इलाकों में बनी गंभीर समस्या

एंटीबायोटिक का असर न होने से 30 लाख से अधिक बच्चों की मौत

नई दिल्ली, (एजेंसियां)। एक नए अंतरराष्ट्रीय अध्ययन के अनुसार, साल 2022 में दुनिया भर में 30 लाख से अधिक बच्चों की मौत ऐसे संक्रमणों के कारण हुई जिन पर एंटीबायोटिक दवाएं असर नहीं कर पाईं। इस स्थिति को एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस (एएमआर) कहा जाता है। यह अध्ययन ऑस्ट्रिया के वियना शहर में 'ईएससीएमआईडी ग्लोबल 2025' कार्यक्रम के दौरान पेश किया गया। इसमें दक्षिण-पूर्व एशिया और अफ्रीका जैसे इलाकों में बच्चों के इलाज में इस गंभीर समस्या को लेकर चिंता जताई गई।

जब शरीर में संक्रमण फैलाने वाले बैक्टीरिया एंटीबायोटिक दवाओं पर प्रतिक्रिया करना बंद कर देते हैं, तब उस स्थिति को एएमआर कहा जाता है। यह बच्चों के लिए खासतौर पर खतरनाक है क्योंकि उनकी रोग-प्रतिरोधक क्षमता कम होती है और उनके लिए नई दवाएं भी जल्दी उपलब्ध नहीं हो पातीं।

2022 में अकेले दक्षिण-पूर्व एशिया में 7.5 लाख और अफ्रीका में करीब 6.6 लाख बच्चों की मौत एएमआर से जुड़ी जटिलताओं के कारण हुई।

शोधकर्ताओं का कहना है कि 'वॉच एंड रिजर्व' वाली एंटीबायोटिक दवाएँ शुरुआती इलाज के लिए नहीं हैं।

बहुत से मामलों में 'वॉच' और 'रिजर्व' श्रेणी की एंटीबायोटिक दवाओं का इस्तेमाल किया गया, जो कि आमतौर पर गंभीर और विशेष मामलों के लिए रखी जाती हैं। शोधकर्ताओं के अनुसार, इन्हें शुरुआत में इलाज के लिए नहीं दिया जाना चाहिए।

इनका इस्तेमाल सिर्फ उन्हीं लोगों के लिए होना चाहिए जिन्हें सच में इनकी जरूरत है, ताकि ये दवाएं असरदार बनी रहें और बैक्टीरिया में इनके खिलाफ प्रतिरोधक क्षमता न बढ़े। इसके विपरीत, 'एक्सेस' वाली एंटीबायोटिक दवाएं आसानी से मिल जाती हैं और आम संक्रमणों के इलाज के लिए इस्तेमाल होती हैं क्योंकि इनसे बैक्टीरिया में प्रतिरोधक क्षमता बढ़ने का खतरा कम होता है।

2019 से 2021 के बीच 'वॉच' दवाओं का इस्तेमाल दक्षिण-पूर्व एशिया में 160 फीसदी और अफ्रीका में 126 फीसदी तक बढ़ गया। इसी दौरान 'रिजर्व' दवाओं का उपयोग भी क्रमशः 45 फीसदी और 125 फीसदी बढ़ा।

भविष्य के लिए बड़ा खतरा

दुनिया भर में, 30 लाख बच्चों की मौतों में से 20 लाख मौतें इन दो तरह की दवाओं के इस्तेमाल से जुड़ी रहीं। प्रोफेसर जोसेफ हारवेल, जो इस अध्ययन में सह-लेखक हैं, कहते हैं - इन दवाओं का अधिक इस्तेमाल, विशेष रूप से बिना सही निगरानी के, भविष्य के लिए बड़ा खतरा बन सकता है। अगर बैक्टीरिया इन दवाओं पर भी असर करना बंद कर दें, तो हमारे पास इलाज के बहुत ही कम विकल्प बचेंगे। गरीब और विकासशील देशों में यह समस्या और भी ज्यादा है क्योंकि वहाँ अस्पतालों में भीड़, साफ-सफाई की कमी, और संक्रमण को रोकने के उपायों की कमी से बैक्टीरिया आसानी से फैल जाते हैं।

प्रथम पृष्ठ का शेष....

प्रदेश में ....- इस मौके पर पशुपालन एवं डेयरी विभाग के मंत्री लखन पटेल ने कहा कि मध्यप्रदेश दुग्ध संघ व एनडीडीबी के बीच अनुबंध के बाद भी न तो सांची का नाम हटेगा, न लोगो बदलेगा। संचालन का काम एनडीडीबी के हाथों में रहेगा। दुग्ध संघ में अब सीईओए एनडीडीबी के अधीनस्थ काम करेंगे।

सीएम मोहन यादव ने कहा कि हजारों साल से ऐसा माना जाता था कि हमारे देश में दूध की नदियां बहती थीं। लेकिन गाय माता के दूध के मामले में तो बहुत सावधानी से बोलने की बात थी। मतलब गाय का दूध ही नहीं लेते थे। जब यह बात आ गई कि सिर्फ गायए भैंस का दूध खरीदेंगे। गाय का दूध खरीदने में हाथ जोड़ते थे। यह बात अलग है की दूध में पानी मिलाकर चला दे, लेकिन कोई दूध उत्पादक घर से गाय का दूध लेने जाए तो गाय का दूध नहीं खरीदते थे। सरकार गौ माता का दूध खरीदेगी और किसानों की जिंदगी बेहतर बनाएगी।

कर्नाटम में...आबादी को आरक्षण मिल पा रहा है। अगर आबादी के अनुपात में आरक्षण नहीं दिया गया, तो सरकारी लाभों का समान वितरण नहीं होगा। बहुप्रतीक्षित सामाजिक-आर्थिक और शिक्षा सर्वेक्षण रिपोर्ट बीते शुक्रवार को कर्नाटक कैबिनेट के समक्ष पेश की गई। इस रिपोर्ट को 'जाति गणना' के नाम से भी जाना जाता है। इसके बाद मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि कुछ मंत्रियों ने कहा कि वे पहले सिफारिशों पर विचार करना चाहते हैं। इस कारण 17 अप्रैल को कैबिनेट की बैठक होगी। कर्नाटक के कानून और संसदीय मामलों के मंत्री एचके पाटिल ने कहा कि यह निर्णय किया गया है कि 17 अप्रैल को एक विशेष कैबिनेट बैठक में जाति जनगणना पर चर्चा की जाएगी।

दलित की बेटी.... गुर्जर के परिजन क्रमशः हकीम गुर्जर, जयवीर गुर्जर, ब्रजराज गुर्जर, गुल्ली गुर्जर शामिल है। पीड़ित परिवार को कहना है कि परिवार पर हमले में 8 से 10 लोग शामिल थे, जिन्होंने पीड़िता के पिता को लाठी-डंडे से खूब पीटा और फिर उनकी झोपड़ी में आग लगा दी। पीड़िता के भाई ने गोरमी थाना पुलिस पर बड़े गंभीर आरोप लगाए हैं और न्याय के लिए कलेक्टर और एसपी से गुहार लगाई है। पीड़ित भाई का कहना है कि थाने की पुलिस आरोपियों से मिली हुई है और आरोपियों से राजीनामे खुद पुलिस भी उन्हें धमका रही है। पीड़ित परिवार ने पुलिस पर आरोपियों से पैसे लेने का आरोप लगाया है। उसका कहना है कि घर में आगजनी की सूचना फोन पर देने के बाद पुलिस नहीं आई। घायलों ने बताया कि जिला अस्पताल में घायलों को लेकर आई पुलिस ने उन्हें कुछ भी बोलने से मना किया है। मामले पर पुलिस आरक्षक का कहना है कि उन्हें नहीं पता कि क्या घटना हुई है।

निविदा/नियुक्ति/जाहिरात

कार्यालय कलेक्टर (नाजरात शाखा) जबलपुर

- विज्ञप्ति -

क्रमांक / 2235/ जि.ना. / 2025, जबलपुर दिनांक 09/04/2025.

कार्यालय कलेक्टर जबलपुर में कार्यालय परिसर कि पार्किंग व्यवस्था के लिए एकीकृत सेवा सुविधा प्रबंधक स्थापित किया जाना है। उक्त प्रयोजन के लिए अधिकृत सेवा प्रदाता एजेंसी से ई-टेण्डर (Two Bid Tender System) आमंत्रित की जाती है। उक्त निविदा एक वर्ष के लिए (प्रतिमाह की दर पर) अनुमानित मूल्य हेतु आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण www.mptenders.gov.in पर उपलब्ध है। जिसकी टेण्डर ID -2025_DC_415432_1 है। निविदा प्रपत्र का मूल्य राशि 1000/- (एक हजार रूपये) तथा EMD की राशि 200000/- (दो लाख रूपये) है।

निविदा जमा करने एवं खोलने संबंधी विवरण निम्नानुसार है -

क्र.	विवरण	दिनांक	समय
1	निविदा क्रय करने की प्रारंभिक तिथि	09/04/2025	11.00 AM बजे से
2	निविदा क्रय करने की अंतिम तिथि	23/04/2025	06.00 PM बजे तक
3	निविदा भरने की अंतिम तिथि	23/04/2025	06.00 PM बजे तक
4	निविदा खोलने की तिथि	25/04/2025	03.00 PM बजे

2. निविदा पत्र खोलने की कार्यवाही कार्यालय कलेक्टर जबलपुर कक्ष कमांक-18 में निर्धारित समय अनुसार उपस्थित निविदाकारों या उनके प्रतिनिधि के समक्ष गठित समिति के द्वारा किया जायेगा।

(कलेक्टर महोदय द्वारा अनुमोदितः)

संयुक्त कलेक्टर जबलपर

G-11473/25 दुर्घटना से रखनी दूरी है तो हेलमेट सबसे जरूरी है।

न्यायालय नायब तहसीलदार अधारताल जबलपुर

आम इश्तहार

रा.प्र.क्रं/2865/अ-6/2024-25

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक प्रद्योतराय एवं ध्रुबा राय पिता स्व. सुबोध कुमार राय जबलपुर निवासी सांई मंदिर के पीछे सुहागी अधारताल जबलपुर के द्वारा मौजा बैतला प.ह.न. 01 खसरा नं 93/1 प्लाट ले-आउट नं. 99 रकबा 2400 भूमि आवेदकगण के पिता स्व. श्री सुबोध कुमार राय ने विक्रय पत्र दिनांक 18/04/1975 को विक्रेता खातेदार जी.सी. एफ. हाउसिंग सोसायटी जबलपुर से क्रय किया था। वर्तमान में खसरे में विक्रेता के का नाम दर्ज है। आवेदकगणों के पिता स्व. सुबोध कुमार राय की क्रय उपरांत मृत्यु दिनांक 10/10/2003 एवं माता की मृत्यु दिनांक 5/6/2004 को हो चुकी है. माता पिता की मृत्यु उपरांत फौत खातेदार के विधिक वारसान आवेदक प्रद्योतराय एवं ध्रुबा राय पिता स्व. सुबोध कुमार राय जबलपुर निवासी साई मंदिर के पीछे सुहागी अधारताल जबलपुर द्वारा शासकीय अभिलेख में नाम दर्ज करने हेतु आवेदन पत्र, मय शपथपत्र एवं संलग्न दस्तावेज पंजीकृत मृत्यु प्रमाण पत्र एवं फार्म पी- ।। खसरा की छाया प्रति संलग्न कर आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है।अतः उपरोक्त विक्रय पत्र/फौती नामातरण किये जाने में यदि किसी व्यक्ति/संस्था को कोई आपत्ति हो तो वे अपनी आपत्ति पेशी दिनांक 21/4/25 तक इस न्यायालय में स्वयं उपस्थित होकर अथवा अधिवक्ता के द्वारा पेश कर सकता है। नियत पेशी दिनांक के पश्चात् प्राप्त आपत्तियों पर किसी भी प्रकार का विचार नहीं किया जावेगा। न्यायालय की मुहर एवं मेरे हस्ताक्षर से आज दिनांक 11/4/25 इश्तहार किया गया।

जारी दिनांक- 11/04/2025

पेशी दिनांक- 21/04/2025

र.नं. 113

नायब तहसीलदार, तहसील अधारताल जबलपुर

कार्यालय कार्यपालन यंत्री (भवन) लोक निर्माण विभाग, साउथ सिविल लाईन जबलपुर

NIT No.09/2025/Centralized Tender/G/CE(B)/Date 08/04/2025

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन निविदा पंजीकृत ठेकेदारों अथवा पंजीयन हेतु उपयुक्त पात्रता वाली प्रतिष्ठित फर्म से आमंत्रण की जाती है :-

सं. क्रं	पोर्टल टेंडर क्र.	कार्य का नाम	जिला	ठेके की अनुमानित राशि (पीएसी) (रु. लाख में)	अमानत राशि (ईएमडी) (रु. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में)	कार्य पूर्ण करने का समय (माह में वर्षाकाल सहित)
1.	2.	3.	4.	5.	6.	7.	8.
1.	2025_PWPIU_415621_1	समग्र शिक्षा अभियान के अंतर्गत शासकीय हाई स्कूल भवन सुदरादेही जिला जबलपुर के निर्माण कार्य की निविदा। (प्रथम आमंत्रण)	जबलपुर	114.88	114880.00	12500.00	9
2.	2025_PWPIU_415671_1	शासकीय माध्यमिक शाला भवन मखरार ब्लॉक कुंडम जिला जबलपुर के निर्माण कार्य की निविदा। (प्रथम आमंत्रण)	जबलपुर	41.13	50000.00	5000.00	6

1. निविदा से संबंधित बिड डॉक्यूमेंट वेबसाईट http://mptenders.gov.in पर बिना भुगतान के देखे एवं डाउनलोड किये जा सकेंगे। 2. निविदा प्रपत्र का मूल्य ऑन-लाइन पोर्टल पर क्रेडिट/डेबिट/कैशकार्ड/ इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से भुगतान कर निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकेगा। 3. निविदा प्रपत्र केवल ऑन-लाईन दिनांक 10.04.2025 समय 9.00 से दिनांक 23.04.2025 समय 18.00 तक खरीदा जा सकेगा। सूचना व अन्य जानकारी वेबसाईट पर देखी जा सकती है। 4. निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उपरोक्त वेबसाईट पर ही दर्ज किये जायेंगे, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

कार्यपालन यंत्री (भवन) लोक निर्माण विभाग, जबलपुर

G-11472/25 दुर्घटना से रखनी दूरी है तो हेलमेट सबसे जरूरी है।

कार्यालय प्राथमिक जय महादेव मछुआ सह. समिति मर्यादित, पाठा पिपरिया, जिला नरसिंहपुर

(पंजीयन क्र. / 643, दिनांक 20.8.2013)

क्रमांक/निर्वा./2025/02, दि.11.4.2025

- निर्वाचन आमसभा की सूचना -

संस्था के समस्त सम्माननीय सदस्यों को सूचित किया जाता है कि संस्था के संचालक मंडल के निर्वाचन बाबत निर्वाचन आमसमा दि. 26.4.2025 को दिन शनिवार को दोपहर 12 बजे से स्थान संस्था कार्यालय ग्राम पाठा, मुंगवानी, तहसील एवं जिला-नरसिंहपुर में आयोजित की गई है। रिटर्निंग अधिकारी श्री शितांशु धुर्वे को अथवा श्री शितांशु धुर्वे द्वारा अधिकृत संस्था प्रबंधक श्री प्रशांत बुनकर को दि. 19/4/2025 को दोपहर 12 से 2 बजे तक नामांकन पत्र लिये जायेंगे, दि.19/4/2025 को दोपहर 2 बजे से नामांकन पत्रों की जांच की जावेगी, दि. 21/4/2025 को दोपहर 12 से 2 बजे तक नाम वापस लिये जा सकेंगे। उपरोक्त समस्त कार्यक्रम स्थान - संस्था कार्यालय ग्राम पाठा, मुंगवानी, तहसील एवं जिला-नरसिंहपुर पर सम्पन्न होंगे। तत्पश्चात चुनाव लड़ने वाले अंतिम उम्मीदवारों की सूची का प्रकाशन एवं चुनाव चिन्हों का आवंटन रिटर्निंग अधिकारी श्री शितांशु धुर्वे द्वारा किया जावेगा। आमसभा की सूचना के साथ रिटर्निंग अधिकारी द्वारा घोषित कार्यक्रम की सूचना सदस्यों को पृथक से साधारण /स्पीड पोस्ट डाक द्वारा भेजी गई है।

अध्यक्ष

प्राथमिक जय महादेव मछुआ सह. समिति मर्या., पाठा पिपरिया, जिला नरसिंहपुर

देश-प्रदेश

उवाच

सभी धर्म एक हैं तो धर्म परिवर्तन की क्या जरूरत : मोहन भागवत

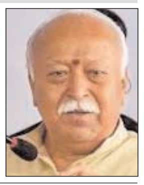

वलसाड। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने धर्मांतरण के मुद्दे पर एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि सभी धर्म एक है तो धर्म परिवर्तन करने की क्या जरूरत है? मोहन भागवत ने शनिवार (12 अप्रैल) को गुजरात के वलसाड जिले का दौरा किया था। इस दौरान उन्होंने धरमपुर के बरुमाल धाम में श्री भावभावेश्वर महादेव मंदिर के रजतोत्सव कार्यक्रम में भी भाग लिया। सरसंघचालक मोहन भागवत ने अपने संबोधन में कहा, सभी धर्म एक है तो धर्म परिवर्तन करने की क्या जरूरत है? धर्मांतरण करने के पीछे का उद्देश्य समूह की शक्ति बढ़ाकर सत्ता पाने के लिए होता है।

मुख्यमंत्री ने इंदौर में आयोजित जैन कांफ्रेंस के शपथ विधि समारोह को किया वर्चुअली संबोधित, कहा-

भगवान महावीर का अहिंसा परमो धर्म का संदेश सदैव रहेगा प्रासंगिक

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भगवान महावीर का अहिंसा परमो धर्म का संदेश सभ्यता के प्रारम्भ से ही प्रासंगिक रहा है और भविष्य में भी रहेगा। महावीर स्वामी की शिक्षाएं हमें शांति, सद्भाव और आपसी समझ की राह दिखाती हैं। हम जियो और जीने दो सिर्फ कहने के लिए नहीं कहते इसे आत्मसात कर जीवन में भी उतारते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जैन कल्याण बोर्ड की घोषणा राज्य सरकार द्वारा की गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव इंदौर में आयोजित ऑल इंडिया श्वेतांबर स्थानकवासी जैन कांफ्रेंस के शपथ विधि समारोह को मुख्यमंत्री निवास से वर्चुअली संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि जैन समाज जियो और जीने दो के सिद्धांत का जिस प्रतिबद्धता से पालन करता है वह अनुकरणीय है। सत्य, अहिंसा, अस्तेय, ब्रह्मचर्य, अपरिग्रह जैसे जीवन के मूल सिद्धांतों के साथ जीवन जीने की प्रेरणा हमें महावीर स्वामी और शेष तीर्थंकरों के माध्यम से प्राप्त होती है। जीव मात्र पर दया के संकल्प का जैन समाज द्वारा अनुसरण सराहनीय है। जैन धर्म हमें अनुशासित रहकर सेवा करने की सीख देता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हाल ही में भगवान महावीर जयंती के अवसर पर विश्व नवकार महामंत्र के माध्यम से समस्त संसार के कल्याण की प्रार्थना की गई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा इस अवसर पर दिए गए नए संकल्प वर्तमान परिस्थितियों में सभी के कल्याण और प्रकृति के उत्थान का मार्ग प्रशस्त करते हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में भारत सामाजिक, आर्थिक रूप से सशक्त होने के साथ-साथ आध्यात्मिक दृष्टि से भी विश्व को दिशा दे रहा है। कार्यक्रम में कांफ्रेंस के अध्यक्ष हुलास बेताला, वरिष्ठ उपाध्यक्ष मुकेश राका, कोषाध्यक्ष राजेश झामा और प्रांतीय महामंत्री पीयूष जैन उपस्थित थे।

डॉ. अंबेडकर की 134वीं जयंती की पूर्व संध्या पर मंत्री सारंग ने युवाओं के साथ निकाली पदयात्रा, बोले-

बाबा साहेब के विचारों को आत्मसात करें युवा

भोपाल, देशबन्धु। भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की 134वीं जयंती की पूर्व संध्या पर सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग के नेतृत्व में भव्य जयभीम पदयात्रा का आयोजन किया गया। यह पदयात्रा भोपाल के शौर्य स्मारक से प्रारंभ होकर अंबेडकर चौराहे होते हुए पुन: शौर्य स्मारक पर पहुंचकर समाप्त हुई। मंत्री श्री सारंग ने शौर्य स्मारक से जय भीम पदयात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। पदयात्रा मार्ग में बोर्ड ऑफिस चौराहे पर स्थित डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। पदयात्रा में हजारों युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और हाथों में तिरंगा थामकर देशभक्ति की भावना के साथ बाबा साहेब को श्रद्धांजलि अर्पित की।

पदयात्रा से पहले मंत्री श्री सारंग ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि जय भीम पदयात्रा केवल एक मार्च नहीं, बल्कि बाबा साहेब डॉ. अंबेडकर के विचारों को आत्मसात कर, उन्हें अपने जीवन में उतारने का एक संकल्प है। यह युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है, जो उन्हें सामाजिक न्याय, समानता और राष्ट्र निर्माण की दिशा में सक्रिय भूमिका निभाने हेतु प्रेरित करता है। उन्होंने कहा कि जय भीम पदयात्रा के माध्यम से हम बाबा साहेब के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त कर रहे हैं, जिन्होंने हमें एक ऐसा संविधान दिया, जो सामाजिक समता, न्याय और स्वतंत्रता का प्रतीक है। आज का युवा यदि उनके विचारों को आत्मसात करता है, तो वह निश्चित ही एक सशक्त राष्ट्र निर्माण में सार्थक योगदान दे सकता है।

पदयात्रा में बड़ी संख्या में युवाओं की भागीदारी रही। सभी युवाओं ने हाथों में तिरंगा लेकर पूरे जोश और उत्साह के साथ जय भीम और जय भारत के नारों से वातावरण को गुंजायमान किया। खेल और युवा कल्याण विभाग द्वारा भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की 134वीं जयंती की पूर्व संध्या पर जय भीम पदयात्रा के आयोजन का उद्देश्य युवाओं को सामाजिक समानता, न्याय और संविधानिक मूल्यों के प्रति जागरूक करना था। उल्लेखनीय है कि केंद्रीय युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय द्वारा डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती की पूर्व संध्या पर पूरे देश में जय भीम पदयात्रा का आयोजन किया गया। भोपाल में आयोजित पदयात्रा में भोपाल महापौर श्रीमती मालती राय, उप सलाहकार राष्ट्रीय सेवा योजना डॉ. अशोक कुमार श्रुती, अपर मुख्य सचिव खेल एवं युवा कल्याण मनु श्रीवास्तव, खेल संचालक राकेश गुप्ता, नेहरू युवा केंद्र संगठन के राज्य निदेशक राकेश सिंह तोमर, राष्ट्रीय सेवा योजना, भोपाल के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. राजकुमार वर्मा, संयुक्त संचालक बी.एस. यादव सहित कई गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

4 जिला कलेक्टरों सहित 9 आईएएस अधिकारियों के तबादले

रौशन कुमार उज्जैन, अंशुल गुप्ता विदिशा कलेक्टर होंगे

भोपाल, देशबन्धु। राज्य शासन ने 4 कलेक्टर सहित 9 आईएएस अधिकारियों के तबादले किए हैं। जारी आदेश के मुताबिक विदिश कलेक्टर रौशन कुमार सिंह को उज्जैन कलेक्टर बनाया गया है, वहीं जनसंपर्क विभाग के संचालक अंशुल गुप्ता विदिशा कलेक्टर होंगे। इंदौर कलेक्टर आशीष सिंह को उज्जैन सिंहस्थ मेला अधिकारी का अतिरिक्त प्रभार भी सौंपा गया है। वहीं उज्जैन कलेक्टर नीरज कुमार सिंह को संचालक (परियोजना) लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण बनाया गया है। आदित्य सिंह को हरदा से कलेक्टर अशोकनगर, सिद्धार्थ जैन को अपर कलेक्टर भोपाल से कलेक्टर हरदा बनाया गया है।

संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी बसंत कुर्रे को अपर सचिव श्रम विभाग तथा सचिव मध्यप्रदेश असंगठित शहरी/ग्रामीण कर्मकार कल्याण मंडल का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। सुश्री ज्योति शर्मा को अपर कलेक्टर इंदौर से मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत देवास और हिमांशु प्रजापति को मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत देवास से कार्यकारी संचालक मध्यप्रदेश औद्योगिक विकास निगम भेजा गया है। गुलशन बामरा को प्रमुख सचिव जनजातीय कार्य विभाग को अटल बिहारी बाजपेयी सुशासन एवं नीतिलेषण संस्थान के मुख्य कार्यपालन अधिकारी का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। ऋषि गर्ग राज्य योजना आयोग के सदस्य को आयुक्त आर्थिक एवं सांख्यिकी के अतिरिक्त प्रभार के साथ अटल बिहारी बाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्था का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है।

राप्रसे के भी 2 अधिकारी बदले -शासन ने राज्य प्रशासनिक सेवा के भी 2 अधिकारियों के तबादले किए हैं। इसमें राजेश कुमार कुमार को संचालक अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान से उप सचिव संस्कृति विभाग तथा पर्यटन विभाग का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। वहीं सुश्री शिवांगी जोशी को संयुक्त कलेक्टर जबलपुर से राज्य इलेक्ट्रानिक्स विकास निगम का महाप्रबंधक तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है।

बाबा साहेब आंबेडकर की कल्पनाओं को साकार करता मध्यप्रदेश

भोपाल,देशबन्धु। डॉ. भीमराव रामजी आंबेडकर भारत के महान विधिवेत्ता,एक दूरदर्शी चिंतक और समाज सुधारक थे। उन्होंने एक ऐसे राज्य की कल्पना की थी जो समानता, न्याय और मूलभूत अधिकारों को हर नागरिक के लिए सुनिश्चित करे।

डॉ.आंबेडकर वंचितों, शोषितों, मजदूर, किसान, पिछड़े समाज और महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए संकल्पित थे, उनका यह आग्रह देश के संविधान में भी दिखाई पड़ता है। डॉ. आंबेडकर के चिंतन और संघर्ष का मूल उद्देश्य सामाजिक न्याय, समानता और सम्मान के साथ सभी का खुशहाल जीवन था। मध्यप्रदेश में बड़ी आबादी अनुसूचित जातियों, जनजातियों और पिछड़े वर्गों की है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में डॉ. आंबेडकर की संकल्पना को साकार करते हुए राज्य सरकार वंचित और गरीब वर्गों के सर्वांगीण विकास और खुशहाल जीवन के लिए प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव संविधान दिवस (26 नवम्बर) पर मध्यप्रदेश में निवेश लाने के लिए अपने यूके-जर्मनी दौरे के बीच लंदन में उस स्थान पर पहुंचे जहां 1920 के दशक में डॉ. आंबेडकर ने निवास किया था। डॉ. आंबेडकर की प्रतिमा पर उन्होंने माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए तथा संविधान की प्रस्तावना का वाचन भी किया। दरअसल भारतीय संविधान की प्रस्तावना एक उद्घोषणा है, जो संविधान की मूल भावना, उद्देश्यों और आदर्शों को दर्शाती है। यह संविधान के उद्देश्यों की आधारशिला है। प्रस्तावना में समस्त नागरिकों के लिये सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय का संकल्प दिखाया गया है और प्रदेश उन संकल्पों को पूरा करने के लिए कृतसंकल्प है।

मध्यप्रदेश में डॉ. भीमराव आंबेडकर का जन्म 14 अप्रैल 1891 को महू में हुआ था और राज्य उनके विचारों को साकार करने वाली भूमि के रूप में पहचान बना रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपने जनकल्याणकारी कार्यो से यह सुनिश्चित किया है कि वंचित वर्गों के लिए संचालित कार्यक्रम और योजनाओं को डॉ. आंबेडकर की अपेक्षाओं के अनुरूप व्यवहारिक जीवन और नीति निर्माण में भी उतारा जाए। भारत एक कल्याणकारी राज्य है, जिसका उद्देश्य सभी नागरिकों, विशेष रूप से गरीब वर्ग के लिए बेहतर जीवन सुनिश्चित करना है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपनी लोक कल्याणकारी योजनाओं का लक्ष्य प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के चिंतन के अनुरूप 'सबका साथ और सबका विकास' को बनाया है।

विशेष लेख

सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस के रूप में विकसित होगा महू का सामाजिक विज्ञान विश्वविद्यालय

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने घोषणा की है कि डॉ. आंबेडकर की जन्म स्थली महू में स्थापित डॉ. भीमराव अंबेडकर सामाजिक विज्ञान विश्वविद्यालय को 'सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस' के रूप में विकसित किया जाएगा।

डॉ. आंबेडकर शिक्षा को जीवन का सबसे ताकतवर हथियार मानते थे। उनके लिए शिक्षा सिर्फ व्यक्तिगत तरक्की का साधन नहीं अपितु सामाजिक परिवर्तन, समानता और न्याय का रास्ता थी। उन्होंने शिक्षा को दलितों, पिछड़ों और शोषित वर्गों के लिए मुक्ति का द्वार बताया था। उनका मानना था कि उच्च शिक्षा संस्थान वैज्ञानिक, शिक्षाविद, विचारक और जिम्मेदार नागरिक तैयार करते हैं। अब डॉ. आंबेडकर से प्रेरणा लेकर सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस से उत्कृष्ट विद्यार्थी निकल सकेंगे।

पंच तीर्थ की यात्रा कराएगी सरकार

म.प्र. के महू में डॉ. आंबेडकर स्मारक के साथ कई अन्य स्थान भी हैं, जो उनके संघर्ष और योगदान को याद दिलाते हैं। यह स्थल पूरे देश के लिए गौरव और प्रेरणा का स्रोत हैं। महू डॉ. आंबेडकर के अनुयायियों के लिए एक महत्वपूर्ण तीर्थ स्थल है। देश विदेश से लाखों लोग यहां पर आते है। मध्यप्रदेश सरकार डॉ. भीमराव रामजी आंबेडकर की स्मृति में पंच तीर्थो-उनके जन्म स्थान, दीक्षा स्थल, कर्मभूमि, शिक्षा स्थल और जहां उनका महा-परिनिर्वाण हुआ था। सरकार मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के अंतर्गत इन पंच तीर्थों बाबा साहेब की जन्मस्थली महू, दीक्षा भूमि नागपुर, महा-परिनिर्वाण स्थली दिल्ली, चैत्य भूमि मुंबई और यूके के लंदन में स्थित पढ़ाई के समय का उनका निवास स्थल शामिल हैं।

सागर जिले के करीब ढाई सौ वर्ग किलोमीटर आरक्षित वन क्षेत्र को प्रदेश का 25वाँ अभयारण्य घोषित किया है। संविधान के शिल्पकार डॉ.आंबेडकर के पर्यावरण संरक्षण के प्रति आग्रह को याद करते हुए अभयारण्य का नाम डॉ. भीमराव आंबेडकर के नाम से रखा गया है। अभयारण्य के गठन से वन एवं वन्य-प्राणियों का संरक्षण एवं संवर्धन होगा। इस अभयारण्य से पारिस्थितिकीय तंत्र में खाद्य श्रृंखला सुदृढ़ होगी और पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। इससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे।

प्रदेश का सबसे लम्बा फ्लाई ओवर ब्रिज डॉ. आंबेडकर के नाम-सेतु केवल दो स्थानों को जोड़ने वाली संरचना नहीं होती बल्कि यह संपर्क, विकास और विश्वास का प्रतीक होता है। देश के हृदय प्रदेश की राजधानी भोपाल के हृदय-स्थल कहे जाने वाले महाराणा प्रताप नगर में बने प्रदेश के सबसे (2.73 किमी) लंबे फ्लाई-ओवर का नामकरण बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर के नाम पर कर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अनेकता में एकता और सामाजिक समरसता का संदेश दिया है।

डॉ. आंबेडकर पशुपालन विकास योजना, किसान समृद्धि की नई पहल- समता और समानता के पैरोकार रहे डॉ.आंबेडकर के नाम पर राज्य सरकार ने किसानों की समृद्धि के लिए 'डॉ. आंबेडकर पशुपालन विकास योजना' को मंजूरी दी। पशुपालन और डेयरी, कृषि आधारित अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ये न केवल ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाते हैं, अपितु आधुनिक भारत में भी एक बड़ा आर्थिक क्षेत्र है। पशुपालन एवं डेयरी और डॉ. भीमराव आंबेडकर का संबंध मुख्य रूप से समाज के आर्थिक उत्थान और सामाजिक न्याय से जुड़ा हुआ है। डॉ. आंबेडकर ने हमेशा सामाजिक और आर्थिक समानता की बात की और समाज के प्रत्येक वर्ग को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने की दिशा में कार्य किया। पशुपालन और डेयरी उद्योग को उन्होंने आर्थिक स्वतंत्रता के एक महत्वपूर्ण स्तंभ के रूप में देखा, विशेष रूप से दलित, जनजातीय और पिछड़े समुदायों के लिए। डॉ. आंबेडकर ने समाज में समानता और सशक्तिकरण के लिए जो मार्गदर्शन दिया, वह मध्यप्रदेश में विकास की दिशा में महत्वपूर्ण साबित हो, इसके लिए राज्य सरकार लोक-कल्याण के व्यापक कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव, डॉ.आंबेडकर की कल्पनाओं को साकार करते हुए सुशासित प्रदेश की अवधारणा पर प्रदेश के विकास को तीव्र गति से आगे बढ़ा रहे है। उनके नेतृत्व में मध्यप्रदेश में समान अवसर और समावेशी विकास की योजनाओं ने उसे एक सशक्त और प्रगतिशील राज्य बना दिया है। मध्यप्रदेश डॉ. आंबेडकर के सिद्धांतों के अनुरूप आगे बढ़ रहा है।

नाम और जन्मतिथि परिवर्तन सूचना

I, Army No 13763694M RANK HAV NAME RAKESH KUMAR of Presently residing at Vill KANSHALIAN, P/O-JOURIAN TEH- AKHNOOR, DISTT- JAMMU(J&K) PIN 181202 शपथ पूर्वक कथन करता हूं कि मेरे सर्विस रिकार्ड में माता का नाम PUSPA DEVI और मेरी माता की जन्मतिथि 13/04/1944 दर्ज है जो कि गलत है मेरी माता का सही एवं वास्तविक नाम PUSHPA DEVI और जन्मतिथि 01/06/1955 है जो कि मेरी माता के आधार कार्ड एवं अन्य कागजातों में दर्ज है एवं मेरी माता के इस नाम और जन्मतिथि को पढा व सुना एवं मेरे सर्विस रिकार्ड में दर्ज किया जावे। द्वारा शपथ पत्र नं. 33AA 136265 दिनांक 11/04/2025 नोटरी जबलपुर म प्र

गलत नाम- PUSPA DEVI
गलत जन्मतिथि - 13/04/1944
सही नाम-PUSHPA DEVI
सही जन्मतिथि - 01/06/1955 कृति

नाम और जन्मतिथि परिवर्तन सूचना

I, Army No 13766966M Rank HAV Name SHAIKH CHANDSAB KACHRU Presently residing at Vill- HADOLI PO- SATALA Teh-CHAKUR Distt LATUR (MH) PIN-413523 शपथ पूर्वक कथन करता हूं कि मेरे सर्विस रिकार्ड में माता का नाम BISMILA SHIKH और मेरी माता की जन्मतिथि 09/04/1961 दर्ज है जो कि गलत है मेरी माता का सही एवं वास्तविक नाम BISMILLA KACHARU SHAIKH और जन्मतिथि 10/06/1954 है जो कि मेरी माता के आधार कार्ड एवं अन्य कागजातों में दर्ज है एवं मेरी माता के इस नाम और जन्मतिथि को पढा व सुना एवं मेरे सर्विस रिकार्ड में दर्ज किया जावे। द्वारा शपथ पत्र नं. 33AA 136266 दिनांक 11/04/2025 नोटरी जबलपुर म प्र

गलत नाम- BISMILA SHIKH
गलत जन्मतिथि - 09/04/1961
सही नाम-BISMILLA KACHARU SHAIKH
सही जन्मतिथि - 10/06/1954 कृति

सम्राट विक्रमादित्य महानाट्य के समापन समारोह के मुख्य अतिथि होंगे शाह

भोपाल, देशबन्धु। विक्रमोत्सव अंतर्गत सम्राट विक्रमादित्य पर दिल्ली में महानाट्य के महामंचन के समापन अवसर पर केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित होंगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता इस अवसर पर विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे।

नाम परिवर्तन सूचना

I, Army No JC-582780H Rank SUB HONY LT NAME ANAND KUMAR of Presently residing at Vill- MANPUR-DEORA, P/O- MANPUR-DEORA, TEH-PAONTA SAHIB, DISTT-SIRMOUR (HP) PIN 173025 शपथ पूर्वक कथन करता हूं कि मेरे सर्विस रिकार्ड में पुत्र का नाम ANSHUL PAUL दर्ज है जो कि गलत है मेरे पुत्र का सही एवं वास्तविक नाम ANSHUL PAL है जो कि मेरे पुत्र के आधार कार्ड स्कूल सर्टिफिकेट एवं अन्य कागजातों मे दर्ज है एवं मेरे पुत्र के इस नाम को पढा व सुना एवं मेरे सर्विस रिकार्ड में दर्ज किया जावे। द्वारा शपथ पत्र नं 33AA 136267 दिनांक 11/04/2025 नोटरी जबलपुर म प्र।

गलत नाम- ANSHUL PAUL
सही नाम- ANSHUL PAL
कृति

नाम परिवर्तन सूचना

मैं ARMY NO 2695777H, RANK- HAV (CLK), NAME- MULEY TARACHAND DHAN-RAJJI, UNIT- THE GRENADIERS RECORDS R/O ADDRESS- INDIRA GANDHI WARD, QTR NUMBER- 345, POST- HINGANGHAT, TEH-HIN-GANGHAT, DISTT- WARDHA, STATE-MAHARASHTRA PIN-442301 शपथपूर्वक कथन करता हूं कि मेरे सर्विस रिकार्ड में मेरी पत्नी का नाम SUNITA दर्ज है जो कि गलत है मेरी पत्नी का सही एवं वास्तविक नाम SUNITA TARACHAND MULEY है जो कि मेरी पत्नी के आधार कार्ड एवं अन्य कागजातों में दर्ज है एवं मेरी पत्नी के इस नाम SUNITA TARACHAND MULEY को पढ़ा व सुना एवं मेरे सर्विस रिकार्ड में दर्ज किया जावे।

गलत नाम-SUNITA
सही नाम-SUNITA TARACHAND MULEY

CHANGE OF NAME & DOB

I, S LAKSHMIE is legally MOTHER of Army No : 15721942H, Rank Naik, Name - Late Jayamaran S, Unit : 4 TTR, HQ 1 STC, Home Address:- Vill - Thondanthulasi, PO - Thondanthulasi, PS - Latheri, Tehsil - Katpadi, Distt - Vellore, State - Tamil nadu, PIN - 632202., I, have changed my name S LAKSHMIE to S LAKSHMI and date of birth 26/10/1968 to 01/01/1971 Vide Affidavit No. before Notary, Jabalpur M.P.

INCORRECT NAME
S LAKSHMIE
INCORRECT DOB - 26/10/1968
CORRECT NAME
S LAKSHMI
CORRECT DOB - 01/01/1971

केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री श्री नड्डा कार्यक्रम में हुए शामिल

संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन के साथ करेंगे प्रदेश का विकास : मुख्यमंत्री

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विरासत के विकास के संकल्प को लेकर दिल्ली में विक्रमोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। प्रदेश की संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन के साथ विकास की दिशा में कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने महानाट्य मंचन के मुख्य अतिथि केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण तथा रसायन और उर्वरक मंत्री श्री जे.पी. नड्डा का स्वागत करते हुए कहा कि श्री नड्डा मध्यप्रदेश के दामाद होने के नाते उनका प्रदेश से विशेष प्रेम और लगाव है। श्री नड्डा के मार्गदर्शन में प्रदेश विकास की राह पर अग्रसर है। सम्राट विक्रमादित्य महानाट्य का जब भी मंचन हुआ है, श्री नड्डा ने हमेशा अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि सम्राट विक्रमादित्य ने शक और हूण जैसे आक्रांताओं को परास्त कर सुशासन स्थापित किया। भगवान श्री राम के बाद सम्राट विक्रमादित्य का काल विनम्रता से शासन करना सिखाता है। सम्राट विक्रमादित्य जैसे महानायक इतिहास नहीं बनते, इतिहास बनाते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यह बात दिल्ली के लाल किले में विक्रमोत्सव के दौरान चित्र प्रदर्शनी और एम पी पेवेलियन के अवलोकन के दौरान मीडिया से कही। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि दिल्ली में सम्राट विक्रमादित्य के महानाट्य के मंचन के साथ सरकार की जनहितैषी और कल्याणकारी योजनाओं, संस्कृति

और पर्यटन की जानकारी के साथ प्रदेश में निवेश के अवसरों को प्रदर्शित किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के साथ उप मुख्यमंत्री द्वय श्री जगदीश देवड़ा, श्री राजेंद्र शुक्ल, संस्कृति और पर्यटन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री धर्मेंद्र भाव सिंह लोधी के साथ गणमान्य नागरिक और समाजसेवी थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विक्रमादित्य क़ालीन पुरातात्विक मुद्रा मुद्रांक, बृहत्तरभारत के सांस्कृतिक वैभव, मध्यप्रदेश में पर्यटन की संभावनाओं, प्रदेश में निवेश तथा रोज़गार सृजन के अवसरों में लोकव्यापी विस्तार के प्रयासों पर केंद्रित प्रदर्शनियो का अवलोकन किया। एमपी पेवेलियन के अवलोकन के दौरान डिंडोरी की गोंड पेंटिंग, स्थानीय कला बाग प्रिंट की साड़ियों, लड़की के खिलौनों, जरी जरदोजी कला, टेराकोटा कला के कलाकारों से परिचय लिया। उनके उत्पादों के बारे में जानने के साथ कलाकारों का उत्साहवर्धन भी किया। कलाकारों ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव को सम्मानस्वरूप गोंड पेंटिंग, जरी जरदोजी फोटो फ्रेम भेंट किया। साथ ही प्रदेश के पर्यटन स्थलों के साथ स्थानीय संस्कृति और कला को प्रदर्शित करते एमपी टूरिज्म पेवेलियन की सराहना की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कलाकार श्री संतोष से उत्पाद खरीद कर बढ़ाया हौसला-मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अवलोकन के दौरान मंडला से खजूर शिल्प के उत्पादों का भी अवलोकन किया। कलाकार श्री संतोष खड़से ने अपने उत्पादों के बारे में मुख्यमंत्री डॉ. यादव को बताया कि खजूर की पत्तियों से सजावट और घरेलू उपयोग के लगभग 200 डिजाइन और उत्पादों को बनाया जाता है।

देशबन्धु

जबलपुर, सोमवार 14 अप्रैल 2025

संस्थापक-संपादक : स्व. मायाराम सुरजन

आगरा में उड़ीं संविधान की धज्जियां

शनिवार को उत्तर प्रदेश के आगरा के गढ़ीरामी गांव में राणा सांगा की जयंती के अवसर पर जिस तरह से क्षत्रिय करणी सेना ने 'रक्त स्वाभिमान सम्मेलन' का आयोजन किया वह शक्ति प्रदर्शन तो था ही, उससे बढ़कर वह संविधान की धज्जियां उड़ाने वाला कार्यक्रम साबित हुआ। क्षत्रिय समुदाय के देश भर से लोग यहां एकत्र हुए थे। इसमें एक ओर तो सीधे-सीधे हथियारों का जंगी प्रदर्शन किया गया, वहीं दूसरी तरफ़ मारने-काटने की सरेआम बातें हुईं। समाजवादी पार्टी के सांसद रामजी लाल सुमन के खिलाफ वक्ताओं ने गुस्सा तो उतारा ही, उन्हें मार डालने की खुली धमकियां दी गयीं जबकि वहां पुलिस की बड़े पैमाने पर तैनाती थी। किसी अनहोनी की आशंका में प्रशासन ने भारी सुरक्षा व्यवस्था की थी। याद हो कि पिछले दिनों सुमन ने संसद में एक बयान में राणा सांगा को यह कहकर 'गद्दार' करार दिया था कि बाबर को भारत में वे ही बुलाकर लाये थे। इसे लेकर क्षत्रियों में गहरी नाराज़गी है। करणी सेना के कुछ लोगों ने तो सुमन की जुबान काट लेने वाले के लिये पुरस्कार तक घोषित किया था। यदि उनके खिलाफ कार्रवाई की गयी होती तो यह नौबत न आती।

सम्मेलन में देश भर से पहुंचे क्षत्रिय समुदाय के लोग तलवारें लहराते दिखे और मंच पर से उन्होंने बहुत आक्रामक भाषण दिये। इन भाषणों में आए लोगों ने रामजी लाल सुमन के खिलाफ नाराजगी जताई। एक व्यक्ति ने मंच से खुले आम कहा: 'जो राणा सांगा के खिलाफ बात करेगा, उसे 'अपने हिसाब से दंड' दिया जाएगा।' संयुक्त करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष राज शेखावत ने धमकी दी कि रामजी लाल सुमन की उनके घर में घुसकर हड्डी तोड़ी जायेगी। उन्होंने साफ़ कहा कि, 'कभी तो उनकी सुरक्षा में चूक होगी, तब उनकी कुटाई होगी। संविधान का डर नहीं, कुटाई से डराया जा सकता है।' चम्बल की बैंडिट क्वीन फूलन देवी की हत्या में दोषी पाये गये शेर सिंह राणा भी कार्यक्रम में आए थे। उन्होंने मांग की कि सुमन पर राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) की धाराएं लगाई जायें। उन्होंने सांसद की सदस्यता रद्द कर उन्हें जेल भेजने की भी मांग की। पूर्व राजपूत करणी सेना अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेड़ी, जिनकी पिछले दिनों उनके घर में घुसकर हत्या कर दी गयी थी, की पत्नी शीला भी मंच पर थीं। उन्होंने कहा- 'हमें गर्व है कि हम राणा सांगा के वंशज हैं। कोई गद्दार हमारे भगवान पर सवाल उठाता है, तो उसे देश में रहने का अधिकार नहीं है।' करणी सेना के क्षेत्रीय अध्यक्ष ओकेंद्र राणा ने तो और एक कदम आगे बढ़ते हुए कहा कि अब माफ़ी से भी काम नहीं चलने वाला। करणी सेना के कार्यकर्ता कुछ भी कर सकते हैं।

वैसे भारतीय जनता पार्टी के एक विधायक धर्मपाल सिंह चौहान ने कार्यक्रम में पहुंचकर आयोजकों से ज्ञापन लिया और आश्वासन दिया कि करणी सेना की मांगों को वे सरकार तक पहुंचायेंगे। कार्यक्रम की समाप्ति के पश्चात करणी सेना के लोगों ने हाईवे को अवरुद्ध कर दिया था। वे सुमन के निवास की ओर जाना चाहते थे। उनके इस प्रयास को पुलिस ने विफल कर दिया। कई जगह करणी सेना के लोगों और पुलिस के बीच धक्का-मुक्की के नज़ारे देखने को मिले। हज़ारों की संख्या में हथियारों से लैस राजपूतों के इस सम्मेलन ने बता दिया कि देश की कानून-व्यवस्था किस खतरनाक स्थिति में पहुंच गयी है और सत्ता से नज़दीकियां किसी भी एक समूह को किस हद तक उच्छृंखल बना देती है। सभा स्थल को देखने से साफ़ था कि आयोजकों एवं उसमें शामिल लोगों के लिये न तो कानून के प्रति कोई सम्मान रह गया है, न ही प्रशासन का डर। यह (दु)साहस तभी सम्भव है जब किसी को सत्ता की शह और संरक्षण दोनों ही हो। करणी सेना का इतिहास देखें तो वह अक्सर इसी तरह से कानून को ललकारती या उसे हाथ में लेती है। याद हो कि वर्ष 2017 में 'पद्मावत' नामक फिल्म आई थी, तो राजपूतों के अपमान के नाम पर करणी सेना ने देश भर में सिनेमागृहों के बाहर और भीतर तोड़-फोड़ व आगजनी की थी। उसके निर्देशक एवं कलाकारों को तक धमकियां दी गयी थीं। करणी सेना ने आरोप लगाया था कि राजपूतों के सम्मान को कम करने के लिये यह फिल्म बनाई गई है। निर्देशक संजय लीला भंसाली को करणी सेना के कार्यकर्ताओं ने मारा भी था।

करणी सेना का आगरा सम्मेलन बतलाता है कि किस कदर देश को लगातार हिंसक और एक-दूसरे के प्रति नफरत के माहौल में ढाल दिया गया है। रामनवमी से लेकर हनुमान जयंती पर निकलने वाले जुलूस यदि एक ओर मस्जिदों-मज़ारों के सामने हुड़दंग कर साम्प्रदायिक आधार पर बंटवारा कर रहे हैं, तो करणी सेना जैसे संगठनों के आयोजन जातीय संघर्ष को बढ़ावा दे रहे हैं। जिन राज्यों में भारतीय जनता पार्टी की सरकारें हैं, उनके तथा केन्द्र की सरकार के संयुक्त प्रश्रय से ऐसे संगठनों के हौसले बुलन्द हैं। करणी सेना को भाजपा का समर्थक माना जाता है। भाजपा को ऐसे तत्वों को संतुष्ट कर अपना राजनीतिक मकसद पूरा करती है। उत्तर प्रदेश की सरकार तो ध्रुवीकरण के इस खेल में माहिर है ही, सो वह इस सम्मेलन में दिये गये मार-काट के भाषणों को संज्ञान में लेकर कार्रवाई करने की बजाय मौन धारण किये हुए इसलिये बैठी है क्योंकि सुमन सबसे बड़े विरोधी दल के सांसद हैं। उनके खिलाफ बनते माहौल से मुख्यमंत्री आदित्यनाथ का खुश होना स्वाभाविक है। ऐसी कोई उम्मीद नहीं की जानी चाहिये कि प्रशासन दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करेगा।

क्या मायावती अम्बेडकर के रास्ते पर हैं ? जयंती पर उठे सवाल

14 अप्रैल सोमवार को जब अम्बेडकर जयंती मन रही होगी और मायावती भी उन्हें याद करते हुए कांग्रेस और राहुल गांधी को कोस रही होंगी तो पार्टी के लोगों को उनसे पूछना चाहिए कि डा. अम्बेडकर कभी संघ जनसंघ में क्यों नहीं रहे? और क्या यह सही नहीं है कि कांग्रेस ने उनको सम्मानपूर्वक संविधान की ड्राफ्टिंग कमेटी का अध्यक्ष बनाया? और आश्चर्य मिश्रित प्रसन्नता के साथ क्या खुद डाक्टर अम्बेडकर ने यह नहीं कहा कि समिति में मुझसे ज्यादा योग्य लोग थे?

मायावती की पूरी राजनीति डा. अम्बेडकर के नाम पर है। लेकिन क्या उनके विचारों के हिसाब से जरा सा भी वे प्रतिगामी ताकतों से लड़ पा रही हैं? या दलितों के उद्धार के लिए बाबा साहब अम्बेडकर जिन ताकतों से जीवन भर संघर्ष करते रहे क्या वे उन्हीं दक्षिणपंथी ताकतों को मजबूत नहीं कर रही हैं?

सवाल बहुत सारे हैं। और अम्बेडकर जयंती वह समय है जब मायवती से यह सवाल पूछे जाना चाहिए। उनकी चुप्पी या सही जवाब से बचने के लिए राहुल गांधी पर सवाल उछाल देने से कुछ नहीं होगा।

शनिवार को आगरा में जिस तरह दलितों को गालियां दी गईं, तलवारें दिखाई गईं, बंदूकें उठाई गईं वह उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था के खतम हो जाने की तो एक मिसाल है। मगर दलितों के आत्मसम्मान को तोड़ने और उन्हें वापस उसी युग में पहुंचाने की कोशिश भी है जहां से बाबा साहब अम्बेडकर उन्हें बहुत मुश्किल से निकाल कर लाए हैं। संविधान देकर। वहीं संविधान जिसका प्रारूप (लिखने, ड्राफ्टिंग) बनाने के लिए कांग्रेस ने उन्हें इसका अध्यक्ष बनाया था।

समय बहुत खराब आ गया है। लोग सोचते रहे कि यह केवल मुस्लिम के खिलाफ हैं। मगर वह उन सबके खिलाफ हैं जो उन्हें वापस मनुवादी व्यवस्था में जाने से रोक रहा है। और यहां यह सबसे मजेदार बात है कि मुस्लिम को डायरेक्ट मनुवाद से कोई मतलब नहीं है। उस पर न लागू होता है और न वह किसी तरह प्रभावित।

मतलब जो भाजपा संघ का असली उद्देश्य है मुस्लिम उसके बीच में एक बहाना भर है। मुस्लिम इसलिए कि उसका नाम लेकर डर दिखाकर दलित पिछड़े आदिवासी के वोट लेना और चार सौ पार होते ही संविधान बदल देना। आरक्षण खतम कर देना।

सामाजिक न्याय को यह भारतीय नहीं है कहकर खारिज कर देना। वर्ण व्यवस्था लागू कर देना। 2024 के चुनाव से पहले कहा ही था। भाजपा के लोगों ने ही कि चार सौ से ज्यादा सीटें संविधान बदलने के लिए चाहिए।

सोचिए अभी जब संविधान लागू है। उनके अपने शब्दों में बहुत मजबूत सरकार है। डबल इंजन भी है फिर भी एक दलित सांसद के घर को 80 हजार करनी सेना की भीड़ दिन भर घेरे रखती है। खुली तलवारें, बंदूकें लहराई जाती रही हैं। गालियां दलित से लेकर पिछड़े सब को दी जाती रही हैं।

अखिलेश यादव की बहादुरी को सलाम करना होगा उन्होंने खुल कर इसका विरोध किया। कहा कि- यह सब भाजपा के लोग थे। इनसे डरने की कोई जरूरत नहीं है। दलितों में निश्चित रूप से इससे साहस आया होगा।

शकील अख्तर

> सामाजिक स्थिति मुसलमान की उन्हें कभी परेशान नहीं करती। हमेशा से ऐसी ही थी। लेकिन बढ़ी है दलित, पिछड़े, आदिवासी की। वह बर्दाश्त नहीं होती। संघ प्रमुख भागवत ने 2015 बिहार चुनाव से पहले आरक्षण के खिलाफ बयान दिया था ना। बुमरेंग कर गया। उल्टा असर। महागठबंधन जीत गया। उस समय नीतीश भी साथ थे। 2024 लोकसभा चुनाव से पहले कहा कि संविधान बदलना है। फिर उल्टा पड़ गया।

अखिलेश किसी एक जाति समूह की बात नहीं कर रहे थे। वे दलित पिछड़ा अल्पसंख्यक सबकी बात कर रहे थे।

पीडीए। बहुत अच्छा नाम रखा है उन्होंने। पी पिछड़ा, डी दलित और ए अल्पसंख्यक। अस्सी प्रतिशत से ऊपर आबादी। इसी को तलवार बंदूकें गालियां, धमकियों के जरिए डराने की कोशिश थी। मगर अखिलेश के बहादुरी भरे बयान के बाद सब जगह एक निश्चिंतता आई है।

मायावती अप्रासांगिक हो जाएंगी। अभी मौका है समझ जाएं। कल अम्बेडकर जयंती पर वही साहस दिखाएं जो बीजेपी का शासन आने से पहले था। 'चढ़ गुंडन की छाती पर' वाला। 11 साल से पहले दलित शहर की मुख्य सड़क पर यह नारा लगाता था चढ़ गुंडन की छाती पर मुहर लगाना हाथी पर।

वह केवल बंधी हुई मुट्ठी के साथ हाथ उठाता था। अभी जैसा आगरा में हुआ वैसा बंदूक, तलवार, गालियां नहीं। मगर उस खाली लहराते हाथ से गुंडे, सामंत सब डर जाते थे। अम्बेडकर की संगठित रहो शक्ति की सीख से। मायावती उसी से चार बार मुख्यमंत्री बनीं।

आज उनका एक भी लोकसभा सदस्य नहीं है। विधायक केवल एक। वह भी अपनी

व्यक्तिगत सामर्थ्य की वजह से। दलित कोई विधायक भी नहीं। है तो डायलग फिल्मी। मगर खूब बोला जाता है और इस समय तो सही भी लगता है कि 'जो डर गया समझो वह मर गया!' मायावती ने अपने समाज के हौसले को मार दिया। जब हाथरस में दलित लड़की के साथ सामूहिक बलात्कार हुआ। उसे मार दिया। रात में ही पुलिस ने पैट्रोल डालकर उसकी लाश जला दी। और इन सबके बाद पीड़िता के परिवार को ही परेशान किया जाने लगा। जैसा अभी आगरा में दलित सांसद रामजीलाल सुमन का घर घेर कर डर पैदा किया गया वैसा ही हाथरस में पीड़िता के परिवार के साथ किया गया।

मायावती नहीं गईं। राहुल, प्रियंका गए। और मायावती अपने घर में बैठकर ही राहुल और कांग्रेस को गालियां दिए जा रही हैं। वह जो अलग-अलग तरीकों से सब कहते है कि नंबर सबका आएगा। तो वह आने लगा। पहले वे मुसलमानों के लिए आए, कुछ लोग बहुत खुश हुए। उस समय समझाया कि मुसलमान असली निशाना नहीं है। बहाना है। असली निशाना तो दलित आदिवासी पिछड़ा है। मुसलमान से क्या ले लेंगे? उनके पास क्या है? लेना दलित आदिवासी पिछड़े से है। उसकी नौकरियां। उसके बच्चों का एडमिशन। वह कानून जो जातिगत गालियां देने से रोकता है। वह सामाजिक न्याय जो बराबरी का भाव देता है। वह स्वाभिमान जो जमीन पर नहीं साथ कुर्सी पर बिठा देता है। लालू जी के लिए बिहार का दलित पिछड़ा यही तो कहता है। क्या दिया लालू जी ने? हिम्मत। डर खतम कर दिया। बराबरी से बैठता है। बात करता है। जितने लोकगीत लालू जी पर बने होंगे। जीते जी किसी भारतीय नेता पर नहीं। यही सब वापस लेना है।

सामाजिक स्थिति मुसलमान की उन्हें कभी परेशान नहीं करती। हमेशा से ऐसी ही थी। लेकिन बढ़ी है दलित, पिछड़े, आदिवासी की। वह बर्दाश्त नहीं होती। संघ प्रमुख भागवत ने 2015 बिहार चुनाव से पहले आरक्षण के खिलाफ बयान दिया था ना। बुमरेंग कर गया। उल्टा असर। महागठबंधन जीत गया। उस समय नीतीश भी साथ थे। 2024 लोकसभा चुनाव से पहले कहा कि संविधान बदलना है। फिर उल्टा पड़ गया। 240 पर बीजेपी रुक गई। इसलिए मुसलमान को आगे किया जाता है। रोज नई कहानी लाई जाती है। लेकिन बार-बार सच सामने आ जाता है। आगरा की तलवारें, बंदूकें इस बार केवल दलित पिछड़ों तक ही सीमित नहीं रहीं। चिंता ब्राह्मणों में भी दिखी। करनी सेना जिसने भाजपा सरकार के प्रश्रय में यह तांडव किया है वह राजपूतों की सेना मानी जाती है। उत्तर प्रदेश में ब्राह्मण बहुत पहले से कह रहा है कि उसे भी निशाने पर लिया जा रहा है। अब दलबदल कर भाजपा में मंत्री बन गए जीतीन प्रसाद ने तो ब्राह्मणों की रक्षा के लिए एक ब्रह्म सेना ही बनाई थी। आंकड़े दिए थे कितने ब्राह्मण मार डाले।

तो नफरत और विभाजन की राजनीति से बचेगा कोई नहीं। महिलाओं के खिलाफ तो जैसे हाईकोर्टों के फैसले आ रहे हैं वैसे इससे पहले कभी नहीं आए थे। निर्भया में पूरी सरकार लड़की परिवार के साथ थी। क्या मजाल की कोई गलत बोल जाए। आज तो कोर्ट कह रहा है कि बलात्कार में लड़की भी दोषी। यह माहौल का असर है। मीडिया तो गया ही काम से। ज्यूडिशरी भी चली गई। कोई संविधानिक संस्था नहीं बची। संविधान में डा. अम्बेडकर ने ही इन संस्थाओं को बनाया था। अब उम्मीद जनता से ही है। उसे बचना भी है और देश व संविधान बचाना भी है। अम्बेडकर से प्रेरणा लेने का कल सोमवार 14 अप्रैल को एक अच्छा मौका है। क्योंकि नेता तो बहुत हुए मगर जितना संघर्ष अम्बेडकर को करना पड़ा उतना किसी को नहीं। और इसे दलित एवं मायावती से ज्यादा कौन समझ सकता है।.

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार है)

राजनैतिक स्वतंत्रता के साथ सामाजिक स्वतंत्रता के पक्षधर थे डॉ भीमराव अंबेडकर

■ गणेश कछवाहा

दलित सामाजिक संघर्षों के प्रणेता, भारतीय संविधान के निर्माता और लोकतंत्र के प्रबल समर्थक डॉ. बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर ने स्वतंत्रता की वकालत तो की, लेकिन उनका मतलब केवल राजनीतिक स्वतंत्रता नहीं थी, बल्कि सामाजिक स्वतंत्रता एक प्रमुख लक्ष्य था। स्वतंत्रता के प्रति उनका दृष्टिकोण व्यापक था।

उनका मानना था कि 'राष्ट्रीय स्वतंत्रता और व्यक्तिगत सामाजिक स्वतंत्रता के बीच बहुत बड़ा अंतर है। इसे समझे बिना हम सही और पूरी स्वतंत्रता प्राप्त नहीं कर सकते थे। भारत को अगर एक विदेशी देश की गुलामी से मुक्त किया जाए तो उसे राजनीतिक स्वतंत्रता मिलती है, लेकिन फिर भी स्वतंत्र भारत के लोग स्वतंत्र नहीं होते हैं। क्योंकि विदेशी शासकों के जाने पर राजनीतिक दासता समाप्त तो हो जाती है, परंतु उनके जाने के बाद भी उस देश के लोगों की दासता जारी रहती है, उन्हें सामाजिक स्वतंत्रता नहीं मिलती है। तो इसे हम पूरी आज़ादी या स्वतंत्रता कैसे कह सकते हैं।'

- डॉ. बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर

समान अवसरों और अधिकारों से अनेकों वर्षों से वंचित रहे बहिष्कृत अछूत समाज को जब तक गुलामी के जंजीरों से मुक्त नहीं किया जाता, उनकी दासता को मिटाने में जब तक स्थापित शासन को सफलता नहीं मिलती तब तक राजनीतिक स्वतंत्रता केवल मुट्ठी भर लोगों के हितों की रक्षा करेगी, और ऐसी स्वतंत्रता का कोई मतलब नहीं है।

बाबा साहेब ने महसूस किया कि सदियों से समान अवसरों और अधिकारों से वंचित रखे गए बड़े वर्ग के लिए केवल राजनीतिक स्वतंत्रता प्राप्त करने से लाभ नहीं होगा, वे राष्ट्रीय स्थापित मानकों विचारधाराओं के साथ सामंजस्य स्थापित नहीं कर पाएंगे।

> नेतागण जिस लोकतंत्र की बात कर रहे हैं वो मालिकों का जनतंत्र है। वे जिस तथाकथित लोकशाही की बार-बार दुहाई दे रहे हैं वो मालिकों की लोकशाही है। इसके विपरीत भीमराव अंबेडकर का मानना था जब तक पूंजीवाद कायम है तब तक सही मायनों में न स्वतंत्रता संभव है और न समानता। वास्तव अर्थ में समानता हासिल करने के लिए पूंजीवादी व्यवस्था को बदलना होगा उसके बाद ही वास्तविक अर्थ में समानता प्राप्त की जा सकती है।

डॉ. बाबा साहब अंबेडकर का सामाजिक दर्शन तीन शब्दों - स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व पर आधारित है। बाबा साहेब समानता के सबसे बड़े समर्थक माने जाते हैं। उन्होंने जीवन भर समानता के लिए कड़ा संघर्ष किया।

सन् 1943 में इंडियन फेडरेशन के कार्यकर्ताओं के एक शिविर में भाषण देते हुए अंबेडकर ने कहा -

'हर देश में संसदीय लोकतंत्र के प्रति बहुत असंतोष है। भारत में इस प्रश्न पर विचार करना अत्यंत आवश्यक है। भारत संसदीय लोकतंत्र प्राप्त करने के लिए बातचीत कर रहा है। लेकिन हमें बहुत सावधान रहने की ज़रूरत है। यह उतना बढ़िया उत्पाद नहीं है जितना दिखाई देता है ।'

इसी भाषण में आगे कहा कि -

'संसदीय लोकतंत्र कभी जनता की सरकार नहीं रही, न जनता के द्वारा चलाई जाने वाली सरकार रही। कभी ऐसी भी सरकार नहीं रही जो जनता के लिए हो।' भीमराब अंबेडकर ने 1942 के रेडियो भाषण में स्वाधीनता, समानता और भाईचारा, इन तीन सूत्रों का उद्भव फ्रांसीसी क्रांति में देखा। उन्होंने कहा 'मजदूर के लिए स्वाधीनता का अर्थ है जनता के द्वारा शासन। संसदीय लोकतंत्र का अर्थ जनता के द्वारा शासन नहीं है।'

अंबेडकर ने संसदीय लोकतंत्र की व्याख्या करते हुए लिखा-'संसदीय लोकतंत्र शासन का ऐसा रूप है जिसमें जनता का काम अपने मालिकों के लिए वोट देना और उन्हें हुकूमत करने के लिए छोड़ देना होता है।' अंबेडकर ने लोकतंत्र को मजदूरवर्ग के नजरिए से देखा और उस पर अमल करने पर भी जोर दिया।

नेतागण जिस लोकतंत्र की बात कर रहे हैं वो मालिकों का जनतंत्र है। वे जिस तथाकथित लोकशाही की बार-बार दुहाई दे रहे हैं वो मालिकों की लोकशाही है। इसके विपरीत भीमराव अंबेडकर का मानना था जब तक पूंजीवाद कायम है तब तक सही मायनों में न स्वतंत्रता संभव है और न समानता। वास्तव अर्थ में समानता हासिल करने के लिए पूंजीवादी व्यवस्था को बदलना होगा उसके बाद ही वास्तविक अर्थ में समानता प्राप्त की जा सकती है। इसके विपरीत नेतागण पूंजीवाद को बनाए रखकर ही नियमों में सुधार की बात कर रहे हैं।

अंबेडकर की नजर में वास्तविक स्वतंत्रता का अर्थ है सभी किस्म के विशेषाधिकारों का खात्मा। नागरिक सेवाओं से लेकर फौज तक, व्यापार से लेकर उद्योग धंधों तक सभी किस्म के विशेषाधिकारों को खत्म किया जाए। वे सारी चीजें खत्म की जाएं जिनसे असमानता पैदा होती है।

अंबेडकर की धारणा थी कि - 'लोकप्रिय हुकूमत के तामझाम के बावजूद संसदीय लोकतंत्र वास्तव में आनुवंशिक शासकवर्ग द्वारा आनुवंशिक प्रजा वर्ग पर हुकूमत है। यह स्थिति वर्णव्यवस्था से बहुत कुछ मिलती जुलती है। ऊपर से लगता है कोई भी आदमी चुना जा सकता है, मंत्री हो सकता है, शासन कर सकता है। वास्तव में शासक वर्ग एक तरह वर्ण बन जाता है। उसी में से, थोड़े से उलटफेर के साथ, शासक चुने जाते हैं। जो प्रजा वर्ग है, वह सदा शासित बना रहता है।' (संदर्भ- जगदीश्वर चतुर्वेदी, कोलकाता विश्वविद्यालय के अवकाश प्राप्त प्रोफेसर व जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय छात्रसंघ के पूर्व अध्यक्ष हैं।)

डॉ. अंबेडकर सामाजिक समानता के लिए संघर्ष करते रहे। उन्होंने गणितीय समानता या कृत्रिम समानता को स्वीकार नहीं किया। प्रत्येक व्यक्ति की आवश्यकताओं और क्षमताओं में एक स्वाभाविक भिन्नता होती है। बाबा साहब अंबेडकर का मानना था कि वंश, धर्म, जाति तथा सामाजिक स्थान ऐसे आधार पर भेदभाव करना समाजवादी व्यवस्था के साथ धोखा होगा।

डॉ भीमराव अंबेडकर को हमें आधुनिक मिथभंजक के रूप में देखना चाहिए। भारत और लोकतंत्र के बारे में परंपरावादियों, सनातनियों, डेमोक्रेट, ब्रिटिश बुद्धिजीवियों और शासकों आदि ने अनेक मिथों का प्रचार किया है। ये मिथ आज भी आम जनता में अपनी जड़ें जमाए हुए हैं। बाबा साहेब ने भारतीय समाज का अध्ययन करते हुए उसके बारे में एक नयी सोच पैदा की है। भारतीय समाज के अनेक विवादास्पद पहलुओं का आलोचनात्मक और मौलिक विवेचन किया है। भारत में भक्त होना आसान है समझदार होना मुश्किल है। बाबा साहेब ऐसे विचारक हैं जो शूद्रों के सामाजिक ताने-बाने को पूरी जटिलता के साथ उद्घाटित करते हैं। बाबा साहेब के भी भक्तों में एक बड़ा तबका है जो दलित चेतना और दलित विचारधारा से लैस हैं। उन्हें भक्तों के आभा मंडल से बाहर निकलकर निश्चिंतता, चेतना सम्पन्न और डॉ बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के विचारधारा से लैस होकर सामाजिक स्वतंत्रता, समानता, उत्थान, राजनैतिक और संविधानिक अधिकारों की रक्षा के संघर्षों को आगे बढ़ाना ही डॉ बाबा साहब के सपनों को साकार करना होगा। बाबा साहेब का मानना था कि - 'वह मनुष्य को मात्र मनुष्य नहीं रहने देती और आज़ाद भी नहीं। मनुष्य पूर्ण मनुष्य तभी बन सकता है जब वह अन्य से यह कहें कि समस्त प्राणी से बिना किसी स्वार्थ के पवित्र आत्मीय और प्रेम का रिश्ता बनाए।'

ललित सुरजन की कलम से

भक्ति, शक्ति, युक्ति, विभक्ति

'यह ईश्वर में आस्था ही है जो हमें उपासना स्थलों के निर्माण के लिए प्रेरित करती है, भले ही उनमें देव प्रतिमा हो, न हो। यह निर्माण कितनी प्रक्रियाओं से गुजर कर पूरा होता है और इनमें कितने लोगों का श्रम निवेश होता है। नए निर्माण के साथ पुरानी निर्मितियों का जीर्णोद्धार भी चलता रहता है। ईंट, सीमेंट, संगमरमर, ग्रेनाइट, पत्थर, बालू, सोना, चांदी, तांबा कितनी ही वस्तुओं की आवश्यकता पड़ती है। खदानों में काम चलता है ।कारखानों में माल बनता है, भराई और लदान होता है, परिवहन के साधन लगते हैं, बड़े-छोटे मालवाहकों के चक्के घूमते हैं; बिजली-टेलीफोन, पानी का इंतजाम होता है, फूलमाला, फूल, चादर, ध्वजा, पताका, पोशाक, घंटे-घड़ियाल, दीपदान, आरती, लोबान, मोमबत्ती, घी, तेल, सब कुछ की जरूरत पड़ती है। इसमें लाखों लोगों को रोजगार की प्राप्ति होती है। खदान मजदूर से लेकर ट्रक चालक तक, पंडे-पुजारी से लेकर याचक तक के जीवनयापन में इनकी महती भूमिका से भला कौन इंकार करेगा? ये जो सावन में लाखों लोग कांवड़ यात्रा पर निकल पड़ते हैं, उनसे रोजगार के अस्थायी ही सही, लेकिन कितने नए अवसर सृजित होते हैं। पकौड़ा इकॉनामी का ये अभिन्न अंग हैं।'

(देशबन्धु में 3 अक्टूबर 2019 को प्रकाशित)

पावन प्रसंग

बाबा साहेब की विरासत पर सत्ता की सियासत, जयंती या सत्ता का स्वार्थी तमाशा?

देश भर में आज बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती धूमधाम से मनाई जा रही है। मंदिरों की घंटियों की तरह मंचों पर माइक बज रहे हैं, फूलों की माला और भावुक भाषणों की बाढ़ है। लेकिन इन सबके बीच एक सवाल लगातार मन को कुरेदता है — क्या यह श्रद्धांजलि है या सत्ता की साधना?

बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर का जन्म 14 अप्रैल 1891 को मध्यप्रदेश के महू में हुआ था। वे महार जाति से थे, जिसे अछूत समझा जाता था। सामाजिक बहिष्कार और अपमान के बीच उन्होंने शिक्षा हासिल की और कोलंबिया विश्वविद्यालय व लंदन स्कूल ऑफ इकानॉमिक्स जैसे संस्थानों से उच्च शिक्षा प्राप्त की। यह उपलब्धि अपने आप में उस समय के भारत में एक क्रांति थी।

बाबा साहेब ने सामाजिक अन्याय के खिलाफ मोर्चा खोला और 1956 में उन्होंने बौद्ध धर्म अपना लिया — एक ऐसा धर्म जो समता, करुणा और ज्ञान की राह दिखाता है। 6 दिसंबर 1956 को उन्होंने दुनिया को अलविदा कहा, लेकिन उनके विचार आज भी जीवित हैं — बशर्ते उन्हें ज़िंदा रखा जाए। उनकी जीवनी सबको मालूम है — 14 अप्रैल 1891, महू (मध्यप्रदेश) में जन्म, अछूत मानी जाने वाली महार जाति से संबंध, बचपन में भेदभाव का शिकार, लेकिन अद्वितीय प्रतिभा से दुनिया को चौंका देने वाला व्यक्तित्व। उन्होंने पूरी दुनिया से ज्ञान अर्जित कर भारत के लिए एक ऐसा संविधान लिखा जो हर नागरिक को समानता, न्याय और स्वतंत्रता की गारंटी देता है। 1956 में उन्होंने बौद्ध धर्म अपनाकर सामाजिक विद्रोह किया। वे जीवन भर छुआछूत, जातिवाद, असमानता और राजनीतिक उपेक्षा के खिलाफ संघर्ष करते रहे। लेकिन आज, उनके नाम पर सिर्फ भीड़ जुटाई जा रही है, विचार नहीं। राजनीतिक दलों से मेरा सीधा सवाल है — क्या आपने सामाजिक न्याय के लिए कोई ठोस कदम उठाया? जवाब स्पष्ट है- शून्य। यदि वास्तव में आप बाबा साहेब की सच्ची श्रद्धांजलि देना चाहते हैं, तो एक वर्ष के लिए धार्मिक आयोजनों, दिखावटी अभियानों और मूर्ति अनावरणों का बजट काटिए। उस पैसे से सभी जातियों के लिए आर्थिक आधार पर न्याय की व्य वस्था कीजिए। सत्ता में जनसंख्या के अनुपात में हिस्सेदारी सुनिश्चित कीजिए। 50त्न कमीशनखोरी बंद करिए, निजीकरण की लहर पर विराम लगाइए।

अगर आप यह कर सकें, तो यकीन मानिए — बाबा साहेब की आत्मा कहेगी, च्च्अब तुमने मेरे विचारों को सिर्फ याद नहीं किया, बल्कि जिया है ।ज्ज वरना, हाथी के दिखाने और खाने के दांतों में फर्क बना रहेगा — और यह फर्क ही एक दिन लोकतंत्र को निगल जाएगा।

प्रियंका सौरभ

आपके पत्र

नाबालिग बच्चियों के साथ दुष्कर्म की घटनाओं में वृद्धि

नाबालिग बच्चियों के साथ दुष्कर्म की घटना सुनने पढ़ने मात्र से सिर चकरा जाता है। मन में अजीब संकल्प चलता है कि बेचारी मासूमियत का गला घोंटने से क्या मिलता होगा। देश में आज भी महिला सुरक्षित नहीं है। पग पग उसे भय सताता है। असुरक्षित जीवन से दु:खी जीवन जीने के लिए मजबूर है। छतीसगढ़ देश का वह राज्य है जहां हर पांच घन्टे में एक नाबालिग दुष्कर्म का शिकार होती है। यानी 10 में से 9 में अपने घर मो ही आरोपी है। छतीसगढ़ के दुर्ग में छह साल की बच्ची के साथ सेक्सुयल असॉल्ट किया गया। प्राइवेट पार्ट को सिगरेट से दागा और इलेक्ट्रिक शॉक देकर बच्ची को मार दिया गया। यह उन माता-पिता के लिए एक मौत से ज्यादा खतरनाक खबर है कि अपने ही कलेजे समान मासूम को दर्दनाक मौत देखकर नरपिशाचता दिल भी पिघल जाए। रायपुर बिलासपुर और दुर्ग बच्चियों के लिए ये जिले असुरक्षित हैं। इस तरह की हैवानियत पौराणिक काल के राक्षस भी नहीं करते थे। आज विचारों की हीनता इंसान को दुर्व्यवहार करने के लिए मजबूर करती है। पांच साल की एक मासूम को चॉकलेट देने के बहाने बुलाकर दुष्कर्म किया। इस तरह की घटना पड़ोसी और जान-पहचान वाले अंकल के पास बच्चे ज्यादा पहचान बनाते है। पड़ोसी उन पर भरोसा भी करते है। बिलासपुर में एक 19 साल की युवती से सौतेला पिता दुष्कर्म करता था। सौतेले पिता ने 13 साल से ही यौन उत्पीड़न करना शुरू कर दिया था। दुर्ग में दो साल पहले 3 साल की मासूम से पिता के दोस्त ने दुष्कर्म किया था। इस तरह की घटना अखबार की सुर्खियों में रहती है। हम अपने पड़ोसी पर आंख मूंदकर भरोसा कर अपना बच्चा उनके हवाले कर देते हैं लेकिन यह कतई नही करे। आज के विषैले जीवन व्यवहार से हर कोई अनभिज्ञ है। देश में इस प्रकार की घटनाओं में कमी नहीं आ रही है। वहीं पास पड़ोस के परिचित लोग इस तरह की घटनाओं में संलिप्त रहते है। चॉकलेट और आइसक्रीम का लालच देकर बच्चों के साथ घिनोनी कृत्य कर उनकी जिंदगी बर्बाद कर देते हैं। सबसे पहले अपने आसपास के पड़ोसियों पर हमेशा नजर रखनी होगी। बच्चा मां के आंचल से दूर नहीं होना चाहिए। इस तरह के लम्पट लोग शिकार की फिराक में रहते हैं। यूनिसेफ की चाइल्ड प्रोटेक्शन स्पेशलिस्ट की मानें तो दुनिया में 37 करोड़ महिलाएं 18 वर्ष की उम्र से पहले यौन हिंसा की शिकार हुई है। 80 प्रतिशत यौन हिंसा के मामले में परिचित ही होते हैं। एनसीआरबी की रिपोर्ट के अनुसार छत्तीसगढ़ में पांच साल में बच्चियों के रेप के मामले डेढ़ गुना बढ़े हैं। इसका दोष बदलते परिवेश और विकृतिपूर्ण सामाजिक दूषण का विशेष कारण रहा है। पाक्सो के 2027 मामले दर्ज हुए हैं इसमें रेप के मामले 1809 है। इस तरह से बढ़ते दुष्कर्म के मामले में पुलिस को अलर्ट रहने की जरूरत है। सड़कों पर होती हलचल पर पुलिस की सीधी निगरानी होनी ही चाहिए। रायपुर में हर साठ घण्टे में एक बच्ची से रेप की घटना सामने आ रही है। स्पेसिपिक एज ग्रुप के अनुसार 12 से 18 साल की बच्चियां अनसेफ है। देश में पाक्सो के 1 लाख 40 हजार केस पेंडिंग है। फिल्में, कमजोरी और अकेलेपन के कारण दुष्कर्म के केस बढ़ रहे है। पुलिस की इन्वेस्टिगेशन और विवेचना की कमजोरी के कारण कोर्ट में केस कमजोर पड़ जाता है। इसमें पुलिस की सक्रियता और अलर्ट के चलते रेप के केस में कमी आ सकती है।

- कांतिलाल मांडोत

जबलपुर के साथ कई जिलों में तेज हवा के साथ बारिश

तापमान नीचे लुढ़का, 16 अप्रेल से गरम हवा चलने के आसार

जबलपुर, देशबन्धु। जबलपुर के अलावा सतना एवं कई जिलों में रविवार को दोपहर बाद से आंधी वाली हवा चली, इसके बाद कहीं बूंदा-बांदी तो, कुछ जिलों में बारिश हुई। इससे पारा नीचे की तरफ खिसक गया है, वहीं तेज धूप एवं गर्मी से लोगों को राहत रही। वहीं सतना में सुबह चार बजे से दो घंटे तक झमाझम बारिश हुई है।

मौसम विशेषज्ञों के अनुसार तीन सिस्टम सक्रिय होने से हल्की बारिश व आंधी का दौर रहेगा। पश्चिम विक्षोभ, साइक्लोनिक सकुर्लेशन व ट्रफ की एक्टिविटी कम होने के बाद तेज गर्मी का दौर शुरु होगा। 15 अप्रेल को मौसम साफ होने की संभावना है, इसके बाद 16 अप्रेल से लू चलेगी। अगले चौबीस घंटे में प्रदेश के 24 जिलो में मौसम में बदलाव रहेगा, जबलपुर, ग्वालियर, भिंड, मुरैना, दतिया, श्योपुर, शिवपुरी, सागर, छतरपुर, दमोह, पन्ना, कटनी, सतना, मैहर, उमरिया, मंडला, डिंडौरी, बालाघाट, अनूपपुर, शहडोल, रीवा, मऊगंज, सीधी व सिंगरौली में गरज-चमक, आंधी व बारिश होने के आसार है। एक दिन पहले भी प्रदेश के कई शहरों में बारिश हुई है, सुबह मालवा अंचल में हल्की बारिश हुई, धार के बदनावर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में आधा घंटा तक तेज पानी गिरा। कुछ अन्य जगह भी बादल छाए रहे लेकिन दोपहर होते होते धूप तेज हो गई। हरदा, रायसेन, नर्मदापुरम के पचमढ़ी, छिंदवाड़ा, पांढुर्ना, विदिशा, सागर, डिंडौरी, सीधी, मंडला, बालाघाट, सिंगरौली, देवास, सीहोर में आकाशीय बिजली चमकने, तेज आंधी चलने के साथ हल्की बारिश हुई। मौसम में अचानक बदलाव के कारण प्रदेश के शहरों में तापमान में भी गिरावट आई है, यदि बड़े शहरों की बात की जाए तो जबलपुर में 37.06 डिग्री, भोपाल 37.08, इंदौर 36.8, ग्वालियर 36.07 व उज्जैन में 38 डिग्री तापमान रिकार्ड किया गया है।

उधर किसानों का कहना है कि बेमौसम बारिश से उनकी तैयार फसल को नुकसान होने का खतरा है। विशेषकर जिन किसानों की कटी हुई फसल खेतों में पड़ी है, उन्हें सबसे ज्यादा नुकसान का सामना करना पड़ सकता है।

भाजपा चिकित्सा प्रकोष्ठ नग लगाया चिकित्सा एवं स्वास्थ्य शिविर

जबलपुर, देशबन्धु। भारतीय जनता पार्टी चिकित्सा प्रकोष्ठ एवन मुक्ति चिकित्सा के संयुक्त तत्वाधान में विशाल नि:शुल्क चिकित्सा एवं स्वास्थ्य शिविर का हुआ आयोजन ज्ञान विद्या पब्लिक स्कूल गणेश नगर, कछपुरा आयोजित हुआ।

स्वास्थ्य शिविर में प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ अश्वनी कुमार त्रिवेदी, जिला संयोजक डॉ. विवेक, मनोज सेठ, राघवेंद्र यादव, एडवोकेट दीपक श्रीवास्तव, रोशन पटेल, बृजेश दत्त अरजरिया, नवीन विल्सन, दिनेश सिंह का विशेष योग रहा।

हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ हर्ष रेड्डी, स्त्री रोग विशेषज्ञ स्नेहा मितवानी, हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ अंकित जैन, जनरल फिजिशियन डॉ श्रीकांत साहू, डॉ ऋषि उपाध्याय, डॉ सचिन बोदलिया डॉ सचिन बुधौलिया, डॉ वीरेंद्र साहू, लेप्रोस्कोपिक सर्जन डॉ अभिनित जैन, सेंटर फॉर इये सेइट, का विशेष योगदान स्वास्थ्य शिविर में 311 निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण का स्वास्थ्य परीक्षण कर निशुल्क द्वारा दवा वितरण की गई।

सिविल अस्पताल राँझी को वाटर कूलर प्रदान.

जबलपुर, देशबन्धु। सिविल अस्पताल रांझी को विधायक श्री अशोक रोहाणी की अध्यक्षता में शनिवार को आयोजित कार्यक्रम में लॉज नर्मदा जबलपुर संस्था की ओर से वाटर कूलर प्रदान किया गया। इस अवसर पर बताया गया कि सिविल अस्पताल रांझी की वेबसाईट भी इसी संस्था द्वारा बनवाई गई है। नर्मदा जबलपुर संस्था के गुठा कृष्णन सेल्वराजन, सुभाष एल सराफ, श्री गुलाटी, श्री रूंगटा, श्री छाबडा, श्री रूपराह, डॉ बी एस कोहली, पार्षद दामोदर सोनी, अस्पताल प्रभारी अधिकारी डॉ कमलेश धुर्वे मौजूद थे।

हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ने लिया आचार्य समय सागर महाराज से आशीर्वाद

जबलपुर, देशबन्धु। मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश सुरेश कुमार कैत विद्यासागर भवन पहुंचे, जहां उन्होंने आचार्य समय सागर महाराज के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

न्याय प्रक्रिया में मानवीय पक्ष को महत्व-इस अवसर पर मुख्य न्यायाधीश ने आचार्य समय सागर महाराज के सान्निध्य में एक घंटे से अधिक समय तक विविध विषयों पर संवाद किया। चर्चा के दौरान उन्होंने कहा कि न्याय प्रक्रिया में मानवीय पक्ष को सदैव महत्व दिया जाना चाहिए। साथ ही, उन्होंने महिला शिक्षा की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि इससे समाज की दिशा और दशा दोनों बदलती है।

महिला शिक्षा को बढ़ावा- मुख्य न्यायाधीश को जानकारी दी गई कि जैन समाज महिला शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए जबलपुर सहित विभिन्न शहरों में प्रतिभास्थली बालिका विद्यापीठ संचालित कर रहा है। साथ ही पूर्णायु में छात्राओं के लिए एक आयुर्वेद महाविद्यालय की भी स्थापना की गई है।

महिलाओं को स्वावलंबी बनाने के लिए आचार्य विद्यासागर महाराज के आशीर्वाद और समय सागर महाराज के निर्देशन में चलचरखा एवं हथकरघा प्रकल्प चलाए जा रहे हैं। इन प्रकल्पों ने डिंडोरी सहित ग्रामीण क्षेत्रों में आदिवासी समाज के पलायन को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और महिलाओं को स्थानीय स्तर पर रोजगार भी उपलब्ध कराया है।

विद्यासागर भवन में छात्रावास बना- चर्चा के दौरान यह भी बताया गया कि विद्यासागर भवन परिसर में महिलाओं के लिए एकभव्य छात्रावास का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है, जिसका शुभारंभ शीघ्र किया जाएगा।

जेल सुधार गृह बने- मुख्य न्यायाधीश ने चर्चा के दौरान बताया कि जेल अब सुधार गृह के रूप में बनने चाहिए ताकि जब सजा के बाद बंदी बाहर निकले तो अच्छा नागरिक बने, चलचरखा प्रकल्प की बहनों ने बताया कि मध्य प्रदेश के कई जेल और तिहाड़ जेल में चल चरखा का प्रकल्प चल रहा है, उससे होने वाली समस्त आय उन बंदी भाइयों के खाते या परिवार में भेजी जाती है।

मुख्य न्यायाधीश का स्वागत हाई कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष धन्य कुमार जैन, वरिष्ठ उपाध्यक्ष अमित जैन और विपुलवर्धन जैन सहित अन्य गणमान्य नागरिकों ने किया।

यह रहे मौजूद- पवन चौधरी, सौरभ जैन नन्नू, चक्रेश मोदी, आनंद सिंघई, संजीव चौधरी, संजय कटंगाहा मनीष जैन कल्लू, मिनकु जैन सहित अन्य जन शामिल रहे।

लस्सी, गन्ने के जूस में घटिया बर्फ की मिलावट!

जबलपुर,देशबन्धु। गर्मी का सीजन आते ही बाजार में लस्सी, जूस, कोल्डड्रिंग्स की मांग बढ़ने लगी है, वहीं इनकी ठण्डा करने के लिए घटिया बर्फ की मिलावट की जा रही है। जो लोगों के स्वास्थ्य के लिए नुकसान दायक है। जानकारों की माने तो इनके घटिया बर्फ के उपयोग से उल्टी, दस्त और बुखार का खतरा अधिक होता है। सूत्रों के मुताबिक इन दिनों गांव से लेकर शहर तक ठण्डे पेय पदार्थों की मांग तेज होने लगी है। इन पेय पदार्थों में प्रदूषित पानी से बनी बर्फ का उपयोग बाजार में धड़ल्ले से किया जा रहा है।

खासतौर पर रंगीन चासनी वाले बर्फ के गोले, गन्ने का रस, नीबू पानी और अन्य कोल्ड ड्रिंग्स में बर्फ का उपयोग अधिक होता है। जैसे-जैसे गर्मी बढ़ती है बाजार में ठेलों व लस्सी की दुकानें, जूस सेन्टर और विभिन्न आयोजनों में बर्फ की खपत तेजी से बढ़ने लगती है। इस बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए बर्फ फैक्ट्री वाले बाजार में अच्छी और खराब दोनों क्वालिटी की बर्फ सप्लाई करने लगते हैं। सूत्रों का कहना है कि कई बर्फ फैक्ट्री वाले पानी की गुणवत्ता की अनदेखी कर प्रदूषित पानी से बर्फ तैयार कर रहे हैं। जो कि सेहत के लिए नुकसान दायक है।

प्रदूषित पानी से बनी बर्फ से संक्रमण का खतरा

जानकारों का कहना है कि आमतौर पर मौसमी बीमारियों के बढ़ने का मुख्य कारण प्रदूषित खानपान और इससे होने वाला संक्रमण होता है। खासकर गर्मियों और बारिश के मौसम में यह संक्रमण तेजी से फैलता है। प्रदूषित पानी से बनी बर्फ के सेवन से उल्टी, दस्त, बुखार और गले में टॉन्सिल जैसे समस्याऐं होने का खतरा अधिक रहता है। डॉक्टरों की सलाह माने तो गर्मियों के मौसम में घर के फ्रिज में बनी हुई बर्फ का उपयोग ही करना चाहिए, ताकि ऐसे संक्रमणों से बचा जा सके। वर्तमान में बाजार में घटिया बर्फ का उपयोग न सिर्फ लस्सी, गन्ने के जूस में अधिक हो रहा है बल्कि कोल्ड ड्रिंग्स व अन्य पेय पदार्थों को भी ठण्डा करने में किया जा रहा है। खासकर बच्चे और युवाओं में ठण्डे पेय पदार्थों की मांग अधिक देखी जा रही है।

बजरंग मठ सूपाताल में नेत्र शिविर प्रारम्भ

जबलपुर, देशबन्धु। दादा वीरेंद्रपुरी जी के 99 वें जन्मोत्सव पर बजरंग मठ सूपाताल में नेत्र शिविर का आयोजन किया गया।

बाबूशंकर सोनकर, डॉ. पवन स्थापक और दादा वीरेंद्रपुरी जी शिष्य मंडल की मौजूदगी में सुबह दस बजे दीप प्रज्ज्वलन कर नेत्र शिविर का शुभारम्भ किया गया।

नेत्र शिविर में 530 मरीजों का नेत्र परिक्षण किया गया जिसमे 126 मरीज मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए चयनित किये गए द्व 25 मरीज ऐसे पाए गए जिनमे मधुमेह के दुष्परिणाम के कारण आँख के परदे पर खून के धब्बे जमा थे, 12 मरीज कांचियाबिंद से ग्रसित और 02 मरीज कॉर्नियल अंधत्व से ग्रसित पाए गए। डॉ. पवन स्थापक ने बताया कि चयनित मरीजों को बस के माध्यम से दादा वीरेंद्रपुरी जी नेत्र संस्थान (देवजी नेत्रालय) तिलवारा घाट ले जाया गया जहां अत्याधुनिक तकनीक से इन मरीजों का लेंस प्रत्यारोपण किया जायेगा, शिविर के संयोजक बाबूशंकर सोनकर ने बताया कि मरीजों का ऑपरेशन, भोजन, दवाइयां,चश्मे और परिवहन आदि नि:शुल्क रहेगा।

500 से ज्यादा मरीज पहुंचे

इस अवसर पर डॉ.पवन स्थापक,बाबूशंकर सोनकर, श्रीमती अनुपमा स्थापक, डॉ. आयुष टंडन, डॉ. अर्पिता स्थापक, डॉ.अपूर्वा स्थापक, डॉ.प्रियाजैन,डॉ.सोनियाटंडन,डॉ .महेश स्थापक, डॉ.एच.पी. तिवारी, राजेश सोनकर, राजीव सोनकर,भोलाराम खत्री, अजीत दुबे, मोती शिवहरे, अरुण त्रिपाठी , हेमराज अग्रवाल इत्यादि शामिल रहे। यह कार्यक्रम दादा भगवान के आशीर्वाद से संपन्न हुआ।

मेडिकल विवि से छिने नर्सिंग, पैरामेडिकल पाठ्यक्रम

जबलपुर,देशबन्धु। अपने कुप्रबंधन, अनियमितताओं और फजीवाड़ों के साथ अनाप-शनाप भुगतान के लिए प्रदेश के साथ पूरे देश में कुख्यात हो चुके मप्र आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय (मेडिकल विवि) अब नर्सिंग और पैरामैडिकल पाठ्यक्रम विधिवत छीन लिए गए हैं।

मेडिकल विवि से संबद्ध नर्सिंग कॉलेजों में पाई गई गड़बडियों और अनियमितताओं को नियंत्रित करने के उद्देश्य से उच्च शिक्षा विभाग ने अब इन पाठ्यक्रमों की निगरानी, प्रवेश प्रक्रिया और शैक्षणिक सत्र संचालन पूरी तरह क्षेत्रीय विश्वविद्यालयों के अधीन कर दिया हैं। उच्च शिक्षा विभाग ने यह बड़ा फैसला लेते हुए नर्सिंग और पैरामेडिकल कोर्स अब क्षेत्रीय विश्वविद्यालयों के अधीन कर दिए हैं। 2025-26 सत्र से प्रदेश में नर्सिंग व पैरामेडिकल कॉलेजों को क्षेत्रीय विश्वविद्यालयों से संबद्ध होना अनिवार्य किया गया है। इस संबंध में उच्च शिक्षा विभाग ने आदेश जारी किया है। यानि प्रदेश में नर्सिंग और पैरामेडिकल कोर्सेस संचालित करने वाले कॉलेजों को अब मेडिकल यूनिवर्सिटी से नहीं, बल्कि संबंधित क्षेत्रीय विवि से संबद्धता लेनी होगी। इस संबंध में उच्च शिक्षा विभाग द्वारा 11 अप्रैल 2025 को आदेश जारी कर दिए गए।

शैक्षणिक कैलेंडर भी किया जारी-उच्च शिक्षा विभाग द्वारा इस संबंध में शैक्षणिक कैलेंडर और प्रमुख तिथियां भी जारी कर दी गई हैं। 2025-26 सत्र के लिए वार्षिक शैक्षणिक कैलेंडर में प्रवेश से लेकर कक्षाओं की शुरुआत तक की तारीखों का स्पष्ट उल्लेख है। इसमें पाठ्यक्रम अध्यादेश प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 30 अप्रैल प्रवेश परीक्षा की अवधि 15 मई से 31 जुलाई तक, मान्यता प्रक्रिया (काउंसिल द्वारा) 1 जून से 30 जुलाई तक, काउंसलिंग व प्रवेश प्रक्रिया 1 अगस्त से 15 अक्टूबर तक, एनओसी प्राप्त करने की अवधि 1 अगस्त से 31 अगस्त तक, विवि से संबद्धता की अंतिम अवधि 1 सितंबर से 15 अक्टूबर तक एवं कक्षाएं प्रारंभ होने की तिथि 1 नवंबर से निर्धारित की गई हैं। अब क्षेत्रीय विवि के अधीन संचालन से कहा जा रहा हैं कि बेहतर पर्यवेक्षण होगा।

ये होंगे बदलाव

इससे होने वाले बदलावों में प्रमुख रूप से अब राज्य के सभी निजी व सरकारी नर्सिंग एवं पैरामेडिकल कॉलेजों को संबंधित क्षेत्रीय विवि से संबद्धता लेनी होगी, सभी संबद्धता, एनओसी और मान्यता प्रक्रियाएं ऑनलाइन और पारदर्शी होंगी, संबंधित जानकारी विवि व विभाग की वेबसाइटों पर समय पर प्रकाशित की जाएगी, बीते वर्षों में नर्सिंग कॉलेजों में फर्जीवाड़ा, अप्रशिक्षित स्टाफ, और बिना मान्यता के प्रवेश जैसे कई मामले सामने आए थे।

विधिक सहायता एवं जागरूकता शिविर में 100 से अधिक लोगों को मिला लाभ

जबलपुर, देशबन्धु। स्वर्गीय वाय.एस. धर्माधिकारी वार्षिक विधिक सहायता एवं जागरूकता शिविर

मानस भवन के सामने, पटेरिया कंपाउंड में आयोजित किया गया। शिविर का शुभारंभ रविवार को सुबह 11 बजे कार्यक्रम के मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति डी.एम. धर्माधिकारी, उच्चतम न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश ने किया। इस अवसर पर वरुण तंखा, रोटरी क्लब के अध्यक्ष सार्थक सेठी, कन्वेनियर एडवोकेट शिवेंद्र पांडेय, डॉक्टर अमरेन्द्र पांडेय, एडवोकेट श्रेयस धर्माधिकारी, रामेन्द्र करसोलिया विशेष रूप से उपस्थित रहे। शुभारंभ अवसर पर मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति डी.एम. धर्माधिकारी, उच्चतम न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इससे अंतिम पंक्ति के उन लोगों को लाभ मिलेगा जो विधि सलाह न मिल पाने से भटकते रहते हैं।

इनका रहा योगदान-रोटरी क्लब के अध्यक्ष सार्थक सेठी व एडवोकेट शिवेंद्र पाण्डेय ने बताया निशुल्क विधिक सहायता एवं जागरूकता शिविर में 150 से अधिक लोगों को अधिवक्ताओं द्वारा नि:शुल्क विधि परामर्श दिया गया। शिविर में श्रीराम कालेज के 20 छात्रों ने अपना सहयोग दिया। रोटरी क्लब के अध्यक्ष सार्थक सेठी ने कहा कि इस शिविर का उद्देश्य आम नागरिकों को उनके विधिक अधिकारों के प्रति जागरूक करना तथा जरूरतमंदों को नि:शुल्क विधिक सहायता प्रदान करना है।

इनके संरक्षण में कार्यक्रम-यह आयोजन विवेक कृष्ण तंखा, वरिष्ठ अधिवक्ता एवं राज्यसभा सांसद के संरक्षण एवं मार्गदर्शन में संपन्न हो पाया है। श्री तन्खा का विधिक सेवा, समाजसेवा और न्यायिक सुधारों के प्रति समर्पण इस शिविर की प्रेरणा है।

शिविर में 150 से अधिक वरिष्ठ अधिवक्ता, विधि विशेषज्ञों ने दीवानी, फौजदारी, पारिवारिक, श्रम, संपत्ति से संबंधित मामलों पर नि:शुल्क सलाह प्रदान की है। शिविर में ट्रेजरर सुचित साहनी, चमन रॉय सेकेटरी का विशेष सहयोग रहा।

शिविर में विधि सहायता प्राप्त करने वेक जरूरतमंद लोगों ने इस पहल को जमकर सराहा। रोटरी क्लब ने उठाई अनाथ बच्चों के भरण पोषण की जिम्मेदारी

बालिका-बालक आये-रोटरी क्लब के अध्यक्ष सार्थक सेठी व एडवोकेट शिवेन्द्र पाण्डे ने बताया शिविर में एक 15 वर्षीय बालिका और 11 वर्ष बालक स्वयं आये और शिविर में जानकारी दी कि उनके पिता का स्वर्गवास हो गया है और माँ उन्हें छोडकर कहीं चली गई है।

संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षायें आयोजित

जबलपुर, देशबन्धु। संघ लोक सेवा आयोग की सीडीएस-1, एनडीए एवं एनए-1 की परीक्षा रविवार 13 अप्रैल को जबलपुर में 11 केंद्रों पर आयोजित की गई। सीडीएस-1 की परीक्षा तीन पालियों में सुबह 9 बजे से 11 बजे तक, दोपहर 12.30 बजे से दोपहर 2.30 बजे एवं दोपहर 4 बजे से शाम 6 बजे तक तथा एनडीए एवं एनए-1 की परीक्षा दो पालियों में सुबह 10 बजे से 12.30 बजे तक एवं दोपहर 2 बजे से शाम 4.30 बजे तक आयोजित की गई थी।

J.B.F.A.

जबलपुर बॉयलर फार्मस् एसोसियेशन

मुर्गा छोटा - रु. 132
मुर्गा मीडियम - रु. 124
मुर्गा बड़ा - रु. 108
मुर्गा जम्बो - रु. 108
मो.-9039925000, 9425800409

सोनू पोल्ट्री

बड़ा ब्रॉयलर - रु. 104
मीडियम ब्रॉयलर - रु. 120
छोटा ब्रॉयलर - रु. 128
मोबाइल नं. 9300692405

बुजुर्गो से मिलती है समाज को नई दिशा

जबलपुर, देशबन्धु। बड़े बुजुर्गो की जीवनशैली सदैव अनुकरणीय है क्योंकि उन्होंने राष्ट ,समाज, परिवार के साथ संस्कारों और संस्कृति को समेटे रखा, जिससे हम सभी को बहुत कुछ सीखने मिलता है। सामाजिक कार्यों में सहभागिता,मिलनसारिता होना से सारी समास्याओं का हल ढूंढ़ने में मदद मिलती है। भाजपा कार्यकर्त्ताओं ने वरिष्ठ जनों का कार्यक्रम किया। इसमें जरूरी बातों के महत्व को समझाया गया।

वक्तओं ने कहा कि आस पड़ोस के सुख दुख मे शामिल होकर हम वर्तमान में छोटे छोटे परिवार के दायरों को बढ़ा सकते हैं जिससे वृध्दाश्रम की कोई जरूरत नहीं होगी और साथ ही नयी पीढ़ी को बड़े बुजुर्गो के तजुर्बे का फायदा मिलेगा।

वरिष्ठ जनों से संपर्क और संवाद स्थापित करना हमेशा लाभकारी होता है। इस मौके पर पूर्व महापौर डॉ स्वाति सदानंद गोडबोले, पार्षद प्रतिभा भापकर, जागृति शुक्ला, प्रीति बाजपेई शामिल रहे।

कहीं हुआ अमृत पान, कहीं बंटा छबील

बैसाखी पर शहर धर्ममय, प्रेमनगर और जीसीएफ में लंगर, रक्तदान

जबलपुर, देशबन्धु। खालसा पंथ का सृजन दिवस और फसलों की कटाई उपरान्त मनाया जाने वाला वैसाखी महापर्व की आज सिख समुदाय में धूम रही। वैसाखी पर्व पर मुख्य आयोजन गुरुद्वारा प्रेमनगर, मदनमहल और गुरुद्वारा जीसीएफ में बड़े उत्साह, उल्लास धूमधाम से मनाया जा रहा है। आज सुबह दोनों ही आयोजनों में श्री दरबार साहिब अमृतसर, पंजाब के विख्यात हुजूरी रागी जत्था भाई जगतार सिंह, ढाड्डी जत्था भाई ब्रिछपालसिंह, बरकंडी वाले, इतिहासविद ज्ञानी हरमीत सिंह, जम्मू सहित अनेक विद्वतजनों शिरकत की। अभिलाषियों को अमृत पान भी करवाया गया। इस अवसर पर सिख नारी मंच के नेतृत्व में रक्तादान शिविर भी लगाया गया। विभिन्न संस्थाओं द्वारा लस्सी और शरबत, छबील के स्टाल लगाकर सेवा की गई।

हजारों की संख्या में महिला पुरुष बच्चे और युवाओं ने गुरु का लंगर ग्रहण किया। प्रधान साहब मंजीत सिंह ननडा, चरणजीत सिंह कैला, सुरिंदर सिंह होरा, हरमीत सिंह धन्जल, बलजीत सिंह मांगट, अवतार सिंह पलाहा, अजायब सिंह कैंबो एवं प्रबंधक कमेटी के लोगों का सराहनीय योगदान रहा। गुरुद्वारा जीसीएफ के प्रधान महेंद्र सिंह नागी एवं सचिव परमदीप सिंह मैनी ने बताया कि आजादी से पूर्व सन् 1941 से यहां वैसाखी महापर्व धूमधाम से मनाया जा रहा है। वहां आज कीर्तन दरबार और गुरु का लंगर पंगत में वितरित किया गया। जिसमें हजारों लोगों ने ग्रहण किया। इस अवसर पर गणमान्य समाज सेवियों को सम्मानित भी किया गया। इसके अलावा नगर के विभिन्न हिस्सों में फल और मिष्ठान के साथ ही जरुरतमंद छात्रों को कापी और किताबें भी प्रदान की गई। वैसाखी पर आज रातभर गुरु का लंगर पकाने और तैयार करने हेतु कार सेवा की गई इसमें महिला पुरुषों के साथ ही युवा एवं बच्चों ने भी शिरकत की। वैसाखी पर गुरुद्वारों की आकर्षक विद्युत सज्जा से रोशन किया गया है।

पक्षियों के लिए लगाए मिट्टी के पात्र

जबलपुर, देशबन्धु। जैन आदिनाथ महिला परिषद गोल बाजार चेलना संभाग के तत्वावधान में पक्षियों के लिए सकोरे लगाए गए। इस मौके पर संभागाध्यक्ष सविता जैन, संभाग सचिव रेशमा चौधरी, शाखा अध्यक्ष प्राची जैन, सचिव मोना जैन, कोषाध्यक्ष निधि जैन ने कहा कि पक्षियों के लिए पानी के स्त्रोतों को बनाए रखने के लिए सकोरे लगाना आवश्यक है।

जीवन में कुछ ऐसा करना चाहिए जिसका ज़िक्र लिखें तो लोग पढ़ सकें

जबलपुर, देशबन्धु। जीवन में कुछ ऐसा किया जाना चाहिए, जिसका जिक्र यदि लिखकर हो तो लोग उसे उत्सुकता से पढ़ सकें। क्योंकि जीवन का मूल मंत्र पुस्तकों से मिलने वाला ज्ञान है। यह बात उच्च शिक्षा विभाग जबलपुर संभाग के पूर्व अतिरिक्त संचालक डॉ. केएल जैन ने उनकी पुस्तक विमोचन के दौरान कही। शनिवार को पीएम कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस महाकोशल में डॉ. केएल जैन की जीवन का मूल मंत्र पुस्तक का विमोचन किया गया। कार्यक्रम में रादुविवि कुलपति डॉ. राजेश वर्मा ने कहा कि शब्द और भावों को पुस्तक के रूप में अवश्य लाना चाहिए, इससे शब्दों के रहस्यों को जानने में मदद मिलती है। समारोह में अरुण कुमार ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की।

प्रतियोगिताओं के मिले सम्मान

इस दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ। इसमें अंग्रेजी विभाग के कम्युनिकेटिव इंग्लिश के सर्टिफिकेट स्टूडेंट्स को दिए गए। इसके साथ ही आइक्यूएसी द्वारा कंप्यूटर अवेयरनेस ट्रेनिंग प्रोग्राम के लिए ट्रेनर्स को सर्टिफिकेट दिए गए। इस मौके पर डॉ. मलय वर्मा, कौशल दुबे, विशिष्ट अतिथि संदेश जैन, डॉ. संतोष जाटव, डॉ. स्मिता बेलवंशी, डॉ. आभा पाण्डे मौजूद रहीं।

नए सदस्यों ने ली सेवाकार्य की शपथ

जबलपुर, देशबनधु। सर्व स्वर्णकार महिला उत्थान समिति के तत्वावधान में बैठक और शपथ ग्रहण समारोह सम्पन्न हुआ। समारोह में महिला पदाधिकारियों एवं नए सदस्यों ने सेवाकार्य की शपथ ली। नए सदस्यों का स्वागत प्रमाणपत्र से किया गया। इसके बाद पदाधिकारियों ने निर्णय लिया कि नवम्बर में होने वाले परिचय सम्मेलन के प्रचार-प्रसार के साथ अभियान चलाया जाएगा। वहीं समाज को राजनैतिक, सामाजिक उत्थान संबंधित समस्याओं के निराकरण के लिए कमेटी की रुपरेखा के लिए हस्ताक्षर अभियान चलाकर प्रतिनिधि मंडल मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपेगा। बैठक में विवाह परिचय सम्मेलन, महाराजा अजमीढ़ देव धाम मंदिर व धर्मशाला निर्माण के कार्य की रुपरेखा भी तय हुई। इस मौके पर अध्यक्ष मंजू सोनी, संगीता सोनी, सरिता सोनी, सीमा, हर्षिता सोनी, रचना, अंजना, स्वाति, सीमा, खूशबू, पूजा, ज्योति, कीर्ति, मोनू, पूजा, मीना, कुसुम, मालती सोनी मौजूद रहीं।

टेंट पिचिंग का मिला प्रशिक्षण, सीखी जीवन जीने की कला

जबलपुर, देशबनधु। पश्चिम मध्य रेल भारत स्काउट्स एवं गाइड्स जबलपुर मंडल के तत्वावधान में एक दिवसीय शिशिविर का संचालन हुआ। कार्यक्रम में अपर मंडल रेल प्रबंधक सुनील टेलर, वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी सुबोध विश्वकर्मा, मंडल सिंगल एवं दूरसंचार इंजी. राजश्री द्विवेदी, सहायक कार्मिक अधिकारी सच्चिपति नंदन, जिला सचिव अनिल चौबे, सहायक जिला सचिव संजीव तिवारी, जिला संगठन आयुक्त स्काउट विमलेश तिवारी, जिला प्रशिक्षण राहुल कश्यप मौजूद थे। कैम्प क्रॉफ्ट और टेंट पिचिंग शिविर में स्काउट्स को ध्वजा शिष्टाचार, कैम्प क्राफ्ट, टेंट पिचिंग का प्रशिक्षण दिया गया। इसके साथ ही पर्यावरण विषय पर रेलवे कॉलोनी में पैदल हाइक करवाए गए। शुभम कुमार कुशवाहा, ऋषिकेश राव, अब्दुल वाजिद मंसूरी, देवेंद्र कुमार कतिया, केके उपाध्याय का सहयोग रहा।

ईसाई समुदाय का पवित्र पाम सन्डे सम्पन्न

जबलपुर, देशबनधु। महागिरजा घर सेंट पीटर एंड पॉल कैथेड्रल सदर मैं पाम संडे बड़े ही धूम धाम से मनाया गया. पवित्र पाम सन्डे याने की खजुरी रविवार को ईसाई समुदाय के लोग प्रभु यीशु के यरूशलेम में आगमन को विजयी प्रवेश के रूप में मानते है। पवित्र बाइबल में कहा गया है की जब प्रभु यीशु येरुशलम पऊंचे तो उनके स्वागत में बड़ी संख्या में लोग पाम याने के खजूर की डालियां अपने हाथों में अपने परिवार के साथ बड़े ही उत्साह और भक्ति के साथ अपने राजा प्रभु यीशु के स्वागत के लिए एकत्रित हुए... पूरी दुनिया प्रभु यीशु की आपसी प्रेम की शिक्षा एवं चमत्कारों को देख कर सारे विश्व ने उन पर अपना विश्वास प्रगट कर उन्हें अपना राजा माना।

यह बात आज से करीब दो हजार बाईस वर्ष पहले की बताई जाती है, उस दिन की याद में ईसाई समुदाय द्वारा पाम सन्डे मनाया जाता है, आज से पवित्र सप्ताह की भी शुरुवात होती हैं इस समय इस समुदाय के लोग 40 दिनों का उपवास करते है तथा वुशेष प्राथना मै लीन रहेते है, तथा इसका समापन ईस्टर के रूप में होता है, जिसमे प्रभु येशु ने के अनुसार हमे एक दूसरे से प्रेम करना है, ईसाई समाज के लोग पाम सन्डे के दिन प्रभु यीशु के आगमन की खुशी में गीत गाकर इस दिन का स्वागत करते है एवम सभी लोग अपने हाथों में खजूर की डालियां लेकर प्रभु यीशु का स्वागत करते है। पाम सन्डे को सदर स्थति सेन्ट पीटर एंड पॉल चर्च मैं सेन्ट जोसेफ स्कूल से चर्च प्रांगण तक एक जलूस भी निकाला गया।

जबलपुर डायसिस प्रमुख डॉ वल्लन अरासु ने अपने उपदेश मैं लोगो से कहा की हमे एक दूसरे के अपराध माफ करना चाहिए की हमरा हृदय पाप रहित रहे, पल्ली पुरोहित फादर डॉ, डेविस जोर्ज एवेंम सह पल्ली पुरोहित जोनस मरकाम ने समस्त पल्लीवासियो को पाम सन्डे की सुभकामनाय दी, कार्यक्रम को सफल बनाने में पल्ली सचिव फेलिक्स बारला , जॉन डेविड , मनोज अन्थोनी, फ्रांसिस जेवियर, जूसिया, रेशलू पीटर, आदि का विशेष सहयोग रहा।

दैनिक राशिफल

सोमवार 14 अप्रैल 2025 का पंचांग विक्रम संवत् 2082, शक संवत 1946 हिजरी 1445। वैशाख कृष्ण पक्ष की द्वितीया नक्षत्र-स्वाति ।

मेष – आज मन व्याकुल रहेगा और शरीर में आलस्य छाया रहेगा। स्वास्थ्य कुछ नरम-गरम हो सकता है। काम में सफलता देर से मिलेगी।

वृषभ – सरकार विरोधी काम और एक्टिविटी से दूर रहने की सलाह आपको दी जाती है। नए काम की शुरुआत ना करें। स्वास्थ्य भी बिगड़ सकता है।

मिथुन – आज का दिन सुख और शांतिपूर्वक गुजार सकेंगे। दैनिक कामों में कुछ ज्यादा ही व्यस्त रह सकते हैं। मन को प्रसन्न रखने के लिए आप मनोरंजन का सहारा लेंगे।

कर्क – व्यवसाय स्थल पर वातावरण अनुकूल रहेगा। मायके से अच्छे समाचार प्राप्त होंगे। पारिवारिक वातावरण भी अनुकूल रहेगा। विरोधियों को लाभ प्राप्त नहीं हो पाएगा।

सिंह – प्रणय प्रसंग के लिए आज का दिन अनुकूल है। फिर भी गुस्से पर संयम रखें। पेट से संबंधित रोगों से कोई कष्ट हो सकता है। दोपहर के बाद परिवार में आनंद और उल्लास का वातावरण रहेगा।

कन्या – आज शारीरिक ताजगी का आपमें अभाव रहेगा। किसी बात की चिंता से काम में मन नहीं लगेगा। धनहानि होने की आशंका है।

तुला – नए काम की शुरुआत करने के लिए दिन अच्छा है। प्रिय व्यक्ति के साथ हुई मुलाकात आनंददायी रहेगी।

वृश्चिक – निर्धारित काम न होने के कारण हताशा का अनुभव होगा। किसी भी महत्वपूर्ण काम का डिसीजन आज ना लें। पारिवारिक वातावरण में क्लेश रहेगा।

धनु – आज का दिन आप के लिए शुभ फलदायी है। आज भाग्य आपका साथ देगा और आर्थिक रूप से आपको फायदा होगा। शारीरिक और मानसिक रूप से आप उत्साही तथा प्रफुल्लित बने रहेंगे।

मकर – कोर्ट कचहरी के मामलों से आज दूर रहें। मन में किसी बात को लेकर आज चिंता रह सकती है। आपके नकारात्मक विचार काम पर सीधा प्रभाव डालेंगे।

कुंभ – आज के दिन की शुरुआत लाभदायी है। सामाजिक और आर्थिक क्षेत्र में आप प्रगति करेंगे। किसी नए व्यक्ति से रिश्ता बन सकता है।

मीन – आपके विचारों में आज दृढ़ता अधिक नहीं होगी। व्यापार में भागीदारी के काम से लाभ होगा। नौकरी में पदोन्नति के योग हैं।

म.

वॉर एरेना से आउट कर जीती बाजी

ट्रिपलआइटीडीएम में टेक्निकल फेस्ट अभिकल्पन का समापन

जबलपुर, देशबनधु। ड्रोन वर्कशॉप में युवाओं ने तरह-तरह के ड्रोन निर्माण की तकनीक सीखी। इस दौरान किसी ने रोबोटिक ड्रोन बनाया, तो किसी ने सेंसर बेस्ड ड्रोन बनाने की बारीकियां सीखी। रोबो रेसलिंग कॉम्पीटिशन में युवाओं ने हुनर का जोश को हाई रखा। ट्रिपलआइटीडीएम में रविवार को टेक्निकल फेस्ट अभिकल्पन का समापन हुआ। विभिन्न वर्कशॉप्स, प्रतियोगिताओं और गतिविधियों ने प्रतिभागियों को कौशल निखारने और तकनीकी दुनिया के नए पहलुओं से रूबरू होने का अवसर प्रदान किया।

रोबो वॉर में टशन– समारोह में हुए रोबो रेसलिंग कॉम्पीटिशन में प्रतिभागियों के बीच टशन नजर आया। रोबोट को जिताने के लिए प्रतिभागियों ने कमाल की कंट्रोलिंग की। कॉम्पीटिशन के लिए स्टूडेंट्स ने खुद ही डिजाइन किए गए रोबोट्स को अन्य दूसरे रोबोट्स से फाइट करवाई।

ड्रोन वर्कशॉप में ऊंची उड़ान– ड्रोन वर्कशॉप में प्रतिभागियों ने ड्रोन निर्माण, उड़ान तकनीक और उसके विविध उपयोगों से जुड़ा व्यावहारिक ज्ञान अर्जित किया। इसी क्रम में इंजीनियरिंग सिमुलेशन सॉफ्टवेयर एनसायस का उपयोग कर प्रतिभागियों ने विश्लेषणात्मक डिजाइन और प्रदर्शन जांच करने के गुर सीखे।

कोड एरेना में दिखा हुनर– कोड एरेना कॉम्पीटिशन में प्रतिभागियों ने प्रोग्रामिंग में दक्षता दिखाई। एकेलॉन फाइनल टूर्नामेंट में मल्टीप्लेयर गेम वेलोरेंट पर आधारित इवेंट का फाइनल मुकाबला रोमांचक रहा। **ईवी डिजाइन पर डिस्कशन–** कार्यक्रम में ईवी वर्कशॉप के दौरान प्रतिभागियों को एक्सपर्ट्स ने इलेक्ट्रानिक वीकल की डिजाइन, बैटरी मैनेजमेंट और टिकाऊ परिवहन मैनेजमेंट को बेहतर बनाने की जानकारी दी। वक्ताओं ने कहा कि एडवांस टेक्नोलॉजी का उपयोग कर इलेक्ट्रॉनिक वाहनों की गुणवत्ता को लगातार बढ़ाया जा सकता है।

कृतियों का हुआ विमोचन, मिला सम्मान

जबलपुर, देशबन्धु। हिंदी लेखिका संघ के तत्वावधान में रानी दुर्गावती कलावीथिका में वार्षिकोत्सव मनाया गया। आयोजन में कई साहित्यकारों की कृतियों का विमोचन और समाज सेवी संस्थानों का सम्मान किया गया। आयोजन में एक पहल संस्था को अध्यक्ष डॉ. कामना कौस्तुभ, अर्चना गोस्वामी, सीमा बादल एवं वरिष्ठजनों द्वारा सम्मानित किया गया। इस मौके पर श्वेता गोंटिया, प्रज्ञा दुबे, नीतू बुधोलिया, मनीषा पराशर, नीति दीक्षित, रत्ना राजपूत, अंकिता तिवारी, वंदना कटारे, शेफाली सोनी, ललिता शाक्य, रीना दीक्षित मौजूद रहीं।

गर्मी में पानी पीने हेतु बनवाई गईं नांद

जबलपुर, देशबन्धु। प्रभु श्री हनुमान जी के प्राकटोत्सव के पावन पर्व पर कैंट विधायक अशोक रोहाणी के द्वारा स्ट्रीट एनिमल लवर ग्रुप के द्वारा शहर की सड़को पर रहने वाले मूक जानवरों के लिए इस भीषण गर्मी में पानी पीने हेतु बनवाई गईं नांद को रखवाने का शुभारम्भ किया गया और साथ ही सड़क के जानवरो की सुरक्षा के लिए सेफ्टी कॉलर बेल्ट ड्राइव भी शुरू की गईं और इस कार्यक्रम में डॉ. जय रोहाणी, ग्रुप की अध्यक्ष स्नेहा ज्योति सिंह, सुरेश पैशवानी,आशीष राव,सुंदर अग्रवाल ,संजय जैन,राकेश प्यासी,आशीष काटकर,विमल गोलछा,जातींन पेशवानी एवं बड़ी संजय में सदस्य उपस्थित रहे।

निधन

ईश्वर अल्लाह तेरो नाम सबको सद्गति दे भगवान

श्री भूपेंद्र सभरवाल– प्रेमनगर मदनमहल निवासी श्री भूपेंद्र सभरवाल (46) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्री आजाद सिंह ठाकुर– नयागांव रामपुर निवासी श्री मदन सिंह ठाकुर के पुत्र श्री आजाद सिंह ठाकुर (23) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री शैलेंद्र कुमार कश्यप– फूटाताल दुर्गा चौक निवासी श्री बिहारी लाल कश्यप के पुत्र श्री शैलेंद्र कुमार कश्यप (37) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर में किया गया।

श्री मोहन बेन– बगीचा नं. 66 सदर निवासी श्री रघुनाथ बेन के पुत्र श्री मोहन बेन (49) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाटमें संपन्न हुआ।

श्रीमती किरन रैकवार– द्वारका नगर लालमाटी निवासी श्री अरूण रैकवार की धर्मपत्नी श्रीमती किरन रैकवार (45) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती पुष्पलता डंगारे– एलआईजी 61, न्यू पीपी कॉलोनी निवासी श्री रामकृष्ण डंगारे की धर्मपत्नी श्रीमती पुष्पलता डंगारे (72) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री धनीराम रजक– गलगला निवासी श्री धनीराम रजक (55) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री पवन कुमार राठौर– शांति नगर गली नं. 5 निवासी श्री पवन कुमार राठौर (67) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती कुमरिया चौधरी– गली नं. 3 पोलीपाथर पंप हाउस नं. 2 निवासी श्री मंगल चौधरी की धर्मपत्नी श्रीमती कुमरिया चौधरी (85) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती राजकुमारी छनिया– दरहाई सुनरहाई निवासी श्री विजय कुमार छनिया की धर्मपत्नी श्रीमती राजकुमारी छनिया का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती लक्ष्मी बाई– पचपेढ़ी डुमना रोड निवासी श्री आजाद प्रसाद की धर्मपत्नी श्रीमती लक्ष्मी बाई (55) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री विश्वनाथ त्रिपाठी– चांदमारी लालमाटी निवासी श्री विश्वनाथ त्रिपाठी (90) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया

श्री सोमेन कुमार बैनर्जी– जयप्रकाश नगर अधारताल निवासी श्री सोमेन कुमार बैनर्जी (54) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

इसलिए पुलिस से दो कदम आगे साइबर अपराधी

मोबाइल सेवा प्रदाता कंपनियों और बैंक प्रबंधन से गठजोड़ के लग रहे आरोप

जबलपुर,देशबन्धु। अक्सर ये देखने में आ रहा हैं कि साइबर अपराध करने वाले आरोपियों पर पुलिस चाहते हुए भी शिकंजा नहीं कस पा रही हैं और साइबर ठग लगातार एक के बाद एक वारदातों को अंजाम देते जा रहे हैं। साइबर ठगों के दुस्साहस का आलम ये हैं कि पहले जो साइबर अपराधी किसी एक व्यक्ति के साथ ठगी के बाद सिम नष्ट कर देते थे वहीं वर्तमान में स्थिति ये हैं कि एक अपराध करने के बाद आरोपी न सिर्फ उसी सिम को चालू रख रहे हैं बल्कि उससे अन्य ठगी की वारदातों को अंजाम भी दे रहे हैं। मोबाइल ट्रैकिंग और कथित तौर पर साइबर ठगी रोकने आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित होने के बावजूद पुलिस इन साइबर ठगों पर शिकंजा कसने में कामयाब नहीं हो पा रही हैं। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार कुछ मोबाइल सेवा प्रदाता कंपनियों के मुलाजिमों के साथ कुछ बैंकों के मुलाजिमों से मिलीभगत के चलते साइबर ठग हमेशा पुलिस से दो कदम आगे रहते हैं। वर्तमान में लगातार सामने आ रही घटनाएं और उसके अनुपात में साइबर ठगो का न पकड़े जाना इस बात की बानगी दे रहा हैं।

इसलिए करना पड़ रहा चुनौतियों का सामना

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार साइबर ठगों को पकडऩे में पुलिस को कई

चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। इनके कुछ मुख्य कारणों में सबसे बड़ा कारण साइबर ठगों का शातिर अपराधी होना बताया जा रहा हैं। बताया जा रहा हैं कि साइबर अपराधी बैंक अधिकारियों और मोबाइल सेवा प्रदाता कंपनियों के कर्मचारियों के साथ गठजोड़ कर लेते हैं, जिससे वे पुलिस से दो कदम आगे रहते हैं। इससे पुलिस को समय से सूचना मिलने के बावजूद अपराधियों तक पहुंचने में कठिनाई होती है।

फर्जी पहचान डाल देती हैं पर्दा

विवेचना अधिकारियों के अनुसार साइबर अपराधी अपनी पहचान छिपाने के लिए फर्जी दस्तावेजों और खातों का उपयोग करते हैं। अधिकांश दस्तावेज ऐसे लोगों के प्रयोग किए जाते हैं जिनकी मृत्यु हो चुकी हैं। ऐसे में पुलिस जब जांच करती है, तो उन्हें पता चलता है कि खाताधारकों की जानकारी फर्जी है।

साइबर ठग डार्क वेब का कर रहे उपयोग

विशेषज्ञों से मिली जानकारी के अनुसार साइबर अपराधी विभिन्न अपराधों को अंजाम देने के लिए डार्कवेब का उपयोग करके अपनी गतिविधियों को छिपाते हैं। डार्क वेब इंटरनेट का एक एनक्रिप्टेड हिस्सा है, जिसे ट्रैक करना मुश्किल ही नहीं लगभग नामुमकिन होता है।

पुलिस की अपर्याप्त तैयारी

कई बार पुलिसकर्मियों को साइबर अपराधों की जांच के लिए आवश्यक प्रशिक्षण और ज्ञान नहीं होता है। इससे उन्हें अपराधियों को पकडऩे में कठिनाई होती है। अक्सर ऐसा भी हुआ हैं कि आरोपियों की लोकेशन ट्रेस होने के बावजूद जब पुलिस मौके पर पहुंची तो वहां कुछ भी नहीं मिला।

विशेषज्ञता की कमी

विशेषज्ञों की मानें तो साइबर अपराधों की जांच के लिए विशेषज्ञता और अद्यतित तकनीक की आवश्यकता होती है। पुलिस विभाग में इस तरह की विशेषज्ञता की कमी हो सकती है, जिससे अपराधियों को पकडऩा मुश्किल हो जाता है। इस तरह की चुनौतियों का सामना करने के लिए, पुलिस विभाग को विशेष प्रशिक्षण और संसाधनों की आवश्यकता होती है ताकि वे साइबर अपराधियों को प्रभावी ढंग से पकड़ सकें।

बढ़ते अपराध, नशे के अवैध करोबार का विरोध, चालानी कार्रवाई को बताया आर्थिक शोषण

बिगड़ती कानून व्यवस्था, कांग्रेस ने किया प्रदर्शन

जबलपुर,देशबन्धु। जबलपुर में बढ़ते अपराध, बिगड़ती कानून व्यवस्था, पुलिस द्वारा हो रही कथित आर्थिक शोषण वाली चालानी कार्यवाही एवं नशे के अवैध करोबार के खिलाफ पूर्व केबिनेट मंत्री, विधायक लखन घनघोरिया के नेतृत्व में दिनांक 13/04/2025 को दिन रविवार को शाम 4 बजे शीतलामाई मंदिर से प्रारंभ होकर हजारों कांग्रेस कार्यकर्श्रा ने घमापुर थाने का घेराव किया।

विधायक लखन घनघोरिया ने कहा कि वाहन चालान के नाम पर आम जनता का शोषण हो रहा है और पुलिस इसे अपनी सफलता मान रही हैं। चालानी कार्यवाही की आड़ में आम नागरिकों से जबरन वूसली की जा रही है। जिससे लोग मानसिक और आर्थिक रूप से परेशान हो रहे हैं। सड़क सुरक्षा की आड़ में अवैध वसूली को प्राथमिकता दी जा रही हैं। जबकि शहर में अपराध लूट, नशा व्यापार और असामाजिक गतिविधियाँ तेजी से बढ़ रही हैं। बिगड़ती कानून व्यवस्था के सुधार पर कोई ठोस कदम नहीं उठाया जा रहा हैं।

पुलिस बल को वसूली की बजाय जनहित में अपराध नियंत्रण हेतु उपयोग मे लाया जाए। थाना घमापुर के घेराव में

नगर कांग्रेस अध्यक्ष सौरभ नाटी शर्मा, दिनेश यादव, अमरीश मिश्रा, यश घनघोरिया, डॉ.रमाकात रावत, कल्लन गुप्ता, संजय अहिरवार, असित यादव रिंकू, अभिषेक चंदेल, आजम अली खान, पार्षद जितेन्द्र सिंह ठाकुर, संजय साहू, राकेश पांडे, प्रमोद पटेल, गुलाम हुसैन, याकूब अंसारी, रवि सैलानी, सागर शुक्ला, राज शुक्ला, उमेश लोधी, ताहिर अली, पवन मोगरें, ललित कोटवानी, शैंकी सोनकर, मुरलीधर राव, मुन्ना बेन, मुन्ना शुक्ला, धर्मेन्द्र पटारिया, मुन्ना पंडा, जीत जागड़े, दिलीप जाट, राहुल कुचबंधिया, ज्योति मेहतो, रीता झा, विजिता गावड़े, देवकी पटेल, आदि कांग्रेस कार्यकर्श्रा उपस्थित थें।

प्लॉट के लिए पिता से बेटों ने की मारपीट

जबलपुर,देशबन्धु। पाटन थानांतर्गत जमीनी विवाद के चलते एक पिता के साथ उसके दो बेटों ने मारपीट कर दी। पुलिस के अनुसार इस मामले में चौधरी मौहल्ला निवासी 45 वर्षीय नेबा चौधरी ने रिपोर्ट दर्ज कराई। पेशे से झाड़ू बनाकर बेचने के वाले श्री चौधरी बीती रात लगभग 8 बजे वे अपने घर पर थे। तभी उनका बड़ा लड़का राकेश एवं मंझला लड़का मनीष दोनों उससे प्लाट में हिस्सा हक मांगने लगे एवं प्लाट अपने नाम कराने को कहने लगे। श्री चौधरी के मना करने पर दोनों उनके साथ गाली गलौज करने लगे। उन्होंने गालियां देने से मना किया तो दोनों बेटों ने उनके साथ हाथ मुक्कों से मारपीट कर दी। यही नहीं बेटों ने मिलकर पिता को उठाकर पटक दिया। जिससे उनके हाथ, पसली में चोट आयी। मारपीट कर दोनों लड़के उन्हें जान से मारने की धमकी देते हुए चले गए।

मजाक करने से मना करने पर मारपीट

जबलपुर,देशबन्धु। तिलवारा थानांतर्गत त्रिपुरी चौक में हंसी मजाक करने से मना करने करने की बात एक युवक को इतनी नागवार गुजरी की उसने दूसरे अपने फुफेरे भाई के साथ मारपीट कर दी। इस मामले में कुम्हार मौहल्ला निवासी अजय चक्रवर्ती ने इस मामले में रिपोर्ट दर्ज कराई। पेशे से मुर्गा चिकिन की दुकान चलाने वाले अजय के साथ बीती रात करीब साढ़े 10 बजे अपने घर के बाहर टहल रहा था। टहलते हुए वह त्रिपुरी चौक गढ़ा में बुआ का लड़का करन चक्रवती शराब पीकर आया और अजय के साथ किसी बात पर हंसी-मजाक करने लगा। अजय ने उसे मजाक करने से मना किया तो करन उसके साथ गाली गलौज करने लगा। अजय ने उसे गालियां देने से मना किया तो डंडे से हमला कर हाथ में चोट पहुंचा दी और उसे धक्का देकर जान से मारने की धमकी देते हुये भाग गया।

कानून व्यवस्था में लगे अधीनस्थों को एसपी ने किया ब्रीफ

वक्फ संशोधन बिल के विरोध के चलते की तैयारी

जबलपुर,देशबन्धु। कानून व्यवस्था ड्यूटी में लगे अधिकारियों, कर्मचारियों को पुलिस अधीक्षक जबलपुर सम्पत उपाध्याय ने ड्यूटी के सम्बंध मे ब्रीफ किया। रविवार को वे थाना हनुमानताल क्षेत्र अंतर्गत मंडी मदार टेकरी जामा मस्जिद के सामने मैदान में मुफ्ती ए आजम मध्य प्रदेश मौलाना मुशाहिद रजा कादरी के नेतृत्व में आम सभा का आयोजन कर वक्फ संशोधन बिल 2025 का विरोध करते हुये राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौपा जाना प्रस्तावित था। जिसे दृष्टिगत रखते हुये रविवार दोपहर 12 बजे पुलिस अधीक्षक जबलपुर सम्पत उपाध्याय (भा.पु.से.) द्वारा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर आनंद कलादगी की उपस्थिति में पुलिस लाईन स्थित ग्राउंड में समस्त अधिकारी/कर्मचारियों को ड्यूटी के सम्बंध मे ब्रीफ किया गया। ब्रीफिंग में जिले में पदस्थ राजपत्रित अधिकारी के साथ साथ शहर एवं देहात के थाना प्रभारी हमराह बल के तथा

क्यूआरएफ, यातायात सहित पुलिस लाईन का लगभग 300 का बल मौजूद था।

संवेदनशील क्षेत्रों में चाक चौबंद व्यवस्थाओं के निर्देश

एसपी ने सभी को ब्रीफ करते हुये कहा कि कानून व्यवस्था को दृष्टिगत रखते हुये संवेदनशील क्षेत्र में चाक चौबंद व्यवस्था लगायी गयी है। इसके साथ ही वज्र वाहन, कमाण्ड कंट्रोल व्हीकल, सिटी सर्विलांस एवं वाटर केनन, ड्रोन, एनाउंसमेंट व्हीकल भी लगाये गये है। उन्होंने कहा कि सभी अपनी ड्यूटी स्थल पर सजग रहकर ड्यूटी करें सभी बलवा ड्रिल सामग्री के साथ रहेंगे। कार्यक्रम पश्चात जब तक पूरी भीड़ डिस्पर्स नहीं हो जाती अपने ड्यूटी स्थल को नही छोड़ें। छोटी से छोटी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी लगती है तो तत्काल वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराये। उन्होंने कहा कि ड्यूटी में किसी प्रकार की लापरवाही तथा सामुदायिक सौहार्द्र एंव कानून व्यवस्था बनाये रखने में किसी भी प्रकार की कोई चूक नहीं होनी चाहिये।

हनुमान जयंती का जुलूस एवं दरगाह जा रहे 4 श्रमिक सड़क हादसे में घायल

जबलपुर,देशबन्धु। कटंगी थानांतर्गत हजरत जिंदा वली शाह की दरगाह के सामने हुए हादसे में दरगाह और हनुमान जयंती के जुलूस देखने जा रहे चार श्रमिक घायल हो गए। पुलिस के अनुसार इस मामले में जिला दमोह मढिय़ादो निवासी 25 वर्षीय मोती लाल काछी ने रिपोर्ट दर्ज कराई।

पेशे से श्रमिक मोतीलाल ने बताया कि वह एवं उसका भाई बब्लू काछी एवं साथ में काम करने वाले मंगल अहिरवार, रूबीना बानो, आमिर खान, राजा खान के साथ गेंहू की कटाई करने दमोह से ग्राम पड़रिया आये थे। ग्राम पड़रिया से काम करने के बाद बब्लू काछी एवं मंगल अहिरवार हनुमान जयंती का कटंगी में जुलुस देखने के लिये कहने लगे, वहीं आमिर खान और रूबीना बानो दरगाह जाने के लिये बोले। सभी लोग पड़रिया से कटंगी पैदल जा रहे थे दरगाह हजरत जिंदा शाह वली मजार के सामने कटंगी पहुंचे ही थे कि गत दिवस शाम लगभग 7-30 बजे दमोह तरफ से आ रही पिकअप क्रमांक एमपी 20 जेड एफ 2465 के चालक ने तेज गति से लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुये मोतीलाल के भाई बब्लू काछी, मंगल अहिरवार, रूबीना बानो एवं आमिर को पीछे से टक्कर मार दी। जिससे चारों को हाथ पैर एवं शरीर में चोटें आईं हैं। चारों घायलों को उपचार हेतु राजा खान के साथ जबलपुर भिजवाया गया। रिपोर्ट पर धारा 281, 125 ए बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

भैंस के पैर के नीचे दबे वृद्ध की मौत

जबलपुर,देशबन्धु। पनागर थानांतर्गत परियट पनागर में घर की डेयरी में भैंस के कचरने से घायल 70 वर्षीय वृद्ध की उपचार के दौरान मौत हो गई। पुलिस के अनुसार रविवार को इसकी सूचना शासकीय अस्पताल पनागर से मिली। पुलिस को सूचना मिली की परियट पनागर निवासी 70 वर्षीय प्रकाश चंद तिवारी को घर की डेयरी में भैंस द्वारा कचरने से शरीर में गंभीर चोटें आने की वजह से गत दिवस रात करीब 11 बजे अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां परीक्षण के उपरांत चिकित्सक ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पंचनामा कार्रवाई के बाद शव को पीएम के लिए भेजते हुए पुलिस ने मर्ग कायम कर मामला विवेचना में लिया हैं।

किसान की पत्नी ने पिया जहर

जबलपुर,देशबन्धु। मझगवां थानांतर्गत ग्राम धनगवां निवासी एक विवाहित महिला ने जहर सेवन कर अपनी इहलीला समाप्त कर ली। घटना की जानकारी मिलने पर ग्राम धनगवाँ पहुंची पुलिस को मृतका के पति पेशे से किसान 48 वर्षीय राजभान गौतम ने घटना की जानकारी दी। राजभान ने पुलिस को बताया कि उसके दो बच्चे भी हैं।

राजभान ने बताया कि उसकी पत्नी संगीता का विवाह के पूर्व से ही मानसिक संतुलन ठीक नहीं था। ससुराल वालों एवं उसके द्वारा जबलपुर में संगीता का इलाज भी कराया जा रहा था। संगीता कभी-कभी घर से चली जाती थी तथा किसी के भी साथ मारपीट कर देती थी। गत दिवस दोपहर में जब राजभान सब्जी बेचने बघराजी बाजार गया था एवं उसका बेटा एवं बेटी माता पिता के साथ मोहल्ले में थे। राजभान रात में बाजार से लौट कर माता पिता के घर खाना खाने पहुंचा। वहां से वापस अपने घर आया तो देखा कि उसकी पत्नि संगीता आंगन मे चित्त हालत में मृत अवस्था में पड़ी थी। घर के अंदर सल्फास की 2 डिब्बी 1 खाली एवं 1 भरी मिली। उसकी पत्नी संगीता की सल्फास की गोली खा लेने से मृत्यु हो गई थी। सूचना पर पंचनामा कार्रवाई करते हुए शव को पीएम के लिए भिजवाते हुए पुलिस ने मर्ग कायम कर प्रकरण जांच में लिया।

पुरानी रंजिश पर हत्या का प्रयास

वारदात के चंद घंटों बाद आरोपी भाई गिरफ्तार

जबलपुर,देशबन्धु। संजीवनी नगर थानांतर्गत अंधमूक बाईपास पर बीती रात पुरानी रंजिश के चलते दो युवकों ने जानलेवा हमला कर दिया। हमला करने वाले भाईयों को पुलिस ने वारदात के चंद घंटो बाद धरदबोचा। पुलिस के अनुसार इस मामले में दुर्गा मंदिर के पास, बड़ा पत्थर तिलवारा निवासी पेशे से ड्राइवर 25 वर्षीय अनिकेत राव ने रिपोर्ट दर्ज कराई। अनिकेत ने पुलिस को बताया कि वह बीती रात करीब साढ़े 9 बजे अपने दोस्त राजा खान एवं अम्मू यादव के साथ अंधमूक बाईपास गया था।

इसी दौरान बड़ा मदार छल्ला स्लाटर हाउस निवासी आरोपी शफीक खान एवं सलीम खान वहां पहुंचे। दोनों आरोपियों को वह पहले से जानता है। दोनों आरोपी लाल रंग की एक्सिस में आये जिनका राजा खान से 2 वर्ष पहले बड़ा मदार छल्ला में मोटर सायकल खड़ी करने की बात पर से विवाद हुआ था। इसी बुराई पर दोनों आरोपी राजा खान को गाली गलौज करते हुये मारने दौड़े। शफीक हाथ में तलवार लिये था, अनिकेत एवं राजा खान तथा अम्मू यादव तीनों बचने के लिये भागे। अनिकेत दौड़ नहीं पाया तो आरोपी शफीक खान ने जान से मारने की नीयत से तलवार से उसके सिर पर मारा। तभी उसने हाथ से बचाव किया जिससे बायें हाथ की भुजा में चोट आयी वह वहीं गिर गया तो सलीम ने हाथ मुक्कों से मारपीट कर वायें पैर में चोट पहुँचा दी तथा भाग गये। रिपोर्ट पर धारा 296, 109, 3(5)बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

एसपी के निर्देश पर हुई कार्रवाई

पुलिस अधीक्षक जबलपुर सम्पत उपाध्याय द्वारा घटित हुई घटना को गम्भीरता से लेते हुये आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी हेतु आदेशित किये जाने पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जोन 2 समर वर्मा एवं नगर पुलिस अधीक्षक गोरखपुर एच.आर.पाण्डे के मार्गनिर्देशन में थाना प्रभारी संजीवनी नगर बी.डी. द्विवेदी के नेतृत्व में टीम गठित कर लगायी गयी। गठित टीम द्वारा सरगर्मी से तलाश करते हुये दोनों आरोपी सलीम अहमद उम्र 24 वर्ष एवं शफीक अहमद उम्र 27 वर्ष दोनों निवासी बड़ा मदार छल्ला हनुमानताल दोनों भाईयों को अभिरक्षा में लेते हुये आरोपी शफीक अहमद से घटना में प्रयुक्त तलवार जप्त करते हुये प्रकरण में दोनों आरोपियों की विधिवत गिरफ्तारी की जाकर प्रकरण विवेचना में लिया गया।

इनकी रही उल्लेखनीय भूमिका-प्राणघातक हमला करने वाले दोनों आरोपियों को चंद घंटो में पकडने में थाना प्रभारी संजीवनी नगर बी.डी. द्विवेदी के नेतृत्व में चौकी प्रभारी धनवंतरी नगर उप निरीक्षक दिनेश गौतम, सहायक उप निरीक्षक अनिल सिंह परिहार, आरक्षक मनोज मेश्राम की सराहनीय भूमिका रही।

मकान बनाने के विवाद पर माँ-बेटी से मारपीट

जबलपुर,देशबन्धु। कटंगी थानांतर्गत ग्राम पौनिया में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मकान बना रही महिला एवं उनकी बेटी के साथ का महिला के देवर, देवरानी और भतीजे ने डंडे से मारपीट कर सिर फोड़ दिया। रविवार सुबह हुई इस वारदात के बाद पीड़ित महिला की बेटी ग्राम भिलौदा निवासी 38 वर्षीय सरिता राजपूत ने रिपोर्ट दर्ज कराई। सरिता ने पुलिस को बताया कि उसका मायका ग्राम पौनिया में हैं।

जहां 11 अप्रैल को वह अपनी माँ सज्जन बाई के घर पहुंची आई थी। उसकी माँ सज्जन बाई का प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत नया मकान बन रहा है। रविवार सुबह करीब 11-30 बजे मकान की नींव बनाने के लिये अपनी सरहदी में वे चूना डाल रहे थे कि तभी पड़ोस में रहने वाले उसके चाचा आरोपी छुट्टन राजपूत डंडा लेकर आये और मां सज्जन बाई के साथ गाली गलौज करने लगे। आरोपी छुट्टन ने सज्जन बाई से कहा कि उनका मकान यहां से नहीं बनेगा। यह कहकर छुट्टन ने सज्जन बाई के सिर और पीठ पर डंडे से हमला कर चोट पहुंचा दी। जिससे सरिता की मां सज्जन बाई गिर पड़ी। तभी सरिता का चचेरा भाई आदर्श राजपूत भी डंडा लेकर आया और गाली गलौज करते हुये सरिता की माँ के पीठ, कमर में चोट पहुँचा दी।

चाची सविता राजपूत ने भी गाली गलौज की तो सरिता परछी से बाहर आकर बीचबचाव करने लगी। तभी आरोपी आदर्श राजपूत ने डंडे से हमला कर सरिता के सिर में भी चोट पहुँचा दी। चाची सवित ने सरिता के बाल पकड़कर झूमाझपटी की तथा तीनों जान से मारने की धमकी देकर चले गए। रिपोर्ट पर धारा 296, 115(2)118(2), 351(2), 3(5) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

शराब दुकान कर्मी के साथ मारपीट

जबलपुर,देशबन्धु। शराब पकड़वाने के विवाद पर तीन बदमाशों ने एक शराब दुकान के कर्मचारी के साथ मारपीट कर दी।

इस मामले में कुंडम थानांतर्गत ग्राम पौड़ी पौड़ा निवासी 23 वर्षीय विकास पटैल ने रिपोर्ट दर्ज कराई। पेशे से बघराजी बस स्टैंड में शराब दुकान के कर्मचारी विकास ने पुलिस को बताया कि बीती रात करीब 8 बजे वहे अपने साथी सचिन असाटी, हरीश परमार के साथ शराब दुकान का नया ठेका होने पर ग्राम जमुनिया नारायणपुर, लहसर एवं पटना कला होते हुये पिपरिया खेरमाई मंदिर के पास चाय के टपरे पर पहुंचा।

तीनों रात करीब साढ़े 11 बजे जैसे ही टपरे पर पहुंचे वहां आरोपी प्रमोद पटैल, बृंदा पटेल, आशीष पटेल मिले एवं रोड में आकर रोके। तीनों ने विकास से कहा कि उसने, उसके भाई की शराब पकड़वाई है। यह बात कहते हुए तीनों आरोपियों ने विकास के साथ गाली गलौज करते हुये हाथ मुक्कों एवं डंडे से मारपीट कर दी। जिससे विकास के बायें पैर, हाथ सिर सीना पेट में चोट आ गयी है। मारपीट कर तीनों जान से मारने की धमकी दिये। रिपोर्ट पर धारा 126(2), 296, 115, 351(2), 3(5) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

प्रताड़ना का प्रकरण वापस लेने धमका रहा था पति

जबलपुर,देशबन्धु। मदन महल थानांतर्गत एक प्रताड़ना का केस वापस लेने के लिए पत्नी को धमकाने के आरोप में पुलिस ने आरोपी पति के विरूद्ध प्रकरण दर्ज किया।

इस मामले में साउथ सिविल लाइंस स्थित आशीष अपार्टमेंट निवासी 30 वर्षीय अतिशाम खान ने रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस के अनुसार अतिशाम ने थाने में रविवार को लिखित शिकायत दी। शिकायत में अतिशाम ने बताया कि उसकी शादी वर्ष 2021 में पोलीपाथर ग्वारीघाट निवासी अनीश अहमद खान से मुस्लिम रीति रिवाज से हुई थी। अतिशाम ने बताया कि शादी के बाद से ही पति अनीश उसके साथ मारपीट कर प्रताड़ित करने लगा। जिसकी रिपोर्ट उसने 29 जून 2024 को थाना हडपसर जिला पुणे (शहर) में की थी। जिसका प्रकरण पुणे न्यायालय में चल रहा है। उसका पति उसे लगातार प्रताड़ित कर फोन से केस वापस लेने की धमकी दे रहा हैं। केस वापस नहीं लेने पर जान से मारने की धमकी देता है। पति अनीश ने कई बार अतिशाम के सिविल लाईन स्थित घर पहुंच कर प्रकरण वापस लेने की बात को लेकर जान से मारने की धमकी देकर गाली गलौज भी की। अतिशाम को जानकारी लगी कि उसके पति अनीश अहमद खान ने अपनी पूर्व महिला दोस्त निवासी रजा चौक से निकाह (शादी) कर ली है। लिखित शिकायत पर आरोपी अनीश अहमद खान धारा 232, 296, 351(3) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

गुरुजी स्कूल के द्वार पर लटका ताला!

चार मार्च से बंद है प्रेमटोला स्कूल, ज़िम्मेदारों ने साधी चुप्पी

पाटन, देशबन्धु। जिले के पाटन ब्लॉक के अंतर्गत आने वाले शासकीय प्राथमिक स्कूल प्रेमटोला जिसका डायस कोड 23390514402 जो कि ग्राम कटरा बेलखेड़ा के विद्युत पावर हाउस के पास संचालित होता है। इस विद्यालय में कक्षा पहली से पांचवीं तक के लगभग 13 विद्यार्थी ही स्कूल में अध्यांतर हैं। इन बच्चों को पढ़ाने एक शिक्षक इस विद्यालय में पदस्थ हैं।

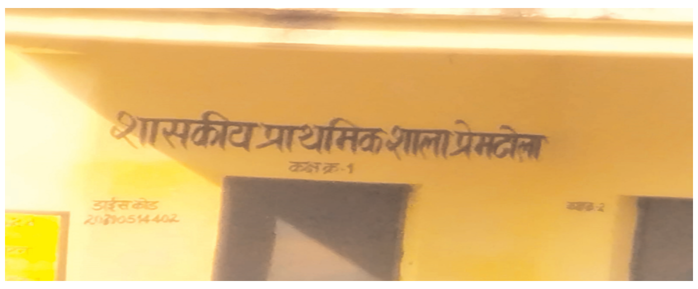

प्राप्त जानकारी के अनुसार प्राथमिक स्कूल प्रेमटोला के शिक्षक उमेश तिवारी का घर और स्कूल की दूरी महज 300 मीटर है और शिक्षक राजनीति का भी शौक पाले हैं, जिसकी वजह से आए दिन नेताओं के साथ उठना बैठना और पार्टी के कार्यक्रम में नेताओं के साथ आना जाना लगा रहता है, जिस वजह से शिक्षक स्कूल पर ध्यान नहीं देते हैं। और गांव वाले भी स्कूल के संबंध में कुछ भी कहने सुनने से बचते हैं। इनकी मेहरबानियों के चलते स्कूल की संख्या दिनों दिन घटती जा रही है। वर्तमान में लगभग 13 विद्यार्थियों के नाम इस शाला रिकॉर्ड में दर्ज है।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार प्राथमिक विद्यालय के शिक्षक चार मार्च से स्कूल से नदारद हैं। ग्रामीणों ने बताया कि कक्षा 5वीं का अंतिम पेपर चार मार्च को था, उसके बाद से स्कूल में ताला लटका है जो आज दिनांक तक नहीं खुला है। गैर जिम्मेदार शिक्षक के द्वारा बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है।

जबकि जिला कलेक्टर दीपक सक्सेना के आदेश अनुसार जिले के शहर एवं ग्रामीण इलाकों के स्कूल वर्तमान स्थिति को देखते हुए शाला साढ़े 7 बजे खोलना है और 12 बजे तक शाला को बंद करना है। विडंबना देखिए शिक्षक ने भीषण गर्मी को देखते हुए शासकीय प्राथमिक शाला में ताला जड़ दिया। स्कूल में अध्ययन करने वाले नौनिहाल जब भी गुरुजी के घर शाला कब खुलेगी पूछने जाते हैं तो गुरुजी के परिजन बच्चों को डाटकर भगा देते हैं। अब देखना होगा कुंभकरणीय निद्रा में सोए जिला शिक्षा अधिकारी की आंख इस मामले में कब तक खुलती है और लापरवाह शिक्षक पर क्या कार्यवाही होती है।

इनका कहना

जब इस संबंध में खंड शिक्षा अधिकारी बीईओ गौतम बर्वे से बात की गई तो उन्होंने बताया कि प्रेमटोला में एक शिक्षक उमेश तिवारी पदस्थ हैं। विद्यालय क्यों बंद हैं मंगलवार को जानकारी लेकर आपको बताता हूं। विभागीय मीटिंग के चलते में अभी जबलपुर आया हूं।

बीईओ गौतम बर्वे, खंड शिक्षा अधिकारी, पाटन

बाघ का आतंक : दो दिन में दो हमले, महिला गंभीर घायल

उमरिया,देशबन्धु। जिले के विश्वविख्यात बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के धमोखर बफर परिक्षेत्र से सटे ग्राम सेमरिया के जंगल में रविवार सुबह एक महिला पर बाघ ने हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। 38 वर्षीय रीना बैगा जंगल में महुआ बीनने गई थी, तभी झाड़ियों में छिपे बाघ ने अचानक हमला कर दिया। महिला की चीख-पुकार सुनकर ग्रामीण मौके पर पहुंचे और वन विभाग को सूचना दी गई।

घटना की जानकारी मिलते ही पार्क प्रबंधन की टीम मौके पर पहुंची और घायल महिला को तत्काल जिला अस्पताल लाया गया। महिला की गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। पार्क

प्रबंधन ने घायल महिला के इलाज की पूरी जिम्मेदारी ली है। परिक्षेत्राधिकारी विजय शंकर श्रीवास्तव ने बताया कि यह वही बाघ हो सकता है जिसने शनिवार को ग्राम पिपरिया में 14 वर्षीय बालक विजय कोल पर हमला कर उसकी जान ले ली थी। दो दिनों में हुए इन दो हमलों ने क्षेत्र में दहशत का माहौल बना दिया है।

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के आसपास बाघ द्वारा हमला करने की यह तीसरी बड़ी घटना है। इससे पहले 2 अप्रैल को पनपथा बफर जोन में महुआ बीनने गई एक युवती पर बाघ ने हमला कर उसे मौत के घाट उतार दिया था। वहीं शनिवार को धमोखर क्षेत्र में 14 वर्षीय बालक बाघ के हमले का शिकार बन गया था। लगातार हो रही घटनाओं के चलते वन विभाग ने पिपरिया और सेमरिया के आसपास के जंगलों में विशेष गश्त शुरू कर दी है। परिक्षेत्राधिकारी श्रीवास्तव ने बताया कि एक प्रशिक्षित हाथी और सुरक्षा कर्मियों की टीम को तैनात कर बाघ को घने जंगलों की ओर खदेड़ने का प्रयास किया जा रहा है। साथ ही स्थानीय ग्रामीणों से अपील की गई है कि वे जंगलों में अकेले या समूह से अलग होकर न जाएं और वन विभाग की चेतावनियों का पालन करें।

सार-समाचार

कुड़ारी उमरिया में केक काटकर मनाई जाएगी अंबेडकर जयंती

बरेला, देशबन्धु। कुड़ारी उमरिया में प्रति वर्ष अनुसार इस वर्ष भी 14 अप्रैल को संविधान निर्माता डॉक्टर बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर की 134वीं जयंती केक काटकर उनका जन्मदिन मनाया जाएगा। ग्राम के परसादी लाल कुशवाहा, रूपलाल पटेल, रमेश विश्वकर्मा ,विवकेमेहरा, केशव कुशवाहा ने सभी लोगों से इस कार्यक्रम में पधार कर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है।

जल गंगा संवर्धन अभियान जल है तो कल है

शहपुरा, देशबन्धु। आज नौजवान एकता संगठन (नवांकुर संस्था-म.प्र.जन अभियान परिषद) द्वारा माँ नर्मदा तट गौबच्छा घाट (बिलखरवा) में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत् स्वच्छता अभियान ,श्रम दान ,जल संरक्षण चौपाल का आयोजन किया गया संस्था के अध्यक्ष तिलक सिंह ने बताया कि चौपाल के माध्यम से शहपुरा विकास समन्वयक सोनिया सिंह ने जल संरक्षण हेतु जन जागरूकता की बात कही। परामर्शदाता अभिनेष अटल ने जल बचाओ तो कल बचेगा को गीत के माध्यम से संदेश दिया। ग्राम विल्खरवा प्रस्फुटन समिति के अध्यक्ष राजेश खरे ने अपने ग्राम में जन जागरुकता अभियान चलने की बात रखी। इस कार्यक्रम में विशेष सहयोगी उपास्थित सीएमसीएलडीपी के छात्र एवं ग्रामवासी रहे।

शहपुरा में हनुमान जयंती पर निकाली शोभायात्रा

शहपुरा/भिटोनी, देशबन्धु। नगर के श्री हनुमान जन्मोत्सव के उपलक्ष्य मे विशाल शोभायात्रा हिन्दू युवा संगठन शहपुरा के रेलवे स्टेशन से हनुमान मंदिर से थाना परिसर ओर हनुमान मन्दिर मै शोभायात्रा आरती कार्यक्रम किया गया है। नगर मै शोभायात्रा में जुलूस के साथ पुलिस व्यवस्था को थाना प्रभारी जितेंद्र कुमार पाटकार एवं साथियोंकी सराहनीय सेवा रही ।

कुंडम में हनुमान जयंती पर विशाल वाहन रैली निकली

कुंडम, देशबन्धु। कुंडम में हनुमान जयंती पर विधायक संतोष बडकडे के नेतृत्व में विशाल वाहन रैली निकल गई है। उसे रैली में हजारों की संख्या में भक्त लोग हनुमान जी की जय जयकारा लगाते हुए जय जय श्री राम के नारा देते हुए पूरा नगर को जयकारों से गूंज उठा और तहसील तिराहा के पास फूल बरसाते स्वागत करते हुए युवा साथी बड़े महावीर हनुमान मंदिर में कुंडम के भक्ति जनों के द्वारा भंडारा प्रसाद और हवन और रामायण का कार्यक्रम आयोजित रहा एम पी बी विभाग अधिकारी प्रशांत सिंहा के द्वारा प्रसाद भंडारा और हवन पूजन रामायण का भी कार्यक्रम वहां पर चला तहसील तिराहे में वहां भी हनुमान जयंती का कार्यक्रम बड़े धूमधाम से मनाया गया इसके बाद तहसील प्रांगण में भी हनुमान जी की पूजा अर्चना के साथ वहां भी तहसीलदार और पटवारी के द्वारा कार्यक्रम को सुशोभित किया और निवास रोड तिराहा में बरगद के पेड़ के नीचे बैठे हनुमान जी के मंदिर में हनुमान जयंती में पूजा पाठ रामायण और भंडारा का कार्यक्रम मंडल के सदस्यों के द्वारा बैंड बाजों के साथ हनुमान जी की जय जयकार करते हुए वहां भी कार्यक्रम शोभा मान रहा और सभी हनुमान मंदिरों में भगवान हनुमान जी महाराज का जन्म उत्सव बड़े धूमधाम से मनाया गया हवन पूजन महा आरती कन्या भोज विशाल भंडारा का कार्यक्रम रखा गया जगह-जगह प्रसाद वितरण किया गया और भव्य शोभायात्रा निकली गई समस्त हनुमान भक्तों का सराहनी योगदान रहा विधायक संतोष बडकडे के नेतृत्व में पड़रिया से कुंडम तक विशाल वाहन रैली निकाली गई। कुंडेश्वर धाम में चालीसा एवं भंडारे का कार्यक्रम भी चला।

औषधि निर्माण प्रशिक्षण आयोजित

कुंडम, देशबन्धु। महा ग्रामसभा रोरिया के सहयोगी संगठन सरदार कुंदन सिंह ठाकुर परंमपरागत प्रशिक्षित वैद्य संघ के सदस्यों का औषधि निर्माण प्रशिक्षण में 16 ग्रामसभा के वैद्यों के कार्यक्रम की अध्यक्षता सिहोरा विधायक संतोष बरकडे एवं मुख्य आतिथ्य राजेश सिंह ठाकुर वन समिति अध्यक्ष जिला पंचायत जबलपुर के साथ महेंद्र सिंह बरकड़े जिला पंचायत सदस्य की उपस्थिति में संपन्न हुआ। इन ग्राम सभाओं के आधिपत्य में आने वाले जंगल से प्राप्त जड़ी बूटियां से बेगा आदिवासी समुदाय की स्थाई आजीविका कैसे सुनिश्चित की जाए इस विषय का भी संगठन प्रयास कर रहा है इसी के तहत आज का प्रशिक्षण जंगल से प्राप्त जड़ी बूटियां से औषधीय निर्माण की दो दवाओं के निर्माण की विस्तार से चर्चा कर बनाने का निर्णय लिया गया।

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गांधीग्राम में मां सरस्वती की प्रतिमा स्थापित

जिला शिक्षा अधिकारी घनश्याम सोनी, प्राचार्य डॉ. राकेश शर्मा ने पूजन किया

गांधीग्राम, देशबन्धु। पं. जगन्नाथ प्र. मिश्र शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गांधीग्राम में आज विद्या की देवी माँ सरस्वती की भव्य प्रतिमा स्थापित की गई। विद्वान पंडितों के सान्निध्य में वैदिक मंत्रोच्चारण और विधि-विधान के साथ प्रतिमा का पूजन किया गया। इस शुभ अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी घनश्याम सोनी ने विशेष रूप से उपस्थित होकर माँ सरस्वती की आराधना की।

विद्यालय के प्राचार्य डॉ राकेश शर्मा ने भी पूजन में सक्रिय रूप से भाग लिया और माँ सरस्वती से विद्यालय के विद्यार्थियों और शिक्षकों के उज्जवल भविष्य की कामना की।

पूजन कार्यक्रम सुबह निर्धारित समय पर शुरू हुआ। पंडितों ने माँ सरस्वती की महिमा का गुणगान करते हुए विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कराए। इस दौरान विद्यालय के शिक्षक और विद्यार्थी भी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे और भक्तिमय माहौल

में माँ सरस्वती का आशीर्वाद प्राप्त किया।

जिला शिक्षा अधिकारी घनश्याम सोनी ने इस अवसर पर कहा कि माँ सरस्वती विद्या और ज्ञान की देवी हैं और उनकी प्रतिमा की स्थापना से विद्यालय में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा।

उन्होंने विद्यार्थियों को मन लगाकर पढ़ाई करने और ज्ञान अर्जित करने के लिए प्रेरित किया। प्राचार्य डॉ राकेश शर्मा ने कहा कि विद्यालय परिवार माँ सरस्वती की प्रतिमा की स्थापना से अत्यंत प्रसन्न है। उन्होंने कहा कि यह प्रतिमा विद्यार्थियों को विद्यार्जन के लिए हमेशा प्रेरित करती रहेगी। उन्होंने इस कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग करने वाले सभी लोगों का आभार व्यक्त किया। पूजन कार्यक्रम के समापन के बाद प्रसाद वितरण किया गया। विद्यालय में माँ सरस्वती की प्रतिमा की स्थापना से विद्यार्थियों और शिक्षकों में उत्साह का माहौल है। सभी का मानना है कि माँ सरस्वती की कृपा से विद्यालय निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर रहेगा।

इस अवसर पर साला प्राचार्य डॉ राकेश शर्मा,जिला शिक्षा अधिकारी घनश्याम सोनी,अमरीश पांडे ,अरुण पाठक ,श्रीमती मंजुला शर्मा, अनिल शर्मा, पुष्पराज सिंह बघेल , भाजयुमो जिला अध्यक्ष राजमणि सिंह बघेल,अभिषेक कुररिया, सरपंच राधा विवेक चौरसिया, जनपद सदस्य अनीता राजेश त्रिपाठी, शिक्षक जे के उपाध्याय, सीमा उपाध्याय, राकेश चौरसिया, शिवदत्त मिश्रा, मनीष त्रिपाठी,उत्तम तिवारी सहित शाला परिवार एवं संकुल के शिक्षक उपस्थित रहे।

हनुमान जी के जन्मोत्सव पर समुदाय में एकता और सौहार्द की भावना का संचार

पनागर, देशबन्धु। हनुमान जन्मोत्सव के पावन पर्व पर विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल महाबली प्रखंड पनागर द्वारा शोभायात्रा और प्रसाद वितरण का आयोजन किया गया। यह आयोजन बस स्टैंड से शुरू हुआ, जिसमें अखाड़े और हनुमान जी महाराज की झांकी शामिल हुई।

कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रतिनिधि-उत्तम मिरी जी और दीपक तिवारी,विश्व हिंदू परिषद के पदाधिकारी-जिला सहमंत्री- कन्हैया रजक, सचिन पांडे और नितिन ठाकुर,जिला गौरक्षा प्रमुख संतोष पटेल बंटी,प्रखंड अध्यक्ष शिवदत्त व्यास, बजरंग दल के सदस्य आशीष कुशवाहा,ब्रजेश बर्मन,छुट्टू चौधरी के द्वारा शोभायात्रा में अखाड़े और हनुमान जी महाराज की झांकी आकर्षण का केंद्र रहीं।बिटिया निकिता केवट के द्वारा अखाड़ा प्रदर्शन की सराहना की गई। प्रसाद वितरण कार्यक्रम में सभी व्यापारियों ने सहयोग किया।आभार प्रदर्शन जिला सह मंत्री नितीन ठाकुर के द्वारा किया गया।

पोषण पखवाड़ा कार्यक्रम में महिलाओं और बच्चों ने सीखा स्वास्थ्य और पोषण का महत्व

पनागर, देशबन्धु। महिला बाल विकास परियोजना अधिकारी श्रीमती आराधना गर्ग और सुपरवाइजर के मार्गदर्शन में चोखण पखवाड़ा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में महिलाओं और बच्चों को स्वास्थ्य और पोषण संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई। महिलाओं और बच्चों को स्वास्थ्य और पोषण के महत्व के बारे में बताया गया।बच्चों के वजन और स्वास्थ्य की जांच की गई और आवश्यक सलाह दी गई। कार्यक्रम में कार्यकर्ता चंदन केवट और सहायिका ममता चौरसिया उपस्थित थीं।कार्यक्रम का उद्देश्य के बारे में जानकारी दे गई महिला बाल विकास परियोजना अधिकारी श्रीमती आराधना गर्ग ने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं और बच्चों को स्वास्थ्य और पोषण के प्रति जागरूक करना है, ताकि वे स्वस्थ जीवन जीने के लिए आवश्यक जानकारी प्राप्त कर सकें।आने वाले समय में भी इस तरह के कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक लोगों को स्वास्थ्य और पोषण के प्रति जागरूक किया जा सके और भविष्य के जानकारी दे गई।

पुरानी एनएच-7 की पूरी सड़क पर गिट्टी बिछी, वाहन चालक और राहगीर परेशान

गांधीग्राम, देशबन्धु। पुरानी राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 7 के हाइवे तिराहे से गांधीग्राम बायपास तक लगभग दो किलोमीटर के हिस्से में सड़क चौड़ीकरण का कार्य चल रहा है। इस निर्माण कार्य के दौरान पूरे सड़क मार्ग पर गिट्टी बिछा दी गई है, जिससे आम राहगीरों, स्कूल-कॉलेज के छात्रों और दुपहिया वाहन चालकों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है।

गिट्टी बिछाए जाने के कारण सड़क पर चलना मुश्किल हो गया है। दुपहिया वाहन फिसलने का खतरा बना हुआ है, जिससे दुर्घटनाएं होने की आशंका बढ़ गई है। पैदल चलने वाले लोगों को भी धूल और पत्थरों के कारण परेशानी हो रही है। छात्रों को स्कूल और कॉलेज आने-जाने में दिक्कतें आ रही हैं, वहीं यात्री वाहनों को भी धीमी गति से चलना पड़ रहा है, जिससे समय और ईंधन दोनों की बर्बादी हो रही है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि निर्माण कार्य आवश्यक है, लेकिन इस तरह से पूरी सड़क पर एक साथ गिट्टी बिछा देने से उनकी रोजमर्रा की जिंदगी बुरी तरह प्रभावित हो रही है। उनका यह भी कहना है कि निर्माण एजेंसी को चरणबद्ध तरीके से काम करना चाहिए था, ताकि लोगों को इतनी परेशानी न हो। राहगीरों और स्थानीय निवासियों ने प्रशासन से इस मामले में हस्तक्षेप करने और निर्माण एजेंसी को जल्द से जल्द सड़क का यह हिस्सा ठीक करने के निर्देश देने की अपील की है, ताकि उनकी परेशानियां कम हो सकें।

गिट्टी के कारण ऑटो नहीं चल रहे

पूरी सड़क पर गिट्टी की मोटी परत बिछी होने की वजह से ऑटो चालकों को परेशानी हो रही है जिससे ऑटो चालक वर्तमान में ऑटो नहीं चला रहे हैं जिसके कारण लोगों को हाईवे सड़क मार्ग पर उतरकर 1 से 2 किलोमीटर पैदल चलना पड़ रहा है लोगों का कहना है कि रात्रि के समय महिलाओं को अधिक परेशानी होती है, वही बुद्धिजीवी वर्ग का कहना है कि पहले सड़क का एक हिस्सा बनाना चाहिए था इसके पश्चात दूसरे हिस्से को बनाना था पूरे मार्ग पर गिट्टी बिछी होने से लोगों को आवागमन संबंधित समस्याएं हो रही है एम्बुलेंस सेवा भी उपलब्ध नहीं हो पा रहे हैं मरीजों की गर्मी में समस्या उत्पन्न हो गई।

ग्राम चौपाल में सांसद ने सुनी ग्रामीणों की समस्याएं, किया संवाद

अग्नि हादसे के पीड़ित किसानों से भी की मुलाकात

गोसलपुर, देशबन्धु। सिहोरा विधानसभा के अंतर्गत गोसलपुर के निकटवर्ती ग्राम जुझारी में प्राचीन बावली के पास स्थित बरगद के पेड़ के नीचे जबलपुर लोकसभा क्षेत्र के सांसद आशीष दुबे ने ग्राम चौपाल लगाकर लोगों से जन संवाद किया एवं उनकी

जन समस्याओं को सुना ग्राम चौपाल को संबोधित करते हुए सांसद श्री दुबे ने कहां की भारतीय जनता पार्टी की केंद्र और प्रदेश में बैठी भाजपा की सरकार आम जनमानस के लिए अनेक महत्वाकांक्षी योजना संचालित कर रही है जिसका लाभ भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता गांव गांव घर-घर आम जनमानस तक पहुंचाने का कार्य करते हैं।

इस मौके पर सिहोरा विधायक संतोष बरखडे ने भी उपस्थित जन समूह को संबोधित किया ग्राम चौपाल में पूर्व विधायक दिलीप दुबे जिला महामंत्री राजेश दाहिया अनुपम सराफ राजा मोर पुष्पराज सिंह बघेल राजमणि सिंह बघेल मंडल अध्यक्ष अनंत नौगरिया अंकित तिवारी हेमचंद असाटी धर्मेंद्र सिंह राजपूत के.के.दुबे अनिल चौधरी दीपक पटेल आकाश जैन नीलू बाजपेई नीरज पांडेय राजा सोनी अरुण पटैल रणवीर सिंह मुस्की पटैल राजू सेठ राजा दुबे राहुल तंतुवाय सहित अनेक लोग मौजूद थे।

पीड़ित किसानों से की मुलाकात गोसलपुर के समीपी ग्राम बंधा एवं मोहतरा ग्राम में विगत सप्ताह गेहूं की लगी खड़ी फसल पर आग लगने से सैकड़ो किसानो की गेहूं की फसल जलकर राख हो गई थी अग्नि हादसे के बाद सांसद आशीष दुबे बंधा गांव भी पहुंचे जहां उन्होंने पंचायत भवन में बैठकर किसानों से चर्चा की एवं शासन द्वारा अधिक से अधिक मुआवजा राशि शीघ्रता से दिलाने के निर्देश एसडीएम को दिए इस मौके पर पीडित किसान बडी संख्या मे मौजूद थे।

संतृप्त परिवार में पहुंचे जबलपुर सांसद आशीष दुबे कछपुरा निवासी भाजपा के नेता मनीष पटेल के पिता के निधन के पश्चात शोक संतृप्त परिवार में बैठकर शोक संवेदना व्यक्त की।

ब्राह्मण एकता संगठन ने भगवान परशुराम जयंती की तैयारियों के लिए की बैठक

पनागर, देशबन्धु। पनागर में भगवान परशुराम जयंती की तैयारियों को लेकर बैठक संपन्न हुई।

ब्राह्मण एकता संगठन पनागर द्वारा आयोजित इस बैठक में भगवान परशुराम जी मंदिर प्रांगण बम्हनौदा रोड में जयंती की तैयारियों पर चर्चा हुई। मंगलाचरण और वेदी पूजन 30 अप्रैल को किया जाएगा। पूजन कार्यक्रम 1 और 2 मई को चलेगा। प्राण प्रतिष्ठा और प्रसाद वितरण 3 मई को होगा। भगवान परशुराम के कार्यक्रम में सुरेश मिश्रा, रविशंकर अवस्थी,धर्मेश उपाध्याय,देवेंद्र उपाध्याय, उमेश मिश्रा,कृष्णकुमार तिवारी,नितिन गौतम,एड शैलेश तिवारी,रितुराज तिवारी,संदीप शर्मा इन लोगों ने कार्यक्रम को भव्य बनाने के लिए अपने सुझाव दिए। भगवान परशुराम जयंती को अक्षय तृतीया के रूप में भी मनाया जाता है।

इजरायली सेना ने किया रफाह का घेराव, गाजा में मोराग कॉरिडोर से आतंकियों पर कसा शिकंजा

यरुशलम, (आईएएनएस)। इजरायली सुरक्षा बल (आईडीएफ) ने शनिवार को अपने एक बयान में कहा कि उसने दक्षिणी गाजा पट्टी के शहर रफाह का घेराव कर लिया है। इस बयान के मुताबिक, आईडीएफ के बख्तरबंद डिवीजन ने मोराग कॉरिडोर की स्थापना पूरी करके घेराबंदी की। यह मार्ग दक्षिणी गाजा में राफा और खान यूनिस को अलग करने के लिए बनाया गया था। इसमें कहा गया कि पिछले डेढ़ सप्ताह में इस ऑपरेशन के दौरान आईडीएफ के सैनिकों ने दर्जनों आतंकियों को मार गिराया और भूमिगत सुरंगों सहित कई सैन्य ढांचों को नष्ट कर दिया। आईडीएफ ने अपने बयान में कहा कि वह मोराग कॉरिडोर पर परिचालन नियंत्रण बढ़ाएगा तथा क्षेत्र में आतंकवाद-रोधी अभियान चलाएगा। बाद में शनिवार को आईडीएफ ने यह भी कहा कि उनकी वायुसेना ने गाजा से दक्षिणी इजरायल की ओर दागे गए तीन राकेटों को भी रोक दिया। गाजा की ओर रॉकेट दागे जाने के तुरंत बाद इजरायल में सीमा से लगे सायरन बजने लगे। हमले में किसी को नुकसान पहुंचने की खबर नहीं है। शुक्रवार को, आईडीएफ ने पूर्वी गाजा शहर के कई इलाकों के लोगों के लिए तत्काल वह जगह खाली करने का आदेश जारी किया, क्योंकि क्षेत्र में सैन्य अभियान तेज हो गया है।

यूक्रेन के टुकड़े-टुकड़े वाला बयान देने वाले अमेरिकी राजदूत के बयान से हड़कंप, अब आया ट्रंप का जवाब

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ की एक सलाह पर दुनिया भर में हड़कंप मचा हुआ है। विभिन्न मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, विटकॉफ ने यह बयान देकर हड़कंप मचा दिया है कि अगर अमेरिका यूक्रेन के बंटवारे वाली रूसी शर्त को मान लेता है तो युद्धविराम संभव है। हालांकि उनके इस बयान पर ट्रंप प्रशासन में ही मतभेद हैं। इस पूरे मामले में अब डोनाल्ड ट्रंप का भी जवाब आ गया है। ट्रंप ने कहा कि युद्ध समाप्ति के लिए बातचीत शायद ठीक दिशा में जा रही है।

एयर फोर्स वन में पत्रकारों से बातचीत करते हुए ट्रंप ने कहा कि युद्ध समाप्ति के लिए बातचीत शायद ठीक दिशा में जा रही है, लेकिन ऐसा समय भी आता है जब आपको कुछ कर दिखाना होता है या फिर चुप हो जाना होता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, हाल ही में ट्रंप के साथ हुई एक अहम बैठक में अमेरिका के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ ने उन्हें सुझाव दिया कि युद्धविराम का सबसे तेज़ तरीका यह हो सकता है कि अमेरिका रूस की उस रणनीति का समर्थन करे, जिसके तहत वह यूक्रेन के पूर्वी हिस्से के चार क्षेत्रों पर नियंत्रण चाहता है, जिनका रूस ने 2022 में अवैध रूप से विलय करने की कोशिश की थी।

रूसी दावे को लेकर रणनीति पर चर्चा– रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, इस बैठक में यह चर्चा भी हुई कि इन चार क्षेत्रों को लेकर यदि कोई समझौता होता है तो यह युद्धविराम की दिशा में एक बड़ी पहल साबित हो सकती है। हालांकि इस रणनीति को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गंभीर सवाल उठ सकते हैं, क्योंकि ये क्षेत्र रूस ने अंतरराष्ट्रीय नियमों को दरकिनार करते हुए कब्जा करने की कोशिश की थी।

विटकॉफ का क्या सुझाव है– विटकॉफ ने सुझाव दिया है कि यूक्रेन में युद्धविराम को तेजी से लागू करने का सबसे प्रभावी तरीका यह हो सकता है कि अमेरिका रूस को यूक्रेन के चार पूर्वी क्षेत्रों पर अधिकार देने की रणनीति का समर्थन करे। हालांकि रिपोर्ट में विशिष्ट रूप से उन तीन या चार क्षेत्रों के नाम का ज़िक्र नहीं किया गया है, लेकिन माना जा रहा है कि ये वे ही क्षेत्र हैं जिन्हें रूस ने 2022 में अवैध रूप से कब्ज़ाने की कोशिश की थी। ये क्षेत्र डोनेत्स्क,लुहान्स्क, ज़ापोरिज़िया और खेरसॉन हैं।

विटकॉफ का सुझाव था कि इन क्षेत्रों पर रूस की दावेदारी को मान्यता देना एक तेज समाधान हो सकता है जिससे युद्धविराम की ओर बढ़ा जा सके। लेकिन यह सुझाव काफी विवादास्पद है क्योंकि इससे यूक्रेन की क्षेत्रीय अखंडता पर सीधा आघात होता है और अंतरराष्ट्रीय नियमों का उल्लंघन माना जाएगा।

बांग्लादेशः ढाका में गाजा मार्च, हजारों लोगों ने इजरायल और अमेरिका के खिलाफ किया प्रदर्शन

ढाका, (आईएएनएस)। बांग्लादेश की राजधानी ढाका में शनिवार को हजारों लोग 'गाजा के लिए मार्च' नाम से एक बड़े प्रदर्शन में शामिल हुए। इस रैली में लोगों ने फिलिस्तीन के समर्थन में नारे लगाए और इजरायल के साथ-साथ अमेरिका की निंदा की। प्रदर्शनकारियों ने फ्री फिलिस्तीन, इजरायली हमले बंद करो, इजरायली उत्पादों का बहिष्कार करो, अमेरिका और डोनाल्ड ट्रंप का बहिष्कार करो जैसे नारे लगाए। स्थानीय मीडिया की रिपोर्टों के मुताबिक, कई प्रदर्शनकारियों ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की तस्वीरों को पीटा और उनके खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इस प्रदर्शन को बांग्लादेश की प्रमुख राजनीतिक पार्टियों जैसे बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी), जमात-ए-इस्लामी, नेशनल सिटीजन पार्टी (एनसीपी), हिफाजत-ए-इस्लाम बांग्लादेश और अमार बांग्लादेश पार्टी का समर्थन मिला। कई इस्लामी वक्ताओं ने भी इस रैली में भाग लिया और इजरायल के खिलाफ कड़े शब्दों में विरोध जताया। प्रदर्शनकारियों ने मुस्लिम देशों के नेताओं से अपील की कि वे इजरायल के साथ सभी तरह के समझौते और राजनयिक संबंध तुरंत खत्म करें। इसके साथ ही उन्होंने बांग्लादेशी पासपोर्ट में 'इजरायल को छोड़कर सभी देशों के लिए मान्य' वाला पुराना नियम फिर से लागू करने की मांग की। बांग्लादेश के लोकप्रिय अखबार 'प्रथम अलो' के अनुसार, शनिवार सुबह से ही लोग ढाका के अलग-अलग इलाकों से सुहरावर्दी उद्यान की ओर मार्च करते हुए पहुंचे, जिससे शहर के शहबाग और आसपास के क्षेत्रों में ट्रैफिक रुक गया। इससे पहले, गुरुवार को पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया की पार्टी बीएनपी ने भी ढाका में गाजा और रफाह के लोगों के समर्थन में रैली निकाली थी। इस सप्ताह की शुरुआत में भी कई इलाकों में फिलिस्तीन समर्थक प्रदर्शनों के दौरान हिंसा भड़क गई थी। कुछ जगहों पर इजरायल से जुड़े व्यवसायों और विदेशी कंपनियों के आउटलेट्स को भी निशाना बनाया गया। प्रदर्शन को देखते हुए ढाका के राजनयिक इलाकों, खासकर अमेरिकी दूतावास के आसपास सुरक्षा कड़ी कर दी गई। बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश, सशस्त्र पुलिस बल, स्पेशल ब्रांच, सीआईडी, खुफिया एजेंसियों और सेना के जवानों को तैनात किया गया है।

हमास ने जारी किया इजरायली-अमेरिकी बंधक का वीडियो, सुरक्षा को लेकर जताई चिंता

गाजा, (आईएएनएस)। हमास की सैन्य शाखा अल-कस्साम ब्रिगेड ने इजरायली-अमेरिकी बंधक एडन अलेक्जेंडर का एक वीडियो जारी किया है, जिसे 7 अक्टूबर, 2023 से गाजा पट्टी में बंधक बनाकर रखा गया है। शनिवार को जारी वीडियो में एडन शारीरिक और मानसिक रूप से परेशान दिखाई दे रहा है। उसने कहा, मैं यहां क्यों हूं, अपने परिवार और दोस्तों के साथ घर पर क्यों नहीं हूं हमास की ओर से जारी किए गए वीडियो में एडन ने अपनी परेशानियों को बताया और गाजा में चल रही इजरायली सैन्य कार्रवाइयों के बीच अपनी सुरक्षा को लेकर चिंता जताई। उन्होंने इजरायली सरकार पर उनकी रिहाई सुनिश्चित न करने का आरोप भी लगाया। वीडियो जारी होने के बाद इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय ने एक बयान में कहा कि उन्होंने एडन अलेक्जेंडर के परिवार से बात की और आश्वासन दिया कि सभी बंधकों की रिहाई के लिए गहन प्रयास जारी हैं। इजरायल और हमास के बीच छह सप्ताह का पहला युद्धविराम 1 मार्च को खत्म हो गया और दूसरे चरण की बातचीत रुकी हुई है। उल्लेखनीय है कि 7 अक्टूबर, 2023 के हमले के दौरान बंधक बनाए गए 251 लोगों में से 59 अभी भी गाजा में कैद हैं। इजरायल का मानना है कि इनमें से 24 जिंदा हैं।

भारतीय संविधान के शिल्पी एवं सामाजिक क्रांति के महानायकः डॉ. अम्बेडकर

– सुरेश पचौरी

मध्यप्रदेश की माटी के गौरव सपूत, भारत रत्न डॉ भीमराव अम्बेडकर, समता मूलक समाज की स्थापना के प्रणेता और भारत के संविधान के निर्माता हैं। डॉ अम्बेडकर का जीवन संघर्षों की ऐसी महागाथा है जिसने इंसानियत को सही अर्थो में समझा और मानवीय गरिमा को स्थापित कर इतिहास को गौरवान्वित किया। डॉ अम्बेडकर देश के कमजोर वर्गों के आत्मसम्मान और सामाजिक, आर्थिक समानता के सबसे बड़े पैरोकार थे। उनका जन्म 14 अप्रैल 1891 में मध्यप्रदेश के महू में हुआ था। महार जाति में जन्में डॉ अम्बेडकर ने गैर बराबरी, छुआछूत, अन्याय, शोषण, दमन, घृणा, तिरस्कार और वेदना की पराकाष्ठा की भट्टी में तपते हुए सतह से शिखर की उंचाई को स्पर्श किया है।

डॉ. भीमराव अम्बेडकर बचपन से ही कुशाग्र बुद्धि एवं बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे। 1912 में उन्होंने स्नातक परीक्षा पास की। उन्होंने अमेरिका के कोलंबिया विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र में एम.ए. किया, लंदन स्कूल ऑफ इकोनामिक्स से डी.एससी. एवं कोलंबिया यूनिवर्सिटी से डॉक्टर ऑफ लॉ की डिग्री हासिल की। वे एक चिंतनशील व्यक्ति तथा कर्मयोगी थे। उनका जीवन, उन्हें मिली सफलताऐं और उपलब्धियां अपने आप में इस बात का प्रमाण है कि प्रतिभा का जाति से कोई संबंध नहीं होता। महत्वपूर्ण बात यह है कि प्रतिभा को खुला और उन्मुक्त वातावरण मिलना चाहिए। असाधारण संगठन क्षमता और अन्याय के विरूद्ध लोहा लेने की उनकी संकल्पबद्धता उन्हें सहज ही एक महान इतिहास पुरूष के रूप में प्रतिष्ठापित कर देती है। दलित समाज में मानवाधिकारों के प्रति चेतना जगाने में उनका विशेष योगदान है। दलित एवं कमजोर वर्गों के लिए उनका स्पष्ट संदेश था शिक्षित बनो, संगठित रहों और संघर्ष करो। आजाद भारत के पहले मंत्रिमंडल में डॉ अम्बेडकर देश के कानून मंत्री बने। वे संविधान सभा के सदस्य भी थे तथा उन्हें संविधान सभा की ड्रॉफ्ट कमेटी का सभापति बनाया गया था। आजादी के तत्काल बाद 1947 में जब साम्प्रदायिक विद्वेष की आग फैल रही थी ऐसे में सबसे बड़ी चुनौती थी, एक ऐसा संविधान बनाने की, जो सर्वस्वीकार्य हो। डॉ अम्बेडकर ने इस चुनौती को सहर्ष स्वीकार किया।

डॉ अम्बेडकर राजनैतिक लोकतंत्र को सामाजिक लोकतंत्र में बदलना चाहते थे। वे आर्थिक शोषण के खिलाफ संरक्षण को संविधान के मूलभूत अधिकारों के रूप में सम्मिलित करने के पक्षधर थे। डॉ अम्बेडकर ने विश्व संविधानों के श्रेष्ठ मूल्यों, उन्नत प्रावधानों को भारतीय संस्कृति के अनुरूप ढालकर भारतीय संविधान को वैश्विक संघर्षों एवं अनुभवों से समृद्ध किया। स्वतंत्र भारत के संविधान के शिल्पकार के रूप में डॉ अम्बेडकर के योगदान को पूरा देश बड़े गौरव के साथ स्मरण करता है।

डॉ अम्बेडकर ने संविधान की रचना करते समय इस बात को बारीकी से ध्यान में रखा कि आजाद भारत जातियों, संप्रदायों में विभाजित हुये बिना एकजुट मानव समाज के रूप में अपनी विकास यात्रा तय करे। संविधान में डॉ अम्बेडकर ने ऐसे अनेक प्रावधान रखे, जिसके चलते न केवल दलित वर्ग को अपितु संपूर्ण मानव समाज को समानता से जीने का अधिकार मिला। उन्हीं के प्रयासों से छुआछूत को दंडनीय अपराध घोषित किया गया। संविधान में सामाजिक न्याय और कमजोर वर्ग की बेहतरी के अनेक प्रावधान किये गये।

डॉ अम्बेडकर का जीवन एवं दर्शन सामाजिक एवं आर्थिक नवनिर्माण को सही दिशा देने का मूल मंत्र है। उन्होंने वित्त आयोग, आर.बी.आई. निर्वाचन आयोग, पानी, बिजली, ग्रिड सिस्टम, संपत्ति में महिलाओं का अधिकार आदि अनेक विषयों पर अपने विचार आलेख के रूप में प्रस्तुत किये। राष्ट्रनिर्माण, विदेशनीति निर्धारण, श्रमिक कल्याण, कृषि तथा औद्योगिक विकास में उनका तत्कालीन चिंतन आज भी देश की जनता के लिए धरोहर सरीखा है। बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी डॉ अम्बेडकर एक चिंतनशील पत्रकार थे। वे पत्रकारिता को सामाजिक न्याय का माध्यम मानते थे। पत्रकारिता की आवश्यकता और प्रभाव को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा था जैसे पंख के बिना पक्षी नहीं होते वैसे समाचार पत्र के बिना आंदोलन नहीं होते। डॉ अम्बेडकर ने खुद भी 1920 में 'मूकनायक' अखबार का प्रकाशन शुरू किया जिसके माध्यम से मानवीय संवेदनाओं को राष्ट्रीय स्वर दिया। इसका असर यह हुआ कि अंग्रेजों की दलित समाज को हिन्दू समाज से अलग करने की चाल विफल हुई। डॉ अम्बेडकर द्वारा उठाये गये सामाजिक आर्थिक प्रश्नों से आजादी के आंदोलन को गति एवं शक्ति प्राप्त हुई।

सामाजिक समरसता और समाज में बराबरी का भाव डॉ अम्बेडकर के चिंतन के केन्द्र बिन्दु रहे लेकिन यह सिर्फ दलित या कमजोर वर्ग तक सीमित नहीं था, उन्होंने महिलाओं को संपत्ति में अधिकार, हिन्दू समाज में बहुविवाह प्रथा पर रोक लगाने के हिन्दू कोड बिल को लागू करवाने के लिये अथक प्रयास किये।

यह उनके सिद्धांतों के प्रति दृढ़ता का परिचायक था कि हिन्दू कोड बिल को पारित न होने पर उन्होंने कानून मंत्री के पद से स्तीफा दे दिया।

समानता पर आधारित शोषणमुक्त समाज के निर्माण की दिशा में निर्णायक कदम उठाते हुये उन्होंने 14 अक्टूम्बर 1956 को अपने लाखों अनुयायियों सहित बौद्ध धर्म अपनाया। नागपुर की पवित्र दीक्षाभूमि पर उन्होंने प्रतिज्ञा की कि मैं इस सिद्धांत को मानूंगा कि सभी मनुष्य एक हैं। मैं बौद्धधर्म के तीन तत्वों 1. ज्ञान 2. करूणा 3. शील के अनुरूप स्वंय को ढालूंगा।

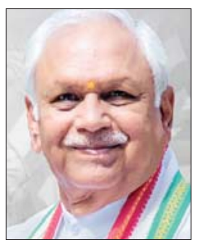

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में केन्द्र सरकार ने डॉ अम्बेडकर के जीवन और कृतित्व को चिरस्मरणीय बनाने के लिये अनेक कदम उठाये हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने बाबा साहब अम्बेडकर के जीवन से गहरे संबंध रखने वाले पांच स्थानों को पंचतीर्थ के रूप में विकसित करने की योजना बनाई है। ये पंचतीर्थ इस प्रकार हैं।

* अम्बेडकर जन्म स्थली, महू- डॉ अम्बेडकर की जन्म स्थली महू में उनकी स्मृति में भव्य स्मारक बनाया गया है एवं मध्यप्रदेश सरकार द्वारा महू में डॉ बी.आर.अम्बेडकर सामाजिक विज्ञान विश्वविद्यालय की स्थापना की गई है।

शिक्षा भूमि, लंदन- डॉ अम्बेडकर ने लंदन में जिस इमारत में रहकर अपनी पढ़ाई पूरी की थी उसे खरीद कर, उस तीन मंजिला इमारत को अंतर्राष्ट्रीय सहअनुसंधान केन्द्र के रूप में विकसित किया है।

* दीक्षा भूमि, नागपुर- डॉ अम्बेडकर ने नागपुर में जिस जगह बौद्ध धर्म को स्वीकार किया था, उस दीक्षा भूमि पर एक भव्य ग्रंथालय, शोध केन्द्र और सभागार का निर्माण कराया गया है।

* महापरिनिर्वाण भूमि, दिल्ली- दिल्ली के अलीपुर रोड पर वह बंगला स्थित है, जहां पर डॉ. भीमराव अम्बेडकर ने अंतिम सांस ली थी। इस स्थल पर एक स्मारक बनाया गया।

* अम्बेडकर स्मारक, मुम्बई- मुंबई के उस मकान में, जहां बाबा साहब अंबेडकर ने वर्षो तक निवास किया वहां डॉ अम्बेडकर की आदमकद प्रतिमा लगायी गई तथा लगभग 13 हजार लोगों की क्षमता वाला विपश्यना हाल बनाया गया है।

आज डॉ. बाबासाहब अंबेडकर हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनके विचार हमेशा हमारे साथ रहेंगे। वे संपूर्ण मानवजाति के उद्धारक थे। उन्होंने धर्म और जाति से परे शोषण मुक्त समाज का सपना देखा था और उसे साकार करने के लिए वे संकल्पबद्ध थे। आज उनकी जन्मतिथि है। आज के दिन हम ये संकल्प लें कि हम डॉ अम्बेडकर के सामाजिक समरसता, समानता और सद्भाव की नयी चेतना को जन-जन तक ले जाकर बाबा साहेब के सपनों को साकार करने की दिशा में सार्थक पहल करेंगे।

(लेखक पूर्व केन्द्रीय मंत्री रहे हैं।)

आज का इतिहास

1659–औरंगजेब ने दिल्ली पर हुकूमत की लड़ाई में दारा को हराया।

1736–तस्कर एंड्रयू विल्सन के निष्कासन के बाद एडिनबर्ग में निजी दंगे हुए, जब शहर के गार्ड कप्तान जॉन पोर्टियस ने अपने लोगों को भीड़ पर आग लगाने का आदेश दिया। पोर्टरी को बाद में गिरफ्तार किया गया।

1775–पहली बीजावृत्तिवादी संगठन का आयोजन फिलाडेल्फिया, अमेरिका में हुआ।

1834–व्हिग पार्टी को आधिकारिक तौर पर संयुक्त राज्य अमेरिका के सीनेटर हेनरी क्ले द्वारा नामित किया गया।

1849–1848 के हंगरियन क्रांति-हंगरियन क्रांतिकारी संसद डेब्रेसेन में स्वतंत्रता से हाब्सबर्ग साम्राज्य की घोषणा की।

1865–अब्राहम लिंकन की हत्या-संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन को गोली मार दी गई।

सुडोकू 6882

	7		6		4			5
8				5			6	3
		5	3					8
5								
	9						4	
								2
1					8	2		
6	5			7				1
7			9		6		8	

: नियम :

1. कुल 81 (9×9) वर्ग हैं, जिसमें 9 (3×3) वर्गों का एक खंड (ब्लॉक) बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते हैं।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कॉलम,कतार और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

हल आज ही के अंक में

वर्ग पहेली 6882

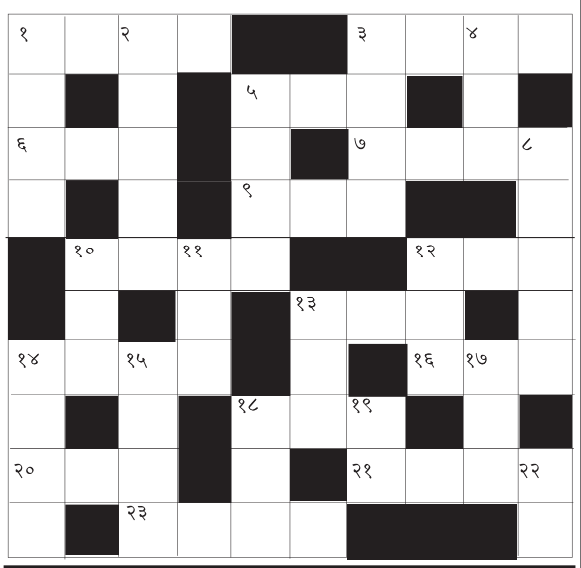

बायें से दायें:-

१. जो किसी चीज का दुख-सुख उठा चुका हो कृत भोग
३. घुड़सवार
५. नया और कोमल पत्ता, विस्तार
६. बेचैनी, छटपटाहट
७. संज्ञा शब्द के बदले प्रयुक्त होने वाला शब्द
९. भौंरा, मिलिंद
१०. पैसे की तकलीफ
१२. जहां जाना या जिसे समझना आसान हो, आसान
१३. बालि-सुग्रीव के राज्य की राजधानी
१४. जलवायु०(उर्दू)
१६. दया, कृपा (उर्दू)
१८. रुकना, अटकना, हठ करना
२०. सम्राट अशोक का राज्य
२१. हथेली से धीरे-धीरे ठोंकना या आघात करना, थपकी देना
२३. सरस, रसीला

ऊपर से नीचे:-

१. भोगना, सहना, बीतना, पूरा होना
२. खाने की वस्तु
३. मौका, समय
४. रुकावट डालना, मना करना, गति-चाल बंद करना
५. पतिता, गलत रास्ते पर चलने वाला
८. जिसकी बड़ी महिमा हो, राज्यपाल आदि के सम्मान में प्रयुक्त शब्द
१०. विचित्र, अनोखा, अद्भुत (उर्दू)
११. जलपान
१२. मरम्मत, दोष या खराबी दूर करने की क्रिया
१३. लकड़ी, शीशे आदि का पल्ला जिसका दरवाजा बंद किया जाता है
१४. हमला
१५. बलराम
१७. रोमांचक
१८. बेहद
१९. स्वामी, पति
२२. गर्व, अभिमान (उर्दू)

वर्ग पहेली-6881

१ हु	न	२ र	मं	३ द	■	४ प	र	५ च	म
क्म	■	ह	■	६ र	फ्ता	र	■	प	■
७ ना	का	म	■	मि	■	८ वा	र्ता	ला	९ प
मा	■	दि	■	१० या	च	ना	■	■	र्या
■	११ उ	ल	१२ झ	न	■	■	१३ अ	न्या	य
■	द्यो	■	रो	■	१४ रो	मां	च	■	वा
१५ अं	ग	१६ र	खा	■	ध	■	१७ ला	१८ ल	ची
त	■	हा	■	१९ सं	क	२० ट	■	ल	■
२१ र	ई	स	■	ग्रा	■	२२ ख	ट	क	२३ ना
ण	■	२४ हा	थ	म	ल	ना	■	■	ना

युसूफ कुरैशी, मो. 8109948408

कवायद — जम्मू-कश्मीर में सुरक्षाबलों ने आतंकी गतिविधियों का मुकाबला करने को कसी कमर

आतंकवादग्रस्त इलाकों में हो रहा नवीन तकनीकों का इस्तेमाल

■ सुरेश एस डुग्गर

जम्मू, (देशबन्धु)। **सुरक्षाधिकारियों ने बताया है कि घुसपैठ को रोकने के लिए ड्रोन, चेहरे की पहचान करने वाली प्रणाली और वाहन स्कैनर जैसी जिन तकनीकों का इस्तेमाल किया जा रहा है उसे अब आतंकवादग्रस्त जिलों में अपनाया जाने लगा है। अधिकारियों ने लोगों से सतर्क** रहने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना सुरक्षा बलों को देने का भी आग्रह किया। अधिकारियों ने यह भी बताया कि जम्मू कश्मीर के किश्तवाड़ जिले के छत्रू वन क्षेत्र में चल रही मुठभेड़ के दौरान तीन आतंकवादी मारे गए और हथियारों और गोला-बारूद का जखीरा बरामद किया गया। 5 सेक्टर असम राइफल्स मुख्यालय में एक संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित करते हुए 5 सेक्टर असम राइफल्स के कमांडर ब्रिगेडियर जेबीएस राठी और किश्तवाड़-डोडा-रामबन रेंज के उप महानिरीक्षक श्रीधर पाटिल ने कहा कि क्षेत्र में आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में खुफिया जानकारी मिलने के बाद 9 अप्रैल को अभियान शुरू हुआ था। ब्रिगेडियर राठी ने कहा कि भारतीय सेना की व्हाइट नाइट कोर और जम्मू कश्मीर पुलिस का संयुक्त अभियान कठिन भूभाग और मौसम की स्थिति के बावजूद जारी रहा। उन्होंने कहा कि तलाशी दलों ने 11 अप्रैल को एक आतंकवादी और 12 अप्रैल को दो और आतंकवादियों को मार गिराया। उन्होंने कहा कि बरामद हथियारों में एक एके राइफल और एक एम 4 राइफल के अलावा अन्य सामान शामिल हैं। उन्होंने कहा कि मारे गए आतंकवादियों की पहचान की पुष्टि की जा रही है। डीआईजी श्रीधर पाटिल ने कहा कि क्षेत्र में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था है और तलाशी अभियान जारी है।

■ **संदिग्ध गतिविधि की सूचना सुरक्षा बलों को देने का किया आग्रह**

उन्होंने कहा कि क्षेत्र की पूरी तरह से सफाई और इसमें शामिल कर्मियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए चरणबद्ध तरीके से अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि चल रहा अभियान क्षेत्र में आतंकवादी गतिविधियों का मुकाबला करने की एक बड़ी रणनीति का हिस्सा है। डीआईजी ने कहा कि सुरक्षा बलों ने किश्तवाड़, डोडा और उधमपुर जिलों में निगरानी और क्षेत्र वर्चस्व बढ़ा दिया है। उन्होंने बताया कि आतंकियों के आवागमन का पता लगाने और घुसपैठ को रोकने के लिए ड्रोन, चेहरे की पहचान करने वाली प्रणाली और वाहन स्कैनर जैसी तकनीकों का इस्तेमाल अब आतंकवादग्रस्त इलाकों में भी किया जा रहा है। अधिकारियों ने लोगों से सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना सुरक्षा बलों को देने का भी आग्रह किया। बता दें कि गत दिनों सुरक्षा बलों ने जम्मू-कश्मीर के पहाड़ी जिले किश्तवाड़ में जारी अभियान में एक आतंकवादी को मार गिराया था। विशिष्ट खुफिया जानकारी के आधार पर नौ अप्रैल को किश्तवाड़ के चटरू जंगल में पुलिस के साथ एक संयुक्त तलाशी और आतंकवादियों के सफाये का अभियान शुरू किया गया।

खेल जगत

आईपीएल 2025 : हमने कई मौके गंवाए : सुनील जोशी

हैदराबाद। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में सनराइजर्स हैदराबाद के सामने पंजाब किंग्स को सीजन की दूसरी हार का सामना करना पड़ा। पंजाब किंग्स के स्पिन-गेंदबाज कोच सुनील जोशी ने कहा कि हमारे पास मौके थे, लेकिन इसे गंवा दिए गए। चार मैचों में तीन जीत के बाद, पंजाब किंग्स प्वाइंट टेबल में ऊपर की ओर बढ़ रही थी, लेकिन सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ उसे आठ विकेट से हार का सामना करना पड़ा। पंजाब किंग्स ने अपनी आक्रामक बल्लेबाजी शैली का प्रदर्शन करते हुए सनराइजर्स हैदराबाद के सामने पहले बल्लेबाजी करते हुए 6 विकेट खोकर 245 रन बनाए। लेकिन, किंग्स के गेंदबाज इस लक्ष्य को बचा नहीं पाए। सनराइजर्स हैदराबाद ने 9 गेंद शेष रहते लक्ष्य हासिल कर लिया।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने राजस्थान रॉयल्स को नौ विकेट से हराया

आरसीबी इस जीत के साथ अंक तालिका में तीसरे स्थान पर पहुंची

- साल्ट ने 33 गेंदों में पांच चौकों और छह छक्कों की मदद से 65 रन बनाए
- विराट ने 45 गेंदों पर नाबाद 62 रन में चार चौके और दो छक्के लगाए

जयपुर, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। ओपनर फिल साल्ट (65) और विराट कोहली (नाबाद 62) के बेहतरीन अर्द्धशतकों से रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने राजस्थान रॉयल्स को उसके ही मैदान में रविवार को आईपीएल मुकाबले में एकतरफा अंदाज में नौ विकेट से पीट दिया। राजस्थान ने सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल की 75 रन की बेहतरीन अर्द्धशतकीय पारी से 20 ओवर में चार विकेट पर 173 रन का स्कोर बनाया लेकिन आरसीबी ने 17.3 ओवर में एक विकेट पर 175 रन बनाकर इस सत्र में छह मैचों में अपनी चौथी जीत हासिल की। राजस्थान को छह मैचों में चौथी हार का सामना करना पड़ा। आरसीबी इस जीत के साथ अंक तालिका में तीसरे स्थान पर पहुंच गयी है। आरसीबी ने अपने घर से बाहर यह चौथी जीत हासिल की है। पिच बल्लेबाजी के लिए उतनी भी आसान नहीं थी लेकिन जिस तरह से कोहली और सॉल्ट ने आरसीबी को शुरुआत दिलाई वह अदभुत था। पावरप्ले में ही आरसीबी ने 65 रन बना लिए थे, वहीं से यह लक्ष्य काफी आसान हो गया। उसके बाद जब पड्डिक्कल आए तो उन्होंने भी अच्छी बल्लेबाजी की। हालांकि आज आरआर के फील्डरों ने काफी कैच टपकाए। अगर ये कैच पकड़े जाते तो मैच की कहानी कुछ और होती। साल्ट ने आक्रामक अंदाज में खेलते हुए 33 गेंदों में पांच चौकों और छह छक्कों की मदद से 65 रन ठोके। दूसरी तरफ विराट ने सात रन पर रियान पराग के हाथों मिले जीवनदान का पूरा फायदा उठाते हुए नाबाद अर्द्धशतक बनाया और आरसीबी को जीत की मंजिल पर पहुंचाया। विराट ने 45 गेंदों पर नाबाद 62 रन में चार चौके और दो छक्के लगाए। यह उनका इस सत्र का तीसरा अर्द्धशतक था। उन्होंने 15वें ओवर में वानिन्दु हसरंगा पर छक्का मारकर अपना अर्धशतक पूरा किया जो टी-20 में उनका 100 वां अर्द्धशतक है। देवदत्त पडिक्कल ने 28 गेंदों पर नाबाद 40 रन में पांच चौके और एक छक्का लगाया। विराट और साल्ट ने ओपनिंग साझेदारी में 92 रन जोड़े जबकि विराट और पडिक्कल ने दूसरे विकेट की अविजित साझेदारी में 83 रन जोड़कर आरसीबी को 15 गेंद शेष रहते जीत दिला दी। इससे पहले बेंगलुरु ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी।

विराट कोहली ने टी-20 में 100 अर्द्धशतक पूरे किए

जयपुर। स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने रविवार को अपने शानदार करियर में एक और रिकॉर्ड जोड़ लिया, क्योंकि वह टी20 में 100 अर्द्धशतक पूरे करने वाले पहले एशियाई बल्लेबाज बन गए। कोहली ने जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ आईपीएल 2025 के मुकाबले में यह उपलब्धि हासिल की। उन्होंने 174 रनों का पीछा करते हुए 39 गेंदों में वानिंदु हसरंगा की गेंद पर छक्का लगाकर इस मील के पत्थर को हासिल किया। वह 62 रन बनाकर नाबाद रहे और उनकी टीम ने 17.3 ओवर में नौ विकेट शेष रहते लक्ष्य हासिल कर लिया। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर टी20 क्रिकेट में 100 अर्धशतक बनाने वाले पहले क्रिकेटर थे। कोहली ने अपना 58वां आईपीएल अर्द्धशतक दर्ज किया, जिससे लीग में उनके 50 से अधिक स्कोर की संख्या 66 हो गई-जो आईपीएल इतिहास में सबसे अधिक 50+ स्कोर के वार्नर के रिकॉर्ड की बराबरी कर रहा है। अपने आईपीएल करियर के दौरान दिल्ली कैपिटल्स और सनराइजर्स हैदराबाद का प्रतिनिधित्व करने वाले वार्नर ने 184 मैचों में 62 अर्द्धशतक और 4 शतक बनाए।

लखनऊ के खिलाफ वापसी की तलाश में उतरेंगे चेन्नई सुपरकिंग्स

लखनऊ, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। आईपीएल 2025 में लगातार पांच मैच हारने के बाद चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के ऊपर काफी दबाव है और अब उन्हें जीत की हैट्रिक लगा चुकी लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) का सामना करना है। लखनऊ में होने जा रहे इस मैच से पहले एलएसजी का आत्मविश्वास बढ़ा होगा क्योंकि वे अपने घरेलू मैदान पर लगातार दो जीत हासिल कर चुके हैं। आइए जानते हैं इस मैच से जुड़े कुछ अहम आंकड़े निकोलस पूरन इस समय जबरदस्त फॉर्म में हैं और पूरे टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं।

उनकी आक्रामक बल्लेबाजी ने उन्हें विरोधी टीमों के लिए सबसे बड़ा खतरा बना दिया है। हालांकि, चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ उनका प्रदर्शन हमेशा प्रभावशाली नहीं रहा है, खासकर कुछ गेंदबाजों के सामने। आर अश्विन, नूर अहमद और मतीशा पथिराना ऐसे गेंदबाज हैं जिन्होंने टी20 में पूरन को कई बार परेशान किया है। अश्विन के खिलाफ पूरन ने आठ पारियों में सिर्फ 40 रन बनाए हैं और वे तीन बार आउट हुए हैं। उनकी औसत 13.3 और स्ट्राइक रेट 93 रही है। वहीं नूर के खिलाफ उनका रिकॉर्ड और भी खराब है। पांच पारियों में केवल 13 रन, दो बार आउट, औसत 6.5 और स्ट्राइक रेट महज 50। पथिराना की बात करें तो उन्होंने पूरन को पांच पारियों में चार बार आउट किया है, जिसमें पूरन ने सिर्फ 25 रन बनाए हैं। दिग्वेश राठी ने आईपीएल 2025 में अब तक शानदार गेंदबाजी की है। छह मैचों में उन्होंने 24 ओवर डालते हुए आठ विकेट लिए हैं। उनका गेंदबाजी औसत 23.1, इकॉनमी 7.7 और स्ट्राइक रेट 18.0 रहा है, जो टी20 फॉर्मेट के लिहाज से बेहतरीन माने जाते हैं। राठी की सबसे बड़ी ताकत उनका नियंत्रण रहा है। उनका कंट्रोल 76.4 प्रतिशत है, जो दिखाता है कि वो लगातार सटीक लाइन-लेंथ पर गेंदबाजी कर रहे हैं और बल्लेबाजों को खुलकर खेलने नहीं दे रहे। सीएसके की शुरुआत इस आईपीएल में कुछ खास नहीं रही है।

सीएसके का स्पिनर्स के खिलाफ सबसे कमजोर बल्लेबाजी क्रम

इस सीजन में स्पिन के खिलाफ बल्लेबाजी के मामले में सीएसके अब तक की सबसे कमजोर टीम रही है। उन्होंने स्पिन गेंदबाजों के खिलाफ बाकी किसी भी टीम से छह विकेट ज्यादा गंवाए हैं। उनका स्ट्राइक रेट भी स्पिन के खिलाफ सिर्फ 119 है, जो लीग में सबसे कम है। पूरी बल्लेबाजी यूनिट में केवल तीन बल्लेबाज रचिन रविंद्र, शिवम दुबे और विजय शंकर ही ऐसे हैं, जिनका स्ट्राइक रेट 130 से थोड़ा ऊपर है। बाकी सभी बल्लेबाजों का स्ट्राइक रेट 110 से नीचे है, जो यह साफ दिखाता है कि स्पिन-अटैक वाली टीमों के खिलाफ सीएसके की बल्लेबाजी बेहद असहज नजर आती है।

आईपीएल के इतिहास में केकेआर-पंजाब किंग्स के खिलाफ हुए हैं सबसे बड़े रन चेज

नई दिल्ली, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में शनिवार (12 अप्रैल) को

सनराइजर्स हैदराबाद ने पंजाब किंग्स के सामने रिकॉर्ड जीत हासिल की। पंजाब किंग्स द्वारा दिए गए 246 रनों के लक्ष्य को सनराइजर्स हैदराबाद ने 8 विकेट शेष रहते पूरा कर लिया। सनराइजर्स हैदराबाद आईपीएल के इतिहास में सबसे ज्यादा रन चेज करने वाली दूसरी टीम बन गई है। वहीं, पंजाब किंग्स के साथ यह दूसरी बार ऐसा हुआ है जब विपक्षी टीम ने उनके खिलाफ रिकॉर्ड चेज सफलतापूर्वक किया हो। इससे पहले राजस्थान रॉयल्स की टीम ने साल 2020 में पंजाब किंग्स के सामने 224 का चेज किया था। चलिए आपको बताते हैं कि आईपीएल के इतिहास में पंजाब किंग्स के अलावा वह कौन सी दूसरी टीम है जिसके खिलाफ बाकी टीमों ने सबसे बड़े रन चेज किए हैं। पंजाब किंग्स के अलावा कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) एक ऐसी टीम है जिसके खिलाफ विरोधी टीमों ने सबसे बड़े रन चेज किए हैं। पंजाब किंग्स की टीम ने साल 2024 में केकेआर के खिलाफ 8 विकेट शेष रहते 262 रनों के लक्ष्य को 8 गेंद शेष रहते पूरा कर लिया था।

भारत ने बिली जीन किंग कप 2025 के प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई किया

पुणे, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। टीम इंडिया ने बिली जीन किंग कप एशिया-ओसनिया ग्रुप 1 में दूसरा स्थान हासिल करके बिली जीन किंग कप 2025 में अपनी प्लेऑफ की जगह पक्की कर ली

- हैदराबाद की इस युवा खिलाड़ी ने 2 घंटे और 52 मिनट में 5-7, 6-3, 7-6 (7-5) के स्कोर के साथ लगातार पांचवीं जीत दर्ज की

है। मेजबान टीम ने पुणे के महालुंगे बालेवाड़ी टेनिस कॉम्प्लेक्स में टूर्नामेंट के अपने अंतिम गेम में कोरिया गणराज्य के खिलाफ 2-1 से जीत दर्ज करके अगले दौर में प्रवेश किया। यह केवल दूसरी बार है जब भारत ने बिली जीन किंग कप के प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई किया है, इससे पहले 2020 में

ऐसा किया था। मेजबान टीम के साथ, न्यूजीलैंड ने आईटीएफ, एआईटीए और पीएमडीटीए के सहयोग से एमएसएलटीए द्वारा आयोजित टूर्नामेंट में शीर्ष स्थान हासिल किया। श्रीवल्ली भामिदीपती के लिए बिली जीन किंग कप में यह एक स्वप्निल शुरुआत थी, क्योंकि उन्होंने टूर्नामेंट में अपना बेदाग रिकॉर्ड बरकरार रखा। 248वीं रैंकिंग वाली सोह्युन पार्क के खिलाफ खेलते हुए, श्रीवल्ली ने पहले सेट में कड़ी टक्कर दी, लेकिन फिर वापसी की। हैदराबाद की इस युवा खिलाड़ी ने 2 घंटे और 52 मिनट में 5-7, 6-3, 7-6 (7-5) के स्कोर के साथ लगातार पांचवीं जीत दर्ज की। भारत के लिए1-0 की बढ़त के साथ दूसरे एकल मैच में प्रवेश करते हुए, सहजा यमलापल्ली ने डेयोन बैक के खिलाफ खेलने के लिए सेंटर कोर्ट पर कदम रखा।

पांड्या ने काशवी गौतम को अपना बल्ला उपहार में दिया

नई दिल्ली, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या ने तेज गेंदबाज महिला ऑलराउंडर काशवी गौतम को उनके संभावित भारत डेब्यू से पहले अपना बल्ला उपहार में दिया है। पांड्या ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) मैच के दौरान काशवी से मुलाकात की और उनके लिए एक बल्ला भेजने का वादा किया, क्योंकि उन्हें पता चला कि गुजरात जायंट्स की खिलाड़ी काशवी गौतम उन्हें अपना आदर्श मानती हैं। काशवी ने अपने बल्ले पर एचपी 33 भी लिखा है।

काशवी ने 2025 सीजन में गुजरात जायंट्स के साथ डब्ल्यूपीएल में पदार्पण किया और नौ मैच खेले। उन्होंने 11 विकेट लिए और 43 रन भी बनाए। 21 वर्षीय काशवी टूर्नामेंट में अपनी फ्रेंचाइजी के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली खिलाड़ी रहीं। उनके इस प्रदर्शन की बदौलत उन्हें 27 अप्रैल से कोलंबो के आर. प्रेमदासा स्टेडियम में श्रीलंका और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ त्रिकोणीय एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय (वनडे) श्रृंखला के लिए पहली बार भारत की टीम में शामिल किया गया है।

सार संक्षेप

मोहन बागान एसजी ने बेंगलुरु को हराकर जीता आईएसएल खिताब

कोलकाता। जेमी मैकलारेन ने अतिरिक्त समय में गोल करके मोहन बागान सुपर जायंट (एमबीएसजी) को शनिवार को विवेकानंद युवा भारती क्रीड़ांगन स्टेडियम में बेंगलुरु एफसी के खिलाफ 2-1 से जीत दिलाकर इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 कप जीतने में मदद की। एमबीएसजी ने एक गोल से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए लीग डबल को सफलतापूर्वक अपने नाम किया, इस सीजन में पहले ही आईएसएल शील्ड जीत चुका है और अपने घर पर मौजूदा अभियान को अपराजित समाप्त कर चुका है। वे मुंबई सिटी एफसी (2020-21) के बाद एक ही सीजन में लीग शील्ड और आईएसएल कप जीतने वाली दूसरी टीम हैं। एमबीएसजी ने खेल की शानदार शुरुआत करने के लिए दर्शकों के समर्थन का लाभ उठाया, जिसमें मैकलारेन ने बॉक्स के उसी तरफ से दाएं पैर से शॉट लगाया, जिसे नौवें मिनट में गुरप्रीत सिंह संधू ने निचले बाएं कोने में बचा लिया।

कार्लोस अल्काराज ने जीता मोंटे कार्लो का खिताब

स्पेन। स्पेन के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज ने रविवार को चोटिल लोरेंजो मुसेट्टी को हराकर मोंटे कार्लो मास्टर्स का खिताब अपने नाम किया। आज यहां खेले गये फाइनल मुकाबले में अल्काराज ने इटली के मुसेट्टी को 3-6, 6-1, 6-0 से हराकर अपना छठा मास्टर्स 1000 कैरियर खिताब हासिल किया। तीसरे सेट में मुसेट्टी के दाहिने पैर में चोट के लक्षण दिखने लगे और 3-0 से पिछड़ने के बाद उन्हें उपचार दिया गया। अपने पहले मास्टर्स 1000 फाइनल में खेल रहे 23 वर्षीय इतालवी खिलाड़ी को मैच के अंत में अल्काराज के साथ चलने और तालमेल बनाए रखने में परेशानी हो रही थी। मैच के बाद अल्काराज ने कहा कि पहली बार मोंटे कार्लो जीतकर वाकई बहुत खुश हूँ। यह वाकई एक मुश्किल हफ्ता रहा है, जिसमें कई मुश्किल हालात थे। मुसेट्टी के चोटिल होने के सवाल पर अल्काराज ने कहा कि मैं इस तरह से मैच नहीं जीतना चाहता। मुझे उसके लिए वाकई दुख है।

अभिषेक ने टी-20 अंतर्राष्ट्रीय के बाद आईपीएल में भी बनाया सबसे बड़ा रिकॉर्ड

नई दिल्ली, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। सनराइजर्स हैदराबाद की टीम ने आखिरकार आईपीएल 2025 में वह प्रदर्शन दिखाया जिसकी उनसे अपेक्षा थी। हालांकि यह इस सीजन में उनके छठे मैच में सनराइजर्स की केवल दूसरी जीत थी, लेकिन अभिषेक शर्मा के तूफानी शतक ने सबका ध्यान अपनी ओर खींचा है।

55 गेंदों पर 141 रनों की आतिशी खेलने वाले अभिषेक को प्लेयर ऑफ द मैच भी चुना गया है क्योंकि इस प्रदर्शन के दम पर सनराइजर्स ने पंजाब किंग्स द्वारा दिए गए 246 रनों के टारगेट को 18.3 ओवर में सिर्फ दो विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया। यह आईपीएल में अभिषेक का पहला शतक था।

स्कॉटलैंड की महिला टीम ने थाईलैंड को 58 रनों से हराया

लाहौर, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। कप्तान कैथरीन ब्राइस (60), मेगन मैककॉल (58) की अर्धशतकीय पारियों के बाद राचेल स्लेटर, अब्ताहा मकसूद और कैथरीन फ्रेजर (तीन-तीन) विकेट की शानदार गेंदबाजी के दम पर रविवार को स्कॉटलैंड की महिला टीम ने वूमेंस विश्वकप क्वालीफायर मुकाबले में थाईलैंड की टीम को 58 रनों से हरा दिया। स्कॉटलैंड के 206 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी

थाईलैंड के लिए नट्टाया बूचाथम और चानिदा सुथिरुआंग की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करने का प्रयास किया। नौवें ओवर में राचेल स्लेटर ने नट्टाया बूचाथम (20) को पगबाधा कर थाईलैंड को 41 के स्कोर पर पहला झटका दिया। इसके बाद स्कॉटलैंड के गेंदबाजी आक्रमण के आगे थाईलैंड की बल्लेबाजी अधिक देर तक पिच पर नहीं टिक सकी। नत्थकन चंथम एक मात्र ऐसी बल्लेबाजी थी जिन्होंने 58 गेंदों में (63) रनों की पारी खेली। चानिदा सुथिरुआंग (18) रन बनाकर आउट हुई। कैथरीन फ्रेजर, अबताहा मकसूद और राचेल स्लेटर ने तीन-तीन विकेट झटकते हुए स्कॉटलैंड की पूरी टीम को 31.3 ओवर में 148 के स्कोर पर ढ़ेर कर मुकाबला 58 रनों से जीत लिया। इससे पहले आज यहां टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी स्कॉटलैंड की महिला टीम ने कैथरीन ब्राइस (60), मेगन मैककॉल (58), ऐल्सा लिस्टर (38), एब्बी ऐटकेन-ड्रमंड (22) रनों की पारी खेली।

वेन्नम/ऋषभ की जोड़ी ने यूएसए में तीरंदाजी विश्व कप चरण 1 में कंपाउंड मिश्रित टीम स्वर्ण जीता

ऑबर्नडेल (यूएसए), 13 अप्रैल (एजेंसियां) कंपाउंड तीरंदाजी को 2028 लॉस एंजेलिस ओलंपिक खेलों में शामिल किए जाने के कुछ दिनों बाद, ज्योति सुरेखा वेन्नम और ऋषभ यादव की भारतीय टीम ने अमेरिका के फ्लोरिडा में 2025 तीरंदाजी विश्व कप चरण 1 में कंपाउंड मिश्रित टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। यह 2025 तीरंदाजी विश्व कप का पहला कंपाउंड मिश्रित टीम पदक मैच था। भारतीय टीम ने कड़े मुकाबले में स्वर्ण पदक के लिए चीनी ताइपे की जोड़ी हुआंग आई-जौ और चेन चिएन-लुन को 153-151 से हराया। पूर्व विश्व कप विजेता ज्योति सुरेखा और ऋषभ की भारतीय जोड़ी ने पहला एंड हारने के बाद वापसी की, जिसमें प्रत्येक तीरंदाज ने दो तीर (मिश्रित युगल के मामले में कुल चार) चलाए, 37-38 के स्कोर के साथ वे 9 और दो 10 के दो स्कोर बनाने में सफल रहे। उनके प्रतिद्वंद्वियों ने दो नौ और आंतरिक 10 सर्कल (एक्स) में तीर चलाए। भारतीयों ने

दूसरा एंड 38-39 से गंवा दिया और कुल मिलाकर 75-77 से पीछे चल रहे थे, तीन 10 स्कोर करने के बावजूद 8 के स्कोर ने उन्हें पीछे कर दिया। चीनी ताइपे की जोड़ी ने एंड जीतने के लिए एक्स, 10, 10, एक्स शॉट लगाए। तीसरे एंड में, ज्योति और ऋषभ की भारतीय जोड़ी ने चीनी ताइपे की जोड़ी को 39-38 से हराकर अंतर को 113-115 पर ला दिया। चौथे और अंतिम एंड में भारतीय टीम ने लगातार बेहतर

- पूर्व विश्व कप विजेता ज्योति सुरेखा और ऋषभ की भारतीय जोड़ी ने पहला एंड हारने के बाद वापसी की

प्रदर्शन किया और 9,10,10, X स्कोर बनाए, जबकि चीनी ताइपे की जोड़ी लड़खड़ा गई और 9, 9, 8, X स्कोर ही बना पाई। भारतीयों ने एंड 39-36 से जीतकर स्वर्ण पदक मैच 153-151 से जीता और इस स्पर्धा में अपना दबदबा कायम किया। ज्योति सुरेखा वेन्नम और ऋषभ यादव ने सेमीफाइनल में भी असाधारण प्रदर्शन किया। भारतीय जोड़ी ने स्पेन और डेनमार्क के खिलाफ 156 का स्कोर बनाया, जिसमें इंडोर वर्ल्ड सीरीज चैंपियन तानजा गेलेंथियन और दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी मैथियास फुलर्टन शामिल थे-और फिर स्लोवेनिया के खिलाफ सेमीफाइनल में 159 का अविश्वसनीय स्कोर बनाया, जो परफेक्ट स्कोर से सिर्फ एक कम था। यादव के लिए, शनिवार का फाइनल एक बड़ी

एशियन योगासन स्पोर्ट चैम्पियनशिप के लिए जारी है सोनीपत में ट्रायल

- इन ट्रायलों में देशभर से कुल 252 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया है, जिनमें 123 पुरुष और 131 महिलाएं शामिल हैं

सोनीपत, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। हरियाणा की खेल यूनिवर्सिटी में एशियन योगासन स्पोर्ट चैंपियनशिप (द्वितीय संस्करण) के लिए भारत की टीम चुनने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर खिलाड़ियों का चुनाव हो रहा है। चुने गए खिलाड़ी 25 से 27 अप्रैल तक दिल्ली के इंदिरा गांधी

एरिना में होने वाली एशियन चैंपियनशिप प्रतियोगिता में भारत की टीम का हिस्सा बनेंगे। इन ट्रायलों में देशभर से कुल 252 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया है, जिनमें 123 पुरुष और 131 महिलाएं हैं। खिलाड़ी 12 अलग-अलग स्पर्धाओं में हिस्सा ले रहे हैं, जिनका उद्देश्य योगासन को एक खेल के रूप में उसकी शक्ति, अनुशासन, संतुलन और खेल भावना के साथ प्रस्तुत करना है। इस पहल का संचालन एशियन योगासन स्पोर्ट्स फेडरेशन कर रही है, जिसे एशिया ओलंपिक परिषद की मान्यता प्राप्त है और यह वर्ल्ड योगासन से भी जुड़ी हुई है। जो खिलाड़ी इन ट्रायलों में चुने जाएंगे, वे भारत का प्रतिनिधित्व एशियाई स्तर पर करेंगे और योगासन को एक पारंपरिक साधना से आधुनिक खेल की ओर ले जाने में योगदान देंगे। योगासन भारत और वर्ल्ड योगासन के महासचिव जयदीप आर्य ने कहा कि ये ट्रायल केवल अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों की ओर एक रास्ता नहीं हैं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक और शारीरिक विरासत का उत्सव भी हैं।

हम ऐसे युवा खिलाड़ियों को देख रहे हैं जो आत्मिक गहराई और खेल कौशल का शानदार मेल कर रहे हैं। एशियन योगासन स्पोर्ट्स फेडरेशन के अध्यक्ष संजय मालपानी ने कहा कि पूरे एशिया से इस प्रतियोगिता के लिए जो उत्साह दिखा है, वह अद्भुत है। यह साफ है।

पोजिशन	टीम	मैच	जीते	हारे	अंक	औसत
1-	दिल्ली कैपिटल	4	4	0	8	+1.278
2-	गुजरात टाइटंस	6	4	2	8	+1.081
3-	रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	5	3	2	6	+0.672
4-	लखनऊ सुपर जायंट्स	5	3	2	6	+0.162
5-	कोलकाता नाइट राइडर	5	2	3	4	-0.803
6-	पंजाब किंग्स	4	3	1	6	+0.065
7-	राजस्थान रॉयल्स	5	2	3	4	-0.838
8-	सनराइजर्स हैदराबाद	5	1	4	2	-1.554
9-	मुंबई इंडियंस	5	1	4	2	-0.010
10-	चेन्नई सुपर किंग्स	5	1	4	2	-0.889

कृषि जगत

बाजरे की उन्नत खेती एवं उसका महत्व

बाजरे की उन्नत खेती एवं उसका महत्व – बाजरा एक ऐसी फसल है ऐसे किसानो जो कि विपरीत परिस्थितियो एवं सीमित वर्षा वाले क्षेत्रो तथा बहुत कम उर्वरको की मात्रा के साथ, जहाँ अन्य फसले अच्छा उत्पादन नही दे पाती के लिए संतुत की जाती है। यह स्वादिष्ट और पौष्टिक चारा प्रदान करता है। यह दक्षिण पूर्वी एशिया, चीन, भारत, पाकिस्तान, अरब, सूडान, रूस और नाइजीरिया की महत्वपूर्ण फसलों में से एक है। भारत में, यह हरियाणा, गुजरात, महाराष्ट्र, राजस्थान, मध्यप्रदेश और उत्तर प्रदेश में उगाया जाता है बाजरा की खेती मध्यप्रदेश मे लगभग 2 लाख हे. भूमि मे की जाती है जो मुख्य रुप से मध्यप्रदेश के उत्तरी भाग भिण्ड, मुरैना, श्योपुर तथा ग्वालियर जिले मे उगायी जाती है। भिण्ड जिले मे बाजरा लगभग 45000 हेक्टेयर भूमि पर उगाया जाता है। बाजरा के दानो मे, ज्वार से अच्छी गुणवत्ता के पोषक तत्व पाये जाते है।बाजरा कम नमी, कम उर्वरता और उच्च तापमान वाले क्षेत्रों में मिट्टी के लिए एक आदर्श आवरण फसल है। यह गर्म, शुष्क स्थितियों के लिए बहुत सहनीय है। यह रेतीले दोमट मिट्टी में सबसे अच्छा प्रदर्शन करता है लेकिन पोषक तत्वों को रेतीली मिट्टी में जोड़ने के लिए महान हो सकता है, जो पोषक तत्वों की कमी है। बाजरा की फसल जो गरीबो का मुख्य श्रोत है– उर्जा, प्रोट्रीन विटामिन, एवं मिनरल का । बाजरा के दानो मे, ज्वार से अच्छी गुणवत्ता के पोषक तत्व पाये जाते है। दानो मे 12.4 प्रतिशत नमी, 11.6 प्रतिषत प्रोटीन, 5 प्रतिषत वसा, 76 प्रतिशत कार्बोहाईड्रेटस तथा 2.7 प्रतिशत मिनरल पाये जाते हैं।

बुआई की विधि – बाजरा की फसल की बुआई 25 सें.मी. की दूरी में पंक्तियों में तथा सीडड्रिल से 1.5–2 सें.मी. दूरी पर करनी चाहिए। इसके लिए 6–8 कि.ग्रा. प्रति हेक्टेयर बीज पर्याप्त है। बीज को बुवाई से पहले एग्रोसान जीएन अथवा थीरम (3 ग्राम / किग्रा बीज) से उपचारित करना चाहिए। इस खेती के लिए जुलाई का पहला सप्ताह अच्छा होता है। जुलाई के अंत में बुआई करने से 40 से 50 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर फसल का नुक़सान होता है। बुआई में 5 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर बीज का इस्तेमाल करें।

भूमि की तैयारी – बाजरा के लिए हल्की या दोमट बलुई मिट्टी उपयुक्त होती है। भूमि का जल निकास उत्तम होना आवश्यक हैं। पहली जुताई मिट्टी पलटने वाले हल से तथा अन्य 2–3 जुताइयां देशी हल अथवा कल्टीवेटर से करके खेत तैयार कर लेना चाहिए। बाजरा को कई प्रकार की भूमियो काली मिट्टी,दोमट, एवं लाल मृदाओ मे सफलता से उगाया जा सकता है लेकिन पानी भरने की समस्या के लिए बहुत ही सहनशील है।

बुवाई का समय–

बाजरा की फसल तेजी से बढने वाली गर्म जलवायु की फसल है जो कि 40–75 सेमी. वार्षिक वर्षा वाले क्षेत्रो के लिए उपयुक्त होती है। इसमे सूखा सहन करने की अदभुत शक्ति होती है। सिंचिंत क्षेत्रों में गर्मियों में बुवाई के लिए मार्च से मध्य अप्रैल उपयुक्त समय है। जुलाई का पहला पखवाड़ा खरीफ की फसल के लिए उपयुक्त है। दक्षिण भारत में, रबी मौसम के दौरान अक्टूबर से नवंबर तक बुवाई की जाती है।

बाजरे की उन्नत किस्में– अच्छी पैदावार के लिए जरूरी है की आप बाजरे की उन्नतशील किस्मों का ही चुनाव करें। बाजरे की उन्नत किस्मों में आई.सी. एम.बी 155, डब्लू.सी.सी.75, आई.सी. टी.बी.8203 और राज–171 प्रमुख हैं।

तापमान– बाजरे के पौधे को अंकुरित होने के लिए 25 डिग्री सेल्सियस तापमान की जरूरत होती है। जबकि बड़ा होने के लिए 30 से 35 डिग्री सेल्सियस तापमान की जरूरत होती है. लेकिन 40 डिग्री सेल्सियस तापमान में भी इसका पौधा अच्छी पैदावार दे सकता है।

फसल चक्र – बाजरे की फसल से अधिक पैदावार प्राप्त करने के लिए उचित फसल चक्र आवश्यक है। असिंचित क्षेत्रों में बाजरे के बाद अगले वर्ष दलहन फसल जैसे ग्वार, मुंग, मोठ लेनी चाहिए। सिंचित क्षेत्रों में बाजरा – सरसों, बाजरा – जीरा, बाजरा – गेहूँ फसल चक्र प्रयोग में लेना चाहिए।

खाद एवं रासायनिक उर्वरक – फसल के पौधों की उचित बढ़वार के पोषक तत्वों की आवश्यकता होती है। अतः भूमि को तैयार करते समय बाजरे की फसल के लिए 5 टन अच्छी सड़ी हुई गोबर की खाद या कम्पोस्ट का प्रयोग करना चाहिए। इसके पश्चात बाजरे की वर्षा पर आधारित फसल में 40 कि.ग्रा. नाइट्रोजन और 40 कि.ग्रा. फास्फोरस प्रति हेक्टेयर की आवश्यकता होती है। ध्यान रहे उर्वरकों का उपयोग मिट्टी की जांच के आधार पर ही करना चाहिए

हानिकारक कीट एवं रोग और उनके रोकथाम –

दीमक – दीमक बाजरे के पौधे की जड़े खाकर नुकसान पहुँचाती है, इसकी रोकथाम के लिए खेत तैयार करते समय क्यूनालफास या क्लोरपायरीफास 1.5 प्रतिशत पॉउडर 25–30 किलो/हेक्टेयर की दर से जमीन में मिला देनी चाहिए। इसके अतिरिक्त बीज को क्लोरपायरीफास 4 मि.ली. /किलो बीज की दर से बीज उपचार करना चाहिए।

कातरा – बाजरे की फसल को कातरा की लट प्रारम्भिक अवस्था में काटकर नुकसान पहुंचाता है इसकी रोकथाम के लिए क्यूनालफास 1.5 प्रतिशत पाउडर की 20–25 किलो/हेक्टेयर की दर से भुरकाव करना चाहिए।

सफ़ेद लट – बाजरे में सफेद लट के नियंत्रण के लिए एक किलो बीज में 3 किलो कारबोफ्यूरान 3 प्रतिशत या क्यूनॉलफास 5 प्रतिशत कण 15 किलो डीएपी मिलाकर बोआई करें।

रूट बग – बाजरे में रूट बग के नियंत्रण के लिए क्यूनॉलफॉस डेढ़ प्रतिशत या मिथाइल पैराथियॉन 2 प्रतिशत चूर्ण का 25 किलो प्रति हैक्टेयर की दर से भुरकाव करें।

जोगिया – जोगिया के नियंत्रण के लिए बुवाई के 21 बाद मैंकोजेब 1 किलो/एकड़ का छिड़काव करे।

अरगट या चेपा – इसकी रोकथाम के लिए बीज को थिरम 75 प्रतिशत डब्लूएस 2.5 ग्राम और कार्बेण्डाजिम 50 प्रतिशत डब्लूपीकी 2.0 ग्राम प्रति किग्रा बीज की दर से उपचारित करके बोना चाहिए। रोग के लक्षण दिखने पर कार्बेन्डाजिम+मैंकोजेब 40 ग्रा/15 लीटर पानी के साथ मिलकर छिड़काव करना चाहिए।

स्मट – स्मट की रोकथाम के लिए बीज को थिरम 75 प्रतिशत डब्लूएस 2.5 ग्राम और कार्बेण्डाजिम 50 प्रतिशत डब्लूपीकी 2.0 ग्राम प्रति किग्रा बीज की दर से उपचारित करके बोना चाहिए।तथा रोग के लक्षण दिखने पर मेटलैक्सिल+मैंकोजेब के मिश्रित रसायन को 40 ग्रा/15 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करे।

बाजरे के पौधों की निराई–गुड़ाई

बाजरे की फसल को खास निराई–गुड़ाई की जरूरत नहीं होती है, लेकिन फिर भी यदि गुड़ाई की जाए तो पौधों की वृद्धि काफी अच्छी होगी 7 जिसका असर पैदावार पर देखने को मिलेगा 7 यदि खेत में अधिक खरपतवार दिखाई दें तो खरपतवार नाशक दवाइयों का छिड़काव करे 7 इसके लिए एट्राजिन का इस्तेमाल करना बेहतर होता है 7

खरपतवार नियंत्रण – 25–30 दिनों की अवस्था पर वीडर कम कल्चर से निराई–गुड़ाई करनी चाहिए। एट्रोजीन (0.5–0.75 कि.ग्रा./हैक्टर 600 लीटर पानी) का जमाव से पूर्व छिड़काव फसल के लिए प्रभावी होता है, लेकिन बाजरे के लोबिया, 1 कि.ग्रा. बुवाई से पहले एलाक्लोर का उपयोग करना चाहिए।

छोटी सी जगह पर कर सकते हैं कई सब्जियों की खेती

आज के समय में सब्जियों और फलों में अत्यधिक पेस्टिसाइड्स का उपयोग एक गंभीर समस्या बन गया है। यह केवल शहरी इलाकों तक सीमित नहीं है, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में भी कैंसर जैसी बीमारियों का बढ़ता प्रतिशत इसकी एक बड़ी वजह है। इसके अलावा, ग्रामीण इलाकों में भी लोगों सब्जियाँ उगाना कम कर दिया है, जिसके कारण वे बाजार से पेस्टिसाइड युक्त सब्जियों पर निर्भर हो गए हैं। इस स्थिति को बदलने के लिए पोषण वाटिका एक प्रभावी समाधान है, जो न केवल कुपोषण से बचाती है बल्कि अतिरिक्त आय का भी साधन बन सकती है।

पोषण वाटिका लगाते समय रखें इन बातों का ध्यान

स्थान का चयन– पोषण वाटिका के लिए ऐसी जगह चुनें जहाँ पर्याप्त धूप हो और पानी का जमाव न हो। यह सुनिश्चित करें कि बारिश के समय पानी का उचित निकास हो।

क्यारियाँ तैयार करें– क्यारियाँ बनाते समय इस बात का ध्यान रखें कि पानी अच्छी तरह से निकले और पौधों को पर्याप्त जगह मिले।

फसल का चयन– पोषण वाटिका में आप रबी और खरीफ दोनों मौसम की सब्जियाँ उगा सकते हैं। उदाहरण के लिए, गर्मियों में भिंडी, लौकी, टमाटर, हरी मिर्च, और सर्दियों में पालक, मेथी, गाजर जैसी सब्जियाँ उगाई जा सकती हैं।

पौधों का सही ढंग से लगाना

बड़े पौधे किनारे पर लगाएँ– बड़े पौधे जैसे केले, पपीते आदि को किनारे पर लगाएं ताकि उनकी जड़ें पोषण वाटिका के अंदरूनी हिस्से को न प्रभावित करें।

पत्तेदार सब्जियाँ बीच में लगाएं– पालक, चौलाई, मेथी जैसी पत्तेदार सब्जियों को क्यारियों के बीच में लगाएं ताकि वे सही ढंग से बढ़ सकें।

सहारे वाले पौधे– लौकी, तोरई, खीरा जैसे बेल वाले पौधों के लिए सहारे की आवश्यकता होती है, इसलिए इन्हें किनारों पर लगाकर ऊपर की तरफ सहारा दिया जा सकता है।

पोषण वाटिका की देखभाल

सिंचाई– पोषण वाटिका में पानी का विशेष ध्यान रखना चाहिए। पत्तेदार सब्जियों को रोजाना सिंचाई की आवश्यकता होती है।

आप भी गांव में शुरू कर सकते हैं पोल्ट्री फार्मिंग का सफल व्यवसाय

गाँवों में पोल्ट्री, डेयरी और फिशरीज जैसे व्यवसायों के जरिए रोजगार के नए अवसर बन रहे हैं। सही योजना और सरकारी सहायता से किसानों को अच्छा मुनाफा हो सकता है। उत्तर प्रदेश पोल्ट्री किसान संगठन के अध्यक्ष अली अकबर बता रहे हैं कैसे इससे फायदा कमाया जा सकता है? पिछले कुछ साल में गाँवों में मुर्गी पालन का व्यवसाय तेज़ी से बढ़ा है, खासकर के लेयर यानि अंडे देने वाली मुर्गियों का, इसकी सबसे अच्छी बात ये होती है इसके लिए आपको बाज़ार नहीं तलाशना होगा, बल्कि आपके फार्म से ही अंडे बिक जाते हैं। पोल्ट्री का व्यवसाय बहुत ही फायदेमंद होता है क्योंकि इसमें आपका पैसा कभी ब्लॉक नहीं होता है। अंडा कभी उधार नहीं बिकता और खरीददार खुद आपके पास आते हैं। आपको बाजार ढूंढने की जरूरत नहीं पड़ती। इसके साथ आप बकरियों का फार्म, फिशरीज, या डेयरी का काम भी जोड़ सकते हैं। डेयरी में भी अच्छा स्कोप है, खासकर गाँव के क्षेत्रों में जहाँ पर्यावरण बेहतर होता है और पलायन भी कम होता है। गाँव में अभी शहरों से बेहतर अपॉर्चुनिटी हैं, यहाँ पर रहने और काम करने का माहौल भी अच्छा है। अगर आप चार जानवर पालते हैं, तो दिन में 30–40 लीटर दूध का उत्पादन हो सकता है। अगर दूध की कीमत 60–70 रुपये प्रति लीटर मानी जाए तो लगभग ढाई से तीन हजार रुपये की दैनिक आय हो सकती है, जिससे परिवार के सभी सदस्य मिलकर काम कर सकते हैं।

पोल्ट्री, फिशरीज और डेयरी से खेती को मिल सकता है फायदा– पोल्ट्री, डेयरी, और फिशरीज जैसे व्यवसाय खेती के साथ मिलकर किए जा सकते हैं, जिससे खेती को भी फायदा होता है। उदाहरण के तौर पर, अगर आप एक छोटा पोल्ट्री फार्म शुरू करते हैं और 100 मुर्गियाँ पालते हैं, तो हर देसी मुर्गी 30–35 रुपये में मिलती है। अगर आप इसे व्यवस्थित ढंग से करना चाहते हैं, तो सरकार की योजनाओं के तहत 10,000 बर्ड वाला फार्म शुरू कर सकते हैं, जिसमें सब्सिडी और ब्याज दर की राहत मिलती है। इसके लिए फार्म आबादी और हाईवे से दूर होना चाहिए और इसकी क्षमता के अनुसार सरकारी लोन की सुविधा भी मिलती है। 10,000 बर्ड के लिए करीब 1 करोड़ रुपये का खर्च आता है, जिसमें 20–22 लाख रुपये आपका निवेश होगा और बाकी लोन और सब्सिडी से कवर हो जाएगा। इसी तरह, 30,000 बर्ड के फार्म के लिए लगभग 3 करोड़ रुपये का खर्च आता है, जिसमें लगभग 40 लाख की सब्सिडी मिलती है।

पोल्ट्री फार्मिंग में सही प्लानिंग से हो सकता है अच्छा मुनाफा– पोल्ट्री फार्मिंग में अगर सही प्लानिंग और व्यवस्थापन हो तो अच्छा मुनाफा हो सकता है। फार्म में वेंटिलेशन का ध्यान रखना जरूरी होता है, खासकर गर्मियों और बारिश के मौसम में। इसके साथ ही, फार्मिंग में बिजली की समस्या को दूर करने के लिए सरकार से बिजली की सब्सिडी की मांग की जा रही है ताकि किसानों को राहत मिल सके। फार्म का सही ढंग से निर्माण करने के लिए पूरा डिज़ाइन उपलब्ध है, जो जमीन से 7–8 फुट की ऊँचाई पर होता है ताकि सफाई भी अच्छी बनी रहे। इसके अलावा, फीड बनाने का भी पूरा फॉर्मूला है जिसमें मक्का, सोयाबीन, कैल्शियम और विटामिन मिलाए जाते हैं। अगर आप खुद फीड बनाएंगे तो यह सस्ता भी पड़ेगा और मुनाफा ज्यादा होगा।

अंडे की डिमांड और सरकार की योजनाए– सर्दियों में अंडे की डिमांड ज्यादा होती है, जबकि गर्मियों में खपत कम होती है। अगर सरकार मिड–डे मील में अंडे को शामिल करती है, तो इससे पोल्ट्री किसानों को बहुत लाभ होगा। उत्तर प्रदेश में हर रोज़ लगभग 2 करोड़ अंडों का उत्पादन हो रहा है, लेकिन अभी भी 1.75–2 करोड़ अंडे बाहर से आते हैं। सही प्लानिंग और सरकारी योजनाओं का लाभ उठाकर पोल्ट्री, डेयरी, और फिशरीज जैसे व्यवसायों से गाँव के लोग अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं और गाँवों में रोजगार के अवसर भी बढ़ सकते हैं। देश में अंडा उत्पादन वर्ष 2014–15 में 78.48 बिलियन से बढ़कर वर्ष 2023–24 में 142.77 बिलियन हो गया है। देश के कुल अंडा उत्पादन में सबसे बड़ा योगदान आंध्र प्रदेश का है, जिसका कुल अंडा उत्पादन में 20.13 प्रतिशत हिस्सा है। इसके बाद तमिलनाडु (15.58 प्रतिशत), तेलंगाना (12.77 प्रतिशत), पश्चिम बंगाल (9.94 प्रतिशत), और कर्नाटक (6.51 प्रतिशत) का स्थान है।

औषधीय खेती करके मालामाल हो रहे सैकड़ों किसान

कुछ कर गुजरने की चाह मन में हो तो कुछ भी नामुमकिन नहीं। यह बात राकेश चौधरी ने साबित कर के दिखाई है। राजस्थान में औषधीय खेती को प्रोत्साहित करने, किसानों को इसकी खेती से जोड़कर उनकी आर्थिक स्थिति को संबल देने में आज राकेश की अहम भूमिका है। इतना ही नहीं, आज की तारीख में राकेश किसानों के साथ मिलकर हिमालयन ड्रग्स, एम्ब्रोसिया फूड्स, गुरुकुल फार्मेसी, पतंजलि सरीखी कंपनियों को आयुर्वेद महत्व की जड़ी बूटियां–औषधियां उपलब्ध भी करवा रहे हैं। अपनी हर्बल कंपनी के माध्यम से वे किसानों को उच्च कोटि के बीज उपलब्ध करवा रहे हैं, साथ ही उनकी उपज के अच्छे दाम भी दिलवा रहे हैं। इस प्रकार राज्यभर के किसानों को औषधीय खेती से जोड़ने के लिए उन्होंने कार्य किया है।

ग्रामीण परिवेश में जन्म लेने के चलते राकेश को बचपन से ही प्रकृति से गहरा लगाव रहा। पेड़ पौधे लगाना और वृक्षारोपण से जुड़ी जानकारी हासिल करने में उनकी गहरी रुचि रही। राकेश के मुताबिक सन 2004 में मैंने एक अखबार में ?राजस्थान मेडिसिनल प्लांट बोर्ड' द्वारा जारी विज्ञप्ति देखी जिसमें औषधीय खेती के लिए किसानों से प्रस्ताव मांगे गए थे। इस विज्ञप्ति ने मुझे अपनी ओर खींचा जिसके चलते मैं जयपुर स्थित पंत कृषि भवन में आरएसएमपीबी के दफ्तर तक चला गया। पूरी जानकारी प्राप्त की, औषधीय व सुगंध पौधों की खेती कब की जाती है, फसलों को कब बोया जाता है, किस समय पर हार्वेस्ट किया जाता है। कुछ फसलों के फोल्डर लेकर मैं गांव आ गया। यहीं से मन बदला कि जीवन में कुछ बदलाव लाना चाहिए।

राकेश ने बताया सन 2005–06 में मैंने सबसे पहले इस प्रकार की खेती की शुरुआत अपने घर से ही की। अपने पिताजी, ताऊजी, चाचा व कुछ रिश्तेदारों को औषधीय फसलों की खेती के लिए मनाया, उनके परियोजना प्रस्ताव तैयार किए और आरएसएमपीबी में जमा करवाए जहां से इन प्रस्तावों को एनएमपीबी भेजा गया। इस बीच मुझे ?रिलांयस लाइफ साइन्स', जामनगर की एक संस्था के बारे में पता चला। मैंने वहां से ऐलोवेरा प्लांट लाकर किसानों में बांटे। ऐसा करने पर स्थानीय किसानों में उत्सुकता बढ़ी। समुचित जानकारी के अभाव के चलते शुरुआत में सही फसलों का चयन नही हो पाया जिसके चलते इन फसलों को लगाने का फायदा नही मिल पाया। दूसरे शब्दों में वे फसलें हमारे स्थानीय वातावरण के अनुकूल नहीं थीं। मुलेठी, स्टीविया, सफेद मूसली जैसी फसलों के कारण किसानों को नुकसान हुआ।

इस कारण मन विचलित हो गया पर मैंने हार नहीं मानी। फिर से जानकारी हासिल करते हुए गर्म जलवायु व कम पानी वाले वातावरण के लिए कुछ फसलों का चुनाव किया जिससे न सिर्फ लाभ हो बल्कि किसानों को इसका बाजार भी आसानी से मिल जाए। इस बार ऐलोवेरा, सोनामुखी, तुलसी, आंवला, बेलपत्र, गोखरू और अश्वगंधा को चुना। यह वह समय था, जब मैं सब कुछ भूलकर किसानों को औषधीय खेती के लिए जागरूक करने में जुट गया था। समय–समय पर किसान भाइयों को लेकर आरएसएमपीबी द्वारा आयोजित कार्यशालाओं व ट्रेनिंग प्रोग्रामों में ले जाता।

मैंने सोचा कि मैं अकेले कुछ करने की बजाय समूह बनाकर खेती क्यों न करुं? ऐसा करने से बाजार ढूंढने में भी आसानी रहेगी और समूह होने से एक दूसरे के प्रति विश्वास भी बढ़ेगा। इसी एनएमपीबी से हमारे प्रस्ताव पास होकर आ गए। किसानों द्वारा ऐलोवेरा की बुवाई की गई। शुरु शुरु में हमारी फसलों को खरीददार कम मिले। यह वह समय था जब पतंजलि भी बहुत कम मात्रा में ऐलोवेरा खरीदती थी। इस बीच आरएसएमपीबी के अधिकारी राम तिवाड़ी द्वारा एचएचसी कंपनी, बिहारीगढ के बारे में पता चला जो ऐलोवेरा की खरीद फरोख्त करती थी। इस कंपनी का खरीद मूल्य एक रुपया 40 पैसे प्रति किलो था। मूल्य भले ही कम था, पर हमारे लिए यह प्रयास बहुत ही उत्सावर्धक और प्रेरणादायी साबित हुआ। सन 2007 में नागौर जिले के कुछ किसानों के साथ मिलकर एक समूह बनाने का निर्णय लिया। उद्देश्य था की अब समूह में खेती करेंगे। आरएसएमपीबी में ?मारवाड़ औषधीय पादप स्वयं सहायता समूह' का पंजीकरण करवाया। मैं समय–समय पर एनएमपीबी के सम्पर्क में रहा और तकनीकी जानकारियों को सहेजना जारी रखा। किसानों के मध्य जाकर उनको भी औषधीय महत्व के पौधों की जानकारी देना जारी रखा। परिणाम स्वरूप किसानों को इन सबमें रुचि जाग्रत होने लगी। इसी बीच औषधीय फसलों और जड़ी बूटियों को खरीदने के लिए नई कंपनियां और फार्मेसियां भी बाज़ार में आईं, इससे किसानों को बेचने की समस्या में आसानी होने लग गई। यह वह समय था जब हमने अन्य राज्यों में भी सम्पर्क स्थापित किए, अब किसान भाइयों की उपज बाहर जाने लगी। गुड़हल, लाजवन्ती, कपूर, तुलसी, अकरकरा जैसी औषधियां हमने उपजाई जिनके परिणाम बेहद संतुष्टि देने वाले रहे।

मधुमक्खियों की गुनगुनाहट से समृद्ध होते हैं लीची के बाग

मधुमक्खियों का योगदान केवल परागण तक सीमित नहीं है। वे जैव विविधता को बनाए रखने में भी अहम भूमिका निभाती हैं। जब कभी आप लीची के बागों से गुजरे हैं और उन पेड़ों पर लदे हरे–भरे फूलों के बीच मधुर गुनगुनाहट सुनी हो, तो वो संगीत कोई साधारण ध्वनि नहीं है। यह प्रकृति के सबसे कुशल संगीतकारों, मधुमक्खियों की जीवंत रचना है। उनकी पंखों की सरसराहट और कोमल गुनगुनाहट एक अनोखा संगीत रचती है, जो न केवल सुनने में मधुर है बल्कि समृद्धि और धरती की उर्वरता का संदेश भी देती है।

किसानों को आर्थिक नुकसान होगा, क्योंकि मधुमक्खियों के बिना फसल उत्पादन में 30–40 प्रतिशत तक की गिरावट हो सकती है। पर्यावरणीय संतुलन बिगड़ेगा, क्योंकि मधुमक्खियां सिर्फ लीची के ही नहीं, बल्कि अन्य फसलों और वनस्पतियों के परागण में भी मदद करती हैं।

मधुमक्खियों को आकर्षित करने के उपाय– अगर आप चाहते हैं कि मधुमक्खियां आपके बाग में बनी रहें और परागण करती रहें, तो कुछ उपाय करने होंगे। कीटनाशकों का नियंत्रित उपयोग: जहरीले रसायन मधुमक्खियों के लिए खतरनाक होते हैं, इसलिए जैविक कीटनाशकों का उपयोग करें और फूलों के खिलने के दौरान स्प्रे से बचें।

मधुमक्खी–पसंद फूलों का रोपण करें: बाग के आसपास सूरजमुखी, गेंदा और तुलसी जैसे सुगंधित फूल लगाएं, ताकि मधुमक्खियां आकर्षित हों और आपके बाग में टिके रहें। मधुमक्खी पालन को बढ़ावा दें–कृत्रिम छत्ते स्थापित करें, जिससे परागण बेहतर होगा और साथ ही शहद का उत्पादन भी होगा। ताजे जल का स्रोत उपलब्ध कराएं: मधुमक्खियों को अमृत के साथ–साथ पानी की भी जरूरत होती है। बाग में एक छोटा जल स्रोत उनके लिए उपयोगी होगा। प्राकृतिक आवासों को संरक्षित करें– मधुमक्खियां वृक्षों, झाड़ियों और पुराने तनों में बसेरा बनाती हैं, इसलिए उनके प्राकृतिक आवासों को नष्ट करने से बचें।

मधुमक्खियां: परागण से परे जीवनदायिनी– मधुमक्खियों का योगदान केवल परागण तक सीमित नहीं है। वे जैव विविधता को बनाए रखने में भी अहम भूमिका निभाती हैं। इनके द्वारा किए गए परागण से पौधों की अनेक प्रजातियों का संरक्षण होता है, जो पूरे पारिस्थितिकी तंत्र के लिए लाभकारी है। इसके अलावा, मधुमक्खियों से प्राप्त शहद, मोम, पराग और प्रोपोलिस जैसे उत्पादों का औषधीय और व्यावसायिक महत्व भी बहुत अधिक है।

मधुमक्खियों की गुनगुनाहट: समृद्धि की पुकार– लीची के बागों में मधुमक्खियों की गुनगुनाहट केवल एक ध्वनि नहीं, बल्कि समृद्धि और उर्वरता का संगीत है। हमें इन परागण नायिकाओं को बचाने के लिए उनका संरक्षण करना चाहिए और उनके लिए एक सुरक्षित वातावरण बनाना चाहिए। यदि हम इनकी परवाह करेंगे, तो ये बागों को फल–फूल से भर देंगी और किसानों को आर्थिक लाभ होगा। तो अगली बार जब आप किसी लीची के बाग में जाएं और मधुमक्खियों का संगीत सुनें, तो इसे सिर्फ एक साधारण ध्वनि न समझें। यह प्रकृति का वह सुर है, जो समृद्धि और जीवन का प्रतीक है।

प्रकाशक–गिरिराज चाचा, मुद्रक–मोहन सुरजन द्वारा पत्रकार प्रकाशन प्रा. लिमि. के लिये देशबन्धु काम्पलेक्स नौदराब्रिज जबलपुर से प्रकाशित एवं श्रीजी प्रिंटर्स से मुद्रित, सम्पादक–अशोक मिश्रा, * (* पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार)
फोन संपादकीय–4006577 व्यवस्था – 4085031, 4085679, 2626244 आर.एन.आई. पंजी. क्रमांक 38276/71 डाक पंजीयन क्रमांक–एसएसपी जबलपुर /04/2020–2022 E mail- Jabdesh1@yahoo.com

भारत के संविधान निर्माता भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की 135वीं जयंती पर सादर नमन

25 दुधारू पशुओं की डेयरी इकाई लगाने के लिए

₹42 लाख तक ऋण सहायता

पात्रता - 3.50 एकड़ कृषि भूमि एवं डेयरी फार्मिंग में प्रशिक्षण | **सब्सिडी** 25% से 33% | **पहले आएं, पहले पाएं** पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन करें

- **मुख्यमंत्री उद्यमिता कार्यक्रम के अंतर्गत-** पशुपालन एवं दुग्ध उत्पादन को प्रोत्साहन, डेयरी किसानों की आय में वृद्धि और डेयरी क्षेत्र में रोज़गार के नए अवसरों का होगा निर्माण।
- **उन्नत नस्लों से बढ़ेगी आय -** भ्रूण प्रत्यारोपण कार्यक्रम और बांझ निवारण शिविरों के माध्यम से पशुओं की नस्ल सुधारने के कार्यक्रम।
- **मुख्यमंत्री डेयरी प्लस कार्यक्रम -** किसान आधुनिक डेयरी तकनीक और बाजार से जुड़ेंगे।
- **उत्कृष्टता को सम्मान -** प्रदेश की सर्वश्रेष्ठ गौवंशीय और उन्नत नस्ल की दुधारू गायों के लिए पुरस्कार कार्यक्रम।
- एक हितग्राही को अधिकतम आठ इकाइयां लगाने की पात्रता होगी।

प्रदेश में गौ-पालकों और दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए "डॉ. भीमराव अम्बेडकर कामधेनु योजना" शुरू की जा रही है। गौ-माता की सेवा हमारी संस्कृति एवं संस्कारों का अहम हिस्सा है। हमने यह वर्ष गौ-माता की सेवा को समर्पित किया है।

प्रदेश में गौ-शालाओं के माध्यम से गौ-सेवा की नई इबारत लिखी जाएगी और नई दुग्ध क्रांति लाई जाएगी। स्वावलंबी गौ-शालाओं की स्थापना नीति-2025 के तहत पंजीकृत गौ-शालाओं के गौ-वंश हेतु अनुदान अब ₹20 से बढ़कर ₹40 प्रति गौवंश प्रति दिवस मिलेगा। हमारा प्रयास है कि दुग्ध उत्पादकों को दुग्ध के बेहतर दाम मिलें, इस दिशा में हम तेजी से प्रयास कर रहे हैं।

-**डॉ. मोहन यादव**, मुख्यमंत्री

डॉ. भीमराव अम्बेडकर अभ्यारण्य के रूप में सागर जिले में 258.64 वर्ग किमी क्षेत्र में प्रदेश का 25वां अभ्यारण्य घोषित।

वन्य जीवन एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए अहम निर्णय।

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

D-11011/25